हिंदी दैनिक

कोयलांचल संवाद

रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित

रांची, मंगलवार, 22 अक्टूबर, 2024 वर्ष : 12 अंक : 158

YouTube Subscribe Koylanchal samvad news

www.koylanchalsamvad.com

आतंकी पन्नू ने दी एअर इंडिया में विस्फोट की धमकी... | भारी भरकम फीस जमा करने के बाद भी समय पर न्याय नहीं | मूंगफली को होने वाले रोग और उनसे बचाव के... | मूल्य : 2 रुपए

संक्षिप्त खबरें

78 हजार के रिकॉर्ड स्तर पर सोना:इस साल 14,616 महंगा हुआ, चांदी भी 4,884 बढ़कर 97,167 प्रति किलो पर पहुंची

नई दिल्ली: सोना और चांदी आज यानी 21 अक्टूबर को अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के आंकड़ों के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 558 रुपए बढ़कर 77,968 रुपए पर पहुंच गया। इससे एक दिन पहले इसके दाम 77,410 रुपए प्रति दस ग्राम थे। वहीं, चांदी की कीमत में 4,884 रुपए की तेजी रही और यह 97,167 रुपए प्रति किलो के भाव से बिक रही है। इससे एक दिन पहले चांदी 92,283 रुपए पर थी। इससे पहले चांदी ने 29 मई को अपने ऑल टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति किलो का हाई बनाया था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के कमोडिटी और करेंसी हेड अनुज गुप्ता के अनुसार जियोपॉलिटिकल टेंशन और फस्टिव सीजन शुरू होने से सोने को सपोर्ट मिल रहा है। इससे आने वाले दिनों में सोने-चांदी में बढ़त देखने को मिल सकती है। इस साल सोना 79 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं, चांदी भी 1 लाख रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच सकती है।

प्रभाकर राघवन गूगल के नए सीटीओ बने:इनके पास लैरी पेज से पहले था गूगल जैसी कंपनी का ब्लूप्रिंट

नई दिल्ली: गूगल ने लीडरशिप में बड़ा बदलाव किया है। भारतीय मूल के प्रभाकर राघवन कंपनी के नए चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर (सीटीओ) बने हैं। गूगल एआई के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है और टीम को रिस्ट्रक्चर कर रही है। राघवन की नियुक्ति इसी कवायद का हिस्सा है। इस क्षेत्र में गूगल को माइक्रोसॉफ्ट जैसे बड़े टेक दिग्गजों से प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। राघवन के अब तक के करिअर और उनसे जुड़ी उपलब्धियों पर नजर डालते हैं। राघवन की पहचान एक विश्व स्तरीय कम्प्यूटर वैज्ञानिक की है। उनके पास एल्गोरिदम, वेब खोज और डेटाबेस पर 20 वर्षों से अधिक का रिसर्च है। 100 से अधिक रिसर्च पेपर हैं। टेक और वेब की दुनिया के 20 से अधिक पेटेंट हैं। वे 12 साल पहले गूगल से जुड़े थे। बतौर सीनियर वाइस प्रेसिडेंट गूगल सर्च, असिस्टेंट, गूगल एड्स, कॉमर्स और पेमेंट्स प्रोडक्ट्स जैसे अहम डिवीजन में रहे। कंपनी की बड़ी कमाई यहीं से होती है। 1998 में लैरी पेज-सर्गेई ब्रिन ने गूगल शुरू किया। राघवन ने इससे पहले ही गूगल जैसी कंपनी खड़ी करने के बारे में सोच लिया था। 1990 के दशक में स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में छात्रों के साथ सर्च इंजन के कॉन्सेप्ट पर कंपनी खड़ी करने का ब्लूप्रिंट तैयार किया था, पर वे याहू से जुड़ गए। वे गूगल एप्स, गूगल क्लाउड डिवीजन के वाइस प्रेसिडेंट रह चुके हैं। उनके नेतृत्व में गूगल का एप्स बिजनेस ने नई ऊंचाइयां पाई। उन्होंने जीमेल और ड्राइव दोनों को आगे बढ़ाया। जी सूट में कई मशीन इंटेलिजेंस फीचर्स पेश किए, जिनमें स्मार्ट रिप्लाई, स्मार्ट कम्पोज, ड्राइव क्विक एक्सेस शामिल हैं।

पीएम मोदी और स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज 28 अक्टूबर को वडोदरा आएंगे

वडोदरा (ईएमएस) | प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज आगामी 28 अक्टूबर को वडोदरा शहर के दौरे पर आ रहे हैं। दोनों महानुभावों के आगमन को ध्यान में लेकर वडोदरा महानगर पालिका (वीएमसी-मनपा) द्वारा शहर में पुरजोर तैयारियाँ चल रही हैं। वडोदरा महानगर पालिका द्वारा शहर के मुख्य मार्गों, डिवाइडरों, फुटपाथ तथा सार्वजनिक स्थानों की साफ-सफाई की जा रही है तथा सड़क-मार्गों का मरम्मत कार्य भी तेज गति से चल रहा है। शहर के सार्वजनिक मार्गों को शोभायमान बनाने के लिए रंगरोगन तथा वृक्षारोपण जैसे कार्य शुरू किए गए हैं। हाल ही में आई बाढ़ आपदा के बाद शहर के मुख्य क्षेत्रों में हुए नुकसान को ठीक करने के लिए वडोदरा मनपा प्रशासन दिन-रात जुटा हुआ है। विशेष रूप से; बाढ़ के कारण धँसी सड़कों तथा बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की मरम्मत का कार्य युद्ध स्तर पर पूरी किया जा रहा है। वडोदरा शहर की विशिष्ट पहचान यानी महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय (एमएसयू), कीर्ति मंदिर, न्याय मंदिर एवं लक्ष्मीविलास पैलेस को आकर्षक तथा विशिष्ट लाइटिंग से सजाया गया है और साथ ही वहाँ रंगरोगन भी किया जा रहा है।

29 अक्टूबर तक नामांकन कर सकेंगे उम्मीदवार, दूसरे चरण की वोटिंग 20 नवंबर को

झारखंड में आज जारी होगी दूसरे चरण की अधिसूचना, इन 38 सीटों पर शुरू होगा नामांकन

रांची: झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 के दूसरे चरण की अधिसूचना मंगलवार (22 अक्टूबर) को जारी होगी. इसके साथ ही झारखंड की बाकी बची 38 विधानसभा सीटों के लिए नामांकन शुरू हो जाएंगे. इन 38 सीटों में 3 अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित हैं, तो 8 अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए. दूसरे चरण की अधिसूचना जारी होने के बाद नामांकन का दौर शुरू हो जाएगी. उम्मीदवार 29 अक्टूबर तक नामांकन दाखिल कर सकेंगे. 30 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी. 1 नवंबर तक उम्मीदवार अपना नाम वापस ले सकेंगे. दूसरे चरण की वोटिंग 20 नवंबर को होगी. 23 नवंबर को झारखंड की सभी 81 विधानसभा सीटों पर मतगणना कराई जाएगी. झारखंड में विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया 25 नवंबर को पूरी हो जाएगी.

15 अक्टूबर को हुई थी झारखंड में विधानसभा चुनाव की घोषणा

भारत निर्वाचन आयोग ने 15 अक्टूबर को विधानसभा आम निर्वाचन झारखंड 2024 के कार्यक्रम की घोषणा की थी. इसके साथ ही पूरे झारखंड में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई थी. पहले चरण की अधिसूचना 18 अक्टूबर को जारी की गई थी. 25 अक्टूबर तक पहले चरण के लिए नामांकन होंगे.

झारखंड की 81 विधानसभा सीटों के लिए 2 चरण में हो रही वोटिंग

झारखंड में कुल 81 विधानसभा सीटें हैं. लंबे समय तक नक्सलवाद से त्रस्त इस राज्य में पहली बार सिर्फ 2 चरणों में वोटिंग हो रही है. इसके पहले 4 या 5 चरणों में विधानसभा के चुनाव कराए जाते रहे हैं. लोकसभा चुनाव 2024 में झारखंड की 14 सीटों पर 4 चरणों में मतदान हुए थे.

इन सीटों के लिए 22 अक्टूबर को जारी होगी अधिसूचना

- राजमहल
- बोरियो (एसटी)
- बरहेट (एसटी)
- लिट्टीपाड़ा (एसटी)
- पाकुड़
- महेशपुर (एसटी)
- शिकारीपाड़ा (एसटी)
- नाला
- जामताड़ा
- दुमका (एसटी)
- जामा (एसटी)
- जरमुंडी
- मधुपुर
- सारठ
- देवघर (एससी)
- पोड़ैयाहाट
- गोड्डा
- महगामा
- रामगढ़
- मांडू
- धनवार
- बगोदर
- जमुआ (एससी)
- गांडेय
- गिरिडीह
- डुमरी
- गोमिया
- बेरमो
- बोकारो
- चंदनकियारी (एससी)
- सिंदरी
- निरसा
- धनबाद
- झरिया
- टुंडी
- बाघमारा
- सिल्ली
- खिजरी (एसटी)

झारखंड विधानसभा से पहले बीजेपी में भगदड़, अब पूर्व विधायक ने छोड़ी पार्टी

झारखंड में विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी को एक और बड़ा झटका लगा है. वरिष्ठ नेता और नाला विधानसभा के पूर्व विधायक सत्यानंद झा बाटुल ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है. उन्होंने अपने पत्र में इस्तीफा देने का कोई कारण नहीं बताया है. इससे पहले सरायकेला से पूर्व प्रत्याशी गणेश महली ने भी रविवार को बीजेपी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है.

मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने दाखिल किया नामांकन

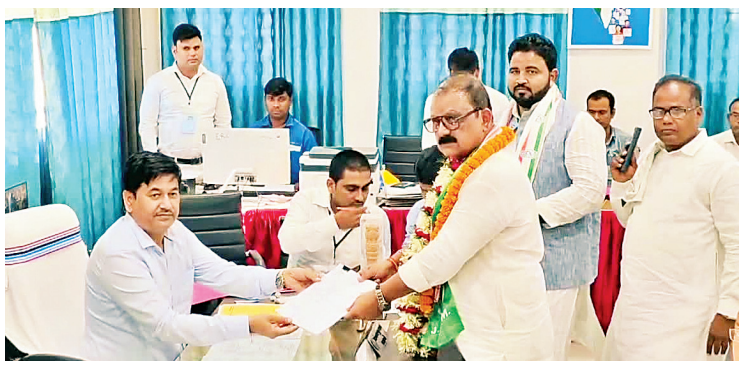

गढ़वा: झारखंड विधानसभा चुनाव में सबसे हॉट सीट माने जा रहे गढ़वा विधानसभा क्षेत्र से स्थानीय विधायक सह मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने झामुमो प्रत्याशी के रूप में अपना नामांकन दाखिल कर दिया. उन्होंने अपना नामांकन रिटर्निंग ऑफिसर सह एसडीएम के समक्ष दोपहर 2:20 बजे एक सेट में दाखिल किया. मिथलेश ठाकुर बाइक पर सवार होकर नामांकन दाखिल करने पहुंचे. नामांकन के लिए हजारों की संख्या में समर्थक जुटे थे. भीड़ के कारण मिथलेश ठाकुर सड़क जाम में फंस गए. जाम के कारण मिथलेश ठाकुर मोटरसाइकिल पर सवार होकर नामांकन दाखिल करने पहुंचे. दरअसल, नामांकन का समय तीन बजे तक निर्धारित था और हजारों की संख्या में समर्थक मिथलेश ठाकुर के नामांकन के लिए गढ़वा पहुंच गए थे, जिसके कारण ऐसा लग रहा था मानो पूरा शहर थम गया हो, वाहन रेंग-रेंग कर चल रहे थे, भीड़ इतनी बढ़ गई थी कि उन्हें खुली जीप छोड़कर मोटरसाइकिल पर आना पड़ा. नामांकन दाखिल करने से पहले उन्होंने प्रसिद्ध माता गढ़देवी मंदिर में जाकर पूजा-अर्चना की और मां से जीत का आशीर्वाद मांगा. इसके बाद वे शहर के कर्बला मैदान से हजारों समर्थकों के साथ पूरे शहर में रोड शो करते हुए अनुमंडल कार्यालय पहुंचे. इस दौरान पूरे शहर के लोगों ने उनका स्वागत किया.

झारखंड विस चुनाव : 11 हजार अर्धसैनिक बल के जवान रहेंगे तैनात

रांची: झारखंड विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा हो गयी है. राज्य में दो चरणों में चुनाव होगा. पहला चरण 13 नवंबर और दूसरा चरण 20 नवंबर को होगा. वहीं चुनाव के परिणाम 23 नवंबर को आयेंगे. तारीखों की घोषणा के बाद झारखंड पुलिस भी चुनाव की तैयारियों में जुट गयी है, ताकि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांतिपूर्ण तरीके से मतदान हो सके. इसको लेकर झारखंड में 119 कंपनी (11 हजार जवान) अर्धसैनिक बल की तैनाती होगी. जिनमें से 91 अर्धसैनिक बल की कंपनियां झारखंड आ गयी हैं. सुरक्षा व्यवस्था को लेकर झारखंड पुलिस ने चुनाव आयोग से 590 कंपनी अर्द्धसैनिक बल की मांग की थी.

अर्धसैनिक बल की कितनी कंपनियां होंगी तैनात :

- बीएसएफ: 43
- सीआरपीएफ:36
- आईटीबीपी: 15
- सीआईएसएफ: 10
- एसएसबी: 15
- कुल: 119

तीन से पांच कंपनी अर्द्धसैनिक बल एक-एक जिला को मिल सकेगा. इन बलों को फ्लैग मार्च, एरिया डोमिनेशन, चेकिंग आदि के कार्यों में लगाया जायेगा, ताकि आमजनों में यह विश्वास जगे कि चुनाव के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद है.

प्रशासन अलर्ट, अंतर्राज्यीय और अंतरजिला प्रशासनिक बैठक में बनाई गई रणनीति

विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कोल्हान कमिश्नर, कोल्हान डीआईजी ने अंतर्राज्यीय और अंतरजिला प्रशासनिक और पुलिस पदाधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की है. कोल्हान कमिश्नर ने बताया कि बैठक में सीमावर्ती राज्यों के अधिकारियों, थाना और अनुमंडल स्तर पर व्हाट्सएप ग्रुप बनाने का सुझाव दिया गया है, ताकि सभी गतिविधियों की डीसी, एसएसपी और एसपी स्तर पर मॉनिटरिंग की जा सके. बैठक में कोल्हान प्रमंडल से सटे सीमावर्ती राज्य पश्चिम बंगाल के तीन जिला, ओडिशा के तीन जिला और झारखंड राज्य के छह जिलों के डीसी, एसएसपी, एसपी और उनके प्रतिनिधि शामिल हुए.

अंतर्राज्यीय और अंतरजिला सीमा पर पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था के लिए मिरर और कंपोजिट चेकपोस्ट बनाने, नगद, शराब, ड्रग्स या अन्य चीजों के अवैध परिवहन की निगरानी पर चर्चा की गई. कोल्हान कमिश्नर हरि कुमार केशरी और कोल्हान डीआईजी मनोज रतन चोथे द्वारा विधानसभा चुनाव के दौरान कानून और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए ओडिशा, पश्चिम बंगाल और झारखंड के प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय संयुक्त बैठक में कई बिंदुओं पर चर्चा की. बैठक में झारखंड विधानसभा चुनाव के दौरान विधि व्यवस्था के बेहतर संधारण को लेकर आपसी समन्वय पर जोर दिया गया. वहीं विधानसभा चुनाव के दौरान अंतर्राज्यीय और अंतरजिला सीमा पर सुरक्षा और निगरानी के लिए रणनीति पर चर्चा की गई. बैठक में अंतरराज्यीय और अंतरजिला सीमा पर कानून व्यवस्था बनाए रखने, अंतरराज्यीय सीमा से असामाजिक तत्वों और चुनाव को प्रभावित करने के लिए शराब, नगदी, ड्रग्स, उपहार की वस्तु आदि परिवहन पर रोकथाम लगाने के लिए सख्ती से कार्रवाई करने के लिए कहा गया.

पंकज मिश्रा को हाईकोर्ट से मिली जमानत: साहेबगंज में अवैध खनन-मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप

रांची : झारखंड के साहेबगंज में अवैध पत्थर खनन और उससे की गई अवैध कमाई के आरोपी पंकज मिश्रा को हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। उसे ईडी ने 10 घंटे की लगातार पूछताछ के बाद 19 जुलाई 2022 को गिरफ्तार किया था। झारखंड हाईकोर्ट में उसकी बेल याचिका पर न्यायाधीश जस्टिस गौतम कुमार चौधरी की कोर्ट में सुनवाई हुई। इससे पहले उसने ईडी विशेष अदालत में जमानत के लिए अर्जी लगाई थी, जिसे खारिज कर दिया गया था।

पंकज मिश्रा पर क्या हैं आरोप

पंकज मिश्रा पर कई तरह के आरोप हैं। उस पर साहेबगंज में 12 सौ करोड़ रुपए से अधिक की अवैध माइनिंग, उससे हुई अवैध कमाई के अतिरिक्त टेंडर मैनेज करने का भी आरोप लगा है। ईडी ने उसे अवैध माइनिंग और अवैध कमाई मामले में पूछताछ के लिए बुलाया था, जिसके बाद उसे गिरफ्तार किया गया है। इन दोनों ही मामले में ईडी ने आरोप अदालत में आरोप गठित कर दिए हैं। ईडी ने अदालत को बताया है कि साहिबगंज के 12 सौ करोड़ रुपए से अधिक के अवैध खनन केस में हेमंत के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा, उनके करीबी अमित अग्रवाल, प्रेम प्रकाश जेल में हैं। जांच में रवि केजरीवाल ने बताया था कि खनन में उगाही का पैसा हेमंत सोरेन के कहने पर अमित तक प्रेम प्रकाश के जरिए जाता था। जांच में यह भी पता चला है कि अमित की 40 कंपनियों में 100 करोड़ से अधिक की अवैध कमायी का निवेश किया गया। हेमंत सोरेन के दो बॉडीगार्ड के एके-47 भी जब्त किए गए थे।

भारत-चीन के बीच ऐतिहासिक सहमति, देपसांग और डेमचोक से पीछे हटेगी सेना

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने सोमवार को कहा कि भारतीय और चीनी वार्ताकार पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त के लिए एक समझौते पर पहुंचे हैं. विदेश सचिव ने कहा कि भारतीय और चीनी वार्ताकार बाकी मुद्दों को सुलझाने के लिए पिछले कुछ हफ्तों से संपर्क में थे. समझा जाता है कि यह समझौता देपसांग और डेमचोक इलाकों में गश्त से संबंधित है. दोनों देशों की सेना देपसांग और डेमचोक से पीछे हटेंगी. इस सफलता की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए रूसी शहर कजान की यात्रा से एक दिन पहले हुई है. हालांकि, कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन उम्मीद है कि मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के मौके पर द्विपक्षीय बैठक करेंगे.

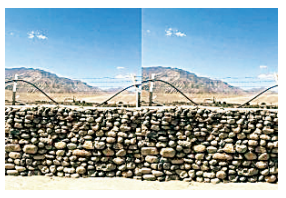

मौसम विभाग का अलर्ट: तबाही मचाने आ रहा चक्रवाती तूफान, ओडिशा और बंगाल में हाई अलर्ट, झारखंड में भी होगा असर

मौसम विभाग के अनुसार निम्न दबाव वाला क्षेत्र 23 अक्टूबर तक चक्रवाती तूफान में तब्दील हो सकता है. जिसका प्रभाव ओडिशा और पश्चिम बंगाल में हो सकता है. इसका कुछ हद तक असर झारखंड में भी दिख सकता है. 24 अक्टूबर को झारखंड के दक्षिण पूर्वी भागों में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है. इस दौरान कहीं-कहीं पर गर्जन और वज्रपात की भी संभावना है. जबकि करीब 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की भी संभावना जताई गई है.

23 अक्टूबर को तबाही मचाएगा चक्रवाती तूफान

आईएमडी ने बताया कि रविवार को उत्तरी अंडमान सागर और उससे सटे बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने 'साइक्लोनिक सर्कुलेशन' ने बंगाल की

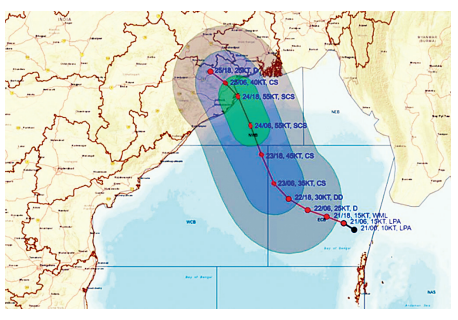

खाड़ी के पूर्व-मध्य क्षेत्र में और उससे सटे उत्तरी अंडमान सागर के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र बना दिया है. विभाग ने कहा, इसके पश्चिम-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ने तथा 22 अक्टूबर की सुबह तक तीव्र होकर दबाव के रूप में परिवर्तित होने तथा 23 अक्टूबर तक पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की प्रबल आशंका है.

ओडिशा तट को प्रभावित कर सकता है चक्रवाती तूफान

विभाग ने कहा कि इस तूफान के उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ने तथा 24 अक्टूबर की सुबह तक ओडिशा और पश्चिम बंगाल के तटों के पास बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिम में पहुंचने की अत्यधिक आशंका है. आईएमडी ने मछुआरों को सोमवार शाम तक किनारे पर लौट आने की सलाह दी है. भुवनेश्वर के क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के एक वरिष्ठ वैज्ञानिक ने कहा कि आईएमडी ने अभी तक चक्रवात के संभावित स्थान का खुलासा नहीं किया है, हालांकि इसके संभावित मार्ग का ग्राफ्रिक जारी किया गया है, जिससे संकेत मिलता है एक गंभीर चक्रवाती तूफान उत्तरी ओडिशा तट को प्रभावित कर सकता है.

मौसम विभाग ने इस स्थान के लिए जारी किया रेड अलर्ट

मौसम विभाग ने 23 अक्टूबर को ओडिशा में अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा तथा कुछ स्थानों पर भारी वर्षा का अनुमान लगाया है. मौसम विभाग ने कहा है कि 24-25 अक्टूबर को कुछ स्थानों पर भारी बारिश तथा कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश भी हो सकती है. आईएमडी ने 24 अक्टूबर को पुरी, खुर्दा, गंजम और जगतसिंहपुर जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश (सात से 20 सेमी) और अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश (20 सेमी से अधिक) के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया है.

यहां के लिए येलो अलर्ट जारी

भद्रक, बालासोर, जाजपुर, अंगुल, ढेंकनाल, बौध, कालाहांडी, रायगढ़ा, कोरापुट, मलकानगिरी, मयूरभंज और क्योंझर जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना जताते हुए 'येलो अलर्ट' जारी किया है.

40-50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवा चलने की आशंका

आईएमडी ने कहा कि 23 अक्टूबर की शाम से ओडिशा तट के साथ-साथ बंगाल की खाड़ी के पश्चिम-मध्य क्षेत्र में 40-50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवा चलने की आशंका है. इस बीच ओडिशा सरकार ने तटीय जिलों के जिलाधिकारियों को हाई अलर्ट पर रखा है और उन्हें संवेदनशील स्थानों से लोगों को निकालने सहित हरसंभव उपाय करने का निर्देश दिया है.

जयराम की पार्टी को झटका! केंद्रीय संगठन महासचिव समेत कई ने दिया इस्तीफा

धनबाद: विधानसभा चुनाव से पहले जयराम महतो को बड़ा झटका लगा है. जयराम महतो की पार्टी झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केंद्रीय संगठन महासचिव शंकर महतो और सिंदरी विधानसभा क्षेत्र के आधा दर्जन पदाधिकारियों ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और पद से इस्तीफा दे दिया है. शंकर महतो ने गांधी सेवा सदन में मीडिया से कहा कि जिस सोच के साथ वे पार्टी में शामिल हुए थे और जनांदोलन का हिस्सा बने थे, वह अब पार्टी में नहीं है, सब कुछ बदल गया है. सिंदरी में मेरे अलावा आठ-नौ ऐसे पदाधिकारी थे, जिन्हें पार्टी और पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो से उम्मीद थी कि हममें से किसी को सिंदरी विधानसभा से उम्मीदवार बनाया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ. उन्होंने कहा कि पार्टी ने लोकसभा चुनाव में पार्टी विरोधी काम करने वाले को उम्मीदवार बनाया है. ऐसे में अब पार्टी में रहने का कोई मतलब नहीं है, इसलिए हम सभी इस्तीफा दे रहे हैं.

सिंदरी प्रत्याशी को लेकर थी नाराजगी

बता दें कि पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो ने सिंदरी विधानसभा क्षेत्र से उषा देवी को मैदान में उतारने की घोषणा की है. दूसरी सूची में उनका नाम जारी किया गया. जयराम की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद ही केंद्रीय संगठन महासचिव शंकर महतो ने विरोध जताया था. जयराम महतो पर टिकट बंटवारे में भेदभाव का आरोप लगाया गया था. अब शंकर महतो ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है. सिंदरी विधानसभा क्षेत्र से आने वाले पार्टी के अन्य नेताओं ने भी इस्तीफा दे दिया है.

आनंदी में निशुल्क कैंसर जाँच शिविर में मुंह,स्तन एवं गर्भाशय का कैंसर की जांच की गई

ओरमांझी(मोहसीन आलम):आनंदी सरकारी स्कूल परिसर में सोमवार को कैंसर जांच शिविर का आयोजन किया गया।झारखंड सरकार एवं रांची कैंसर केयर फाउंडेशन के संयुक्त प्रयास से यह कैंप लगाया गया था.इस कैंप में एनसीडी का स्क्रीनिंग किया गया, जिसमें 30 वर्ष से 65 वर्ष के महिला पुरुष शामिल थे,स्क्रीनिंग में महिला पुरुष के बीपी शुगर एवं मुंह का कैंसर,स्तन का कैंसर एवं गर्भाशय का कैंसर की जांच की गई। कैंप मैनेजर भानु प्रताप ने बताया कि रांची कैंसर केयर फाउंडेशन(टाटा ट्रस्ट) एवं झारखंड सरकार के प्रयास से ग्रामीण क्षेत्रों में लगे कैंप से कैंसर के लक्षण एवं पहचान के लिए यह कैंप लगाया जा रहा है. इस कैंप में डॉ प्रियम,स्टाफ नर्स प्रतिमा गाड़ी तथा एनएचएम से सीएचओ उमा कुमारी,एएनएम सुनीला तोपो,आशा संजुला देवी तथा आनंदी गांव के मुखिया पार्वती देवी उप मुखिया बनवारी साहू पंचायत समिति अध्यक्ष शशि मिश्रा सहित अनेकों ग्रामीण पर मौजूद थे।

विश्रामपुर विस क्षेत्र से विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी ने खरीदा नामांकन पत्र

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : विधानसभा चुनाव का नामांकन प्रक्रिया शुक्रवार से शुरू है। सोमवार को भी विश्रामपुर-मझिआंव विधानसभा क्षेत्र से कई प्रत्यासियों ने नामांकन पत्र खरीदा। पूर्व स्वस्थ्य मंत्री सह विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी के लिए वरीय भाजपा नेता इदरिश हवारी ने आज नामांकन पत्र लिया। साथ में भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष विजयानंद पाठक,उटारी रोड विधायक प्रतिनिधि मनोज सिंह,युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष विपुल गुप्ता,शिव कुमार मिश्रा,शिशिर कुमार भी मौजूद रहे।

एक प्रत्याशी ने अपना नामांकन का पर्चा किया दाखिल, छह प्रत्याशियों ने खरीदा अपना-अपना नामांकन का प्रपत्र

बरकट्ठा(हजारीबाग)।सोमवार को बरकट्ठा विधानसभा क्षेत्र के लिए एक प्रत्याशी ने अपना नामांकन का पर्चा दाखिल किया।वहीं छह प्रत्याशियों ने अपना-अपना नामांकन का प्रपत्र खरीदा है। बरही अनुमंडल कार्यालय में निर्वाची पदाधिकारी एलआरडीसी अजय भगत के समक्ष निर्दलीय प्रत्याशी ग्राम धोबारी चेचकप्पी निवासी संतोष नायक ने नामांकन का पर्चा दाखिल किया।जबकि भाजपा प्रत्याशी विधायक अमित कुमार यादव, निर्दलीय प्रत्याशी चंद्रकांत पांडेय, निर्दलीय प्रत्याशी बसंत नारायण मेहता, निर्दलीय राज कुमार, निर्दलीय सुखदेव यादव, निर्दलीय शमशाद आलम ने अपना नामांकन प्रपत्र खरीदा है।आपको बता दे कि बरकट्ठा विधानसभा क्षेत्र के लिए पहले दिन तीन प्रत्याशी और दूसरे दिन दो प्रत्याशी ने नामांकन का पर्चा खरीदा था।

काली पूजा मनाने को लेकर बरकट्ठा में हुई बैठक

बरकट्ठा(हजारीबाग)।काली पूजा मनाने को लेकर बरकट्ठा बाजार रोड़ स्थित काली मंदिर परिसर में बैठक की गई। बैठक की अध्यक्षता पूर्व प्रखंड मुखिया संघ अध्यक्ष बसंत साव ने किया। बैठक में पूजा सफल बनाने को लेकर कमेटी का गठन किया गया। सर्वसम्मति से बैठक में पूजा समिति का अध्यक्ष मोनू मंडल, उपाध्यक्ष अजय राणा, सचिव बिट्टू मोदी उपसचिव शंकर साव, कोषाध्यक्ष मुकेश मंडल, उपकोषाध्यक्ष सचिन साव को चुना गया। जबकि निगरानी समिति के अध्यक्ष नरेश मंडल, उपाध्यक्ष बीरेंद्र रजक का चयन किया गया। नव चयनित पदाधिकारियों ने कहा कि काली पूजा हर वर्ष की भाती इस वर्ष भी धूमधाम से मनाया जाएगा। इस अवसर पर पुजारी महेंद्र मंडल, रंजन मोदी, बीरेंद्र सोनी, राम खेलावन, धीरज गुप्ता, शुभम कसेरा, मोनू मंडल, काली मंडल, किशोर मोदी, उमेश ठाकुर, बिट्टू मोदी, मिश्रा मोदी, प्रदीप लाल, अनिल मोदी, उमेश राणा, संजय मंडल, दुखन पंडित समेत अन्य कई लोग मौजूद रहे।

सुरक्षा की दृष्टिकोण से हटाए गए बासुकीनाथ बाजार में लगी आग से क्षतिग्रस्त हुए सभी पेड़

दुमकाःबासुकीनाथ बाजार में बीते शनिवार की रात्रि में हुए भीषण अग्निकांड के कारण आग से झुलसे सभी क्षतिग्रस्त पेड़ों को सुरक्षा के दृष्टिकोण से सोमवार को हटा दिया गया। अग्निकांड से झुलसे पेड़ खतरनाक रुप से झुके हुए थे और कभी भी गिर कर राहगीरों को चोटिल कर सकते थे। बासुकीनाथ नगर पंचायत द्वारा राहगीरों की सुरक्षा को लेकर सभी पेड़ों को काटकर हटा दिया गया है। सभी पेड़ों को नगर पंचायत कर्मियों की मौजूदगी में हटाया गया। बासुकीनाथ बाजार स्थित सभी पेड़ आग से झुलसकर खतरनाक तरीके से झुक गए थे। ज्ञातव्य हो कि बाबा बासुकीनाथ शिवनगरी में प्रतिदिन देश के विभिन्न भागों से हजारों श्रद्धालु पूजा-अर्चना करने पहुंचते हैं । मंदिर पहुंचने का रास्ता मुख्य बाजार होकर ही जाता है।

भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक में पार्टी प्रत्याशी कमलेश कुमार सिंह को विजयी बनाने का लिया गया संकल्प

रांचीः पलामू जपला छतरपुर रोड स्थित उदय विश्वकर्मा कांप्लेक्स परिसर में भाजपा के सभी मंडल अध्यक्ष व कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता उद्गर मंडल अध्यक्ष मधुसूदन पाठक ने की। संचालन अजय गुप्ता ने किया। इस मौके पर भाजपा के हुसैनाबाद विधानसभा प्रभारी जवाहिर पासवान ने कहा कि भाजपा किसी व्यक्ति के पॉकेट का संगठन नहीं है। भाजपा नीतियों और सिद्धांतो पर कार्य करने वाली पार्टी है। उन्होंने कहा कि भाजपा नेतृत्व ने विधायक कमलेश कुमार सिंह को प्रत्याशी बनाया है। कमलेश कुमार सिंह के आने से पार्टी का संगठन पहले से ज्यादा मजबूत हुआ है। कार्यकर्ता के लिए इससे बड़ी बात क्या हो सकती है। उन्होंने कहा कि भाजपा समुद्र है, अगर किसी ने नाराज होकर निर्दलीय चुनाव लड़ने का मन बनाया है तो इससे पार्टी को बहुत अंतर पड़ने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि आने वाला दिन बताएगा कि भाजपा से उनकी प्रतिष्ठा थी, छोड़ने के बाद उन्हें वह सम्मान नहीं मिलने वाला है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को कहा कि पार्टी का निर्णय सभी को मान्य है। नरेंद्र भाई मोदी ,अमित शाह और योगी जी के सपने को धरातल पर उतारने के लिए सभी को तन मन धन से कमलेश कुमार सिंह को जीता कर राज्य में डबल इंजन की सरकार बनाने का मार्ग प्रशस्त करना होगा। विधायक सह भाजपा प्रत्याशी कमलेश कुमार सिंह ने कहा कि उन्होंने विश्व के सर्वमान्य नेता नरेंद्र भाई मोदी से प्रभावित होकर भाजपा में आने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में राज्य में एनडीए की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि रही बात क्षेत्र की, तो हुसैनाबाद के एक एक नागरिक को परिवार के सदस्य के रूप में वह देखते हैं। उन्होंने कहा कि उनके लिए एक एक कार्यकर्ता अपने भाई के समान महत्वपूर्ण है। उन्होंने कभी अपने कार्यकर्ताओं का सर कहीं झुकने नहीं दिया है। आगे भी भाजपा के एक एक कार्यकर्ता की प्रतिष्ठा मुझसे जुड़ी होगी। उन्होंने सभी को 23 अक्टूबर को नामांकन कार्यक्रम में भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि वह हमेशा उनके साथ हैं। बैठक में मौजूद कार्यकर्ताओं ने तन मन धन से भाजपा प्रत्याशी कमलेश कुमार सिंह को मदद कर, विधानसभा भेजने का संकल्प लिया। बैठक में रामप्रवेश सिंह, मधुलता रानी, विनोद पांडे, सोमेश सिंह, सीबी रमन,संतोष कुमार सिंह, सतेंद्र पासवान,रामराज मेहता,कामेश्वर सिंह, उमेश चंद शिव,दिनेश गुप्ता, सुरेंद्र पाठक,राजीव रंजन, अंकित पासवान,प्रेमतोश सिंह, अखिलेश्वर मेहता, डा अखिलेश गुप्ता,राजीव रंजन तिवारी,उदय विश्वकर्मा, उदय सिंह, विपिन बिहारी सिंह, जितेंद्र पासवान,लवकुश चंद्रवंशी,शिवपूजन गुप्ता समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

रांची महानगर काली पूजा समिति का हुआ गठन, विनय सिंह बने अध्यक्ष

रांचीः रांची महानगर काली पूजा समिति के तत्वावधान में कचहरी रोड स्थित बिहार क्लब में एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई जिसमें इस वर्ष भी काली पूजा धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया।इस बैठक में तूफान क्लब करम टोली,गौशाला चौक काली पूजा समिति, महाकाली पूजा समिति कचहरी रोड,श्री काली पूजा समिति महावीर चौक,स्टूडेंट क्लब लालपुर,देवी मंडप काली पूजा समिति,यंग स्टूडेंट क्लब करमटोली,भवानीपुर काली पूजा समिति डोरंडा,कुशाई कॉलोनी काली पूजा समिति डोरंडा,एवरग्रीन काली पूजा समिति चुटिया,नव जागृति संघ चुटिया,मां मसानेश्वरी काली पूजा समिति मेन रोड सहित 61 पूजा पंडालों ने भाग लिया।कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी नंदकिशोर सिंह चंदेल जी ने किया। काली पूजा की सफलता के लिए पुरानी कमेटी को भंग करते हुए नए कमेटी का गठन हुआ। जिसमें आठवीं बार पुनः विनय सिंह काली पूजा समिति के अध्यक्ष बने।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद महुआ मांझी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री महावीर मंडल के अध्यक्ष रवि कुमार पिंकू जी की उपस्थिति रही।

यह है टीम- अध्यक्ष विनय सिंह, मुख्य संरक्षक आलोक कुमार दुबे, वरिष्ठ संरक्षक शंकर दुबे, राजीव चटर्जी, संरक्षक लाल किशोर नाथ शाहदेव,डॉ.राजेश गुप्ता उर्फ छोटू जी,युवराज पासवान,बिंदुल वर्मा,अमरनाथ सरकार,मंटू वर्मा, शंकर सिन्हा,विजय वर्मा,दीपक ओझा,श्रवण कुमार, महासचिव-विशवेष तिवारी, मुख्य सलाहकार-,नंदकिशोर सिंह चंदेल, वरीय उपाध्याय* कन्हैया सोनी, उपाध्यक्ष* विकास कुमार,बंटी वर्मा,धीरज वर्मा,करण सिंह, अर्जुन सिंह,रोहन सिंह,आकाश रजक,यश वर्मा,बबलू वर्मा,पप्पू वर्मा,मंटू वर्मा,अजीत सिंह टिंकू,कुमार बंटी, सचिव* वीरेंद्र गोप,सचिन मिर्धा, कुमार कुषार,नवरतन साव, प्रवक्ता एवं मीडिया प्रभारी नमन भारतीय एवं शिव किशोर शर्मा .

सभी ज़ायरीन उमराह कर बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पहुंचे, कहा अच्छी सर्विस है

रांची : स्काईनेट टूर एंड ट्रेवल्स, मानगो जमशेदपुर झारखंड से 70 लोगो का जत्था उमराह कर सऊदी अरब से बिरसा मुंडा एयरपोर्ट रांची वापस हुई। उमराह के लिए 5 अक्टूबर को बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से गए और 21 अक्टूबर को सभी ज़ायरीनो की वापसी हुई। सभी ज़ायरिनो ने कहा कि स्काई एंड स्काई नेट टूर एंड ट्रेवल्स ने हमें उमराह पर बेहतरीन सुविधाएं उपलब्ध कराई। पिछले 25 सालों से स्काईनेट ट्रैवल जमशेदपुर और आसपास के लोगों को लगातार बेहतर सेवा देते आ रही है। स्काई नेट अपने किए गए हर वादे को पूरा करता है। इस मौके पर बड़ी संख्या में जायरीन और उनके परिजन एयरपोर्ट पहुंचे। मौके पर बोलते हुए स्काईनेट टूर एंड ट्रेवल्स के डायरेक्टर नैयर इकबाल सिद्दीकी ने कहा कि सभी ज़ायरीनो की हरम शरीफ से 500 मीटर की दूरी और मदीना मस्जिद-ए-नबवी से 250 मीटर की दूरी पर श्री स्टार होटल में ठहराया गया था। सभी ज़ायरीनो को 50 से अधिक जगहों की जियारत कराया गया। उन्होंने कहा कि हर महीने हमारे यहां से उमराह के लिए ग्रुप जाती है। नवंबर 2024, दिसंबर 2024 और जनवरी 2025 में भी हमारे यहां से उमराह ग्रुप जा रहा है। नैयर इकबाल सिद्दीकी ने कहा कि झारखंड की राजधानी रांची में हमारा काम अल इलहान, टूर एंड ट्रेवल जो सैयद नेहाल अहमद अंजुमन प्लाजा रांची में देखेंगे। हमारी ऑफिस जमशेदपुर, रांची और दिल्ली में कार्यरत है। इस मौक़े पर मोहम्मद ज़ुबैर, अनु, पंकज, रांची ब्रांच के डायरेक्टर सैयद नेहाल अहमद समेत कई लोग मौजूद थे।

बारीडीह में रास पुजा सह मेला को लेकर कि गई बैठक,सफल आयोजन के लिए हुआ समिति का गठन

ओरमांझी(मोहसीनआलम):कार्तिक पुर्णिमा के अवसर पर बारीडीह मे लगने वाले राशि पुजा सह मेला को लेकर रविवार को शिव मंदिर प्रांगण मे पुर्व मुखिया मानकी राजेन्द्र साही की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक मे रास पुजा सह मेला 15 नवंबर को धुमधाम से मनाने का निर्माण लिया गया। बैठक मे पुजा सह मेला का सफल आयोजन के लिए समिति का गठन किया गया जिसमे मुख्यसंरक्षक मानकी राजेन्द्र साही, संरक्षक सिकन्दर महतो, विगलेश्वर नायक, शारदा प्रसाद, शिवचरण नायक अध्यक्ष सुजित नायक, उपाध्यक्ष बलदेव प्रसाद, मनोज महतो, बलराम महतो, बलराम नायक, चरकू महतो, सचिव राजेश करमाली, सह सचिव गोविन्द मुण्डा, मनेश्वर नायक, राजेन्द्र साहु, संगठन सचिव चन्दरु नायक, दुर्गेश नायक, कोषाध्यक्ष विजय कुमार महतो, उप कोषाध्यक्ष अक्षय कुमार नायक, महामंत्री मानकी जयनारायण सिंह, व्यवस्थापन ब्रह्मदेव नायक सहित कार्यसमिति सदस्य चुने गये। बैठक मे बैठक की अध्यक्षता कर रहे पुर्व मुखिया मानकी राजेन्द्र साही ने कहा कि रास पुजा, मेला हमारे पुर्वजो का दिया हुआ सांस्कृतिक धरोहर है इसे बचाये रखना हम सबो का दायित्व है। रास पुजा मेला संस्कृति के साथ-साथ ऐतिहासिक महत्व रखता है।

धनबाद स्टेशन पर राज सिन्हा का स्वागतःटिकट मिलने के बाद धनबाद पहुंचे भाजपा प्रत्याशी, कहा - अपराध मुक्त शहर पहली प्राथमिकता

धनबादः धनबाद स्टेशन पर भाजपा प्रत्याशी राज सिन्हा का भव्य स्वागत हुआ। धनबाद विधानसभा से उन्हें चौथी बार मिला टिकट मिला है। भाजपाइयों ने धनबाद विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी राज सिन्हा का भव्य स्वागत किया। वह जालिया वाला बाघ एक्सप्रेस (ट्रैन नंबर 12380) के माध्यम से नई दिल्ली से धनबाद पहुंचे। राज सिन्हा का ढ़ोल नगाडा के साथ स्वागत किया गया।

राज सिन्हा ने कहा कि पार्टी ने जो मेरे ऊपर विश्वास जताया है उस पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। झारखंड में हमारी सरकार बनती है तो ऑर्गेनाइज क्राइम को समाप्त करना हमारी सरकार की प्राथमिकता होगी।

उन्होंने कहा कि धनबाद विधानसभा की जनता को यह विश्वास दिलाना चाहते हैं कि धनबाद में आधारभूत संरचना खड़ा करने का जो संकल्प मैंने लिया है उसे जरूर पूरा करूंगा। गली मोहल्ले कि सड़क को दुरुस्त करना नाली समस्या का स्थायी समाधान, पानी कि समुचित व्यवस्था प्राथमिकता में हैं। धनबाद में बढ़ते अपराध को खत्म और व्यवसायी भयमुक्त वातावरण में व्यापार करे ये प्राथमिकता है।

नेता प्रतिपक्ष 24 अक्टूबर 2024 को अपना नामांकन करेंगे

रांचीः विश्व की सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी के देवतुल्य कार्यकर्ता होने पर हम सभी को गर्व है। चंदनकियारी में भी भारतीय जनता पार्टी सबसे अधिक कार्यकर्ताओं वाली पार्टी है। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता अपनी ताकत को पहचान कर उसका इस्तेमाल करते हुए एक बार फिर रिकॉर्ड मतों से चंदनकियारी में कमल खिलाने को उत्सुक है। उक्त बातें चंदनकियारी विधायक सह नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी में सोमवार को आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में कहीं।

बैठक में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 2014 से 2024 तक चंदनकियारी में अप्रत्याशित रूप से बदलाव हुए है। आज राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चंदनकियारी अपनी पहचान बना रही है। छऊ अनुसंधान केंद्र हो या फिर भैरव महोत्सव या फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्टेडियम चंदनक्यारी ने पिछले 10 वर्षों में विकास के कई आयाम लिखें है।

उन्होंने बताया कि आज चंदनकियारी में बिजली, सड़क, पानी, इंजीनियरिंग कॉलेज, गवाई बराज, स्टेडियम, पार्क जैसे कई विकास के कार्य किए गए है। बैठक में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि चुनाव को मात्र एक महीना शेष है और इस बार का चुनाव काफी दिलचस्प होने वाला है। एक तरफ विरोधी पार्टी अपने झूठ के पिटारे के साथ मैदान में उतर रही है वहीं भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गारंटी की योजना के साथ जनता के बीच जाने को तैयार है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता हर स्तर पर कार्य करें और जीत की हैट्रिक बनाने की तैयारी करें। वहीं उन्होंने सभी को आस्वस्त करते हुए कहा कि चंदनकियारी की जीत ऐतिहासिक होगी और यह जीत न सिर्फ चंदनकियारी का बल्कि झारखंड का भी भविष्य भी तय करेगी।

डियो लेवल स्ट्रांग रूम खोला गया

रांचीः जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रांची, श्री वरुण रंजन कि उपस्थिति में दिनांक- 21 अक्टूबर 2024 को समाहरणालय, ब्लॉक 'ए' के कॉन्फ्रेंस कक्ष में विधानसभा चुनाव 2024 के अन्तर्गत 58-तमाड़, 61- सिल्ली, 62- खिजरी, 63-रांची, 64-हटिया एवं 65-कांके, 66-मांडर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के यादृच्छिकीकरण 1 st सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि के समक्ष किया गया।

जानकारी हो कि चुनाव आयोग के सॉफ्टवेयर के माध्यम से कौन सा बीयू-सीयू/वीवीपैट मशीन किस-किस विधानसभावार भेजा जायेगा। दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी रांची, श्री बिवेक कुमार सुमन, नोडल पदाधिकारी EVM कोषांग-सह-सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा ,श्री रविशंकर मिश्रा, डी.आई.ओ. रांची, श्री राजीव कुमार एवं सम्बंधित ए.आर.ओ. उपस्थित थे।

उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी रांची, श्री वरुण रंजन के द्वारा मोरहाबादी स्थित DEO लेवल स्ट्रांग रूम राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि (मान्यता प्राप्त), उप निर्वाचन पदाधिकारी रांची, श्री बिवेक कुमार सुमन, नोडल पदाधिकारी EVM कोषांग-सह-सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा ,श्री रविशंकर मिश्रा, सम्बंधित सभी ए.आर. ओ. की उपस्थिति में खोला गया।

पशुपालन विभाग ने प्रखंड को उपलब्ध कराया पशु एम्बुलेंस

दुमकाःपशुपालकों की सुविधा एवं पशुओं को सहजता से चिकित्सा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दुमका जिले के शिकारीपाड़ा प्रखंड को पशु एंबुलेंस उपलब्ध कराया है। मिली जानकारी के अनुसार पशु चिकित्सा के अभाव में एंबुलेंस में चिकित्सक की जगह पारा मेडिकल स्टाफ एम्बुलेंस के साथ जाकर पशुपालकों के घर पर पशुओं का इलाज करेंगे। गंभीर स्थिति में पशुओं को पशु चिकित्सालय लाने के लिए विशेष रूप से बेड तैयार किया गया है जिस पर पशु को सुलाकर उसे पशु चिकित्सालय लाया जाएगा। इसकी सुविधा प्राप्त करने के लिए पशुपालकों को 1962 नंबर पर डायल करना होगा• इस नंबर पर फोन डायल करने पर पशु एंबुलेंस पशुपालक के घर पहुंचेगा। वर्तमान समय में यह एंबुलेंस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिकारीपाड़ा में शोभा का वस्तु बना हुआ है। ज्ञात हो कि प्रखंड अंतर्गत दो प्रथम श्रेणी के पशु चिकित्सालय सरकार द्वारा खोले गए हैं। जिसमें एक शिकारीपाड़ा तथा दूसरा बेनागढ़िया में अवस्थित है। प्रखंड अंतर्गत इन दोनों पशु चिकित्सालय में भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी का पद सृजित है, जिसमें मात्र शिकारीपाड़ा में ही भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी के पद पर डॉक्टर बालमुकुंद प्रसाद का पदस्थापन है। बेना गढ़िया में कई वर्षों से यह पद रिक्त पड़ा हुआ है। प्रखंड अंतर्गत एक प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी का भी पद सृजित है लेकिन वह भी लगभग 3 वर्षों से रिक्त पड़ा हुआ है। जिसके प्रभार में भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी शिकारीपाड़ा प्रभार में है।

जमशेदपुर पश्चिम से समाजसेवी बच्चे लाल भगत लड़ेंगे विधान सभा चुनाव , बनाई रणनीति

जमशेदपुर । जमशेदपुर के समाजसेवी बच्चे लाल भगत ने बुलेवर्ड होटल बिस्टुपुर में प्रेस वार्ता आयोजित कर अपने निर्दलीय उम्मीदवारी की औपचारिक घोषणा 49 जमशेदपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से किया है । पत्रकारों के पूछे गए सवाल में बच्चे लाल भगत ने कहा कि हमारा उम्र आज 54 वर्ष का हो चुका है ,मुझे ना कभी पैसे का लालच हुआ और ना कभी मुझे कुर्सी की लालच थी । बस चुकी बरसों पहले टाटा कंपनी के अंदर ठेकेदारी में 17. 28 पैसे प्रतिदिन मजदूरी किया हूं । मैं कभी राजनीति का ककहरा भी नहीं जानता था और राजनीति करने का शौक भी मुझे नहीं था । मैं जमशेदपुर में पढ़ा लिखा बड़ा हुआ तो जमशेदपुर के लोगों से काफी लगाव हो गया और हर सुख-दुख में लोगों के समाज साथ में हमने कदम से कदम चलने का काम किया और अपनी सामाजिक दायित्व को निर्वाह करने का काम किया । मैं अपने जन्मदिन पर केक नहीं काटता हूं पर मैने अपने जन्मदिन के अवसर पर दुसरे को जीवन दान के लिए रक्तदान आवश्य करता हूं । जमशेदपुर के जरूरतमंद लोगों को खून और पसीने से सीखने का काम किया हूं , चाहे ऑटो चालक की बात करें तो फिटनेस के नाम पर झारखंड सरकार से फिटनेस का पैसा हमने माफ करने का काम किया था, गरीब बेसहारा लोगों को हमने सहारा बनने का काम किया और समाज के अंतिम व्यक्ति तक हमने पहुंचने का काम किया । आज जमशेदपुर ही नहीं पूरे झारखंड में विकास की पहिए थम गई है लोग सुरक्षित नहीं है आए दिन गोली चालन एवं लोगों की हत्याएं की खबर लगातार मिल रही है । शिक्षा में प्रतिवर्ष बच्चों के अभिभावक पर भारी भरकम राशि री एडमिशन के नाम पर चुकता करना पड़ता है , चिकित्सा के क्षेत्र में जाएं तो एमजीएम हॉस्पिटल की हालत देखकर के रोना आता है कि ईलाज पाने के लिए महिलाएं फर्श में तड़पते रहती है पर बेड की उपलब्धता हॉस्पिटल में कम हो पाती है , गरीब और लाचार लोगों का बीमारी का इलाज फर्श में ही किया जाता है । पूरे झारखंड में नशाखोरी चरम पर है , अपराधी बेलगाम है ,अगर हम झारखंड में सत्ता और विपक्ष की बात करें तो जो विपक्ष झारखंड में है कभी सत्ता में हुआ करती थी और जो सत्ता में हुआ करती थी आज वह विपक्ष में बैठी है । लेकिन लोग आज आपस मे ही कट मर रहे हैं । वह सहयोग पूर्ण रूप से मिलेगा जब मैं झारखंड विकास में मोर्चा में हुआ करता था उस समय भी हम लोगों ने जमशेदपुर वासियों के लिए फ्लाईओवर निर्माण का मांग किया था चाहे वह जुगसलाई का रेलवे फाटक पर ओवर ब्रिज का आंदोलन भी हम लोगों ने किया था इसके लिए भारतीय रेल प्रबंधक का भी आभार प्रकट करता हूं । यह वही सत्ता और विपक्ष के लोग हैं जो विगत 24 वर्षों से झारखंड के लोगों को गुमराह करते आए हैं । सांसद , विधायक, मंत्री और मुख्यमंत्री बनते जा रहे हैं लेकिन लोग ठगे के ठगे रह जा रहे हैं । इसीलिए मैं 54 वर्ष के आयु में अभी चुनाव लड़ने के लिए आया हूं और चुनाव मै नहीं लड़ूंगा , चुनाव यहां की जनता लड़ेगी। निर्णय जमशेदपुर पश्चिम विधानसभा के लोगों को करना है मैं विकल्प बनकर आया हूं आप लोग संकल्प लीजिए मैं आपके पास आपके जनता के अदालत में जगाने और बताने आया हूं यह हमारा जीवन का पहला चुनाव है और हमारा अंतिम चुनाव भी हो सकता है। प्रेस वार्ता में मुख्य रूप से अमित कुमार मिश्रा ,दिलीप कुमार महतो ,सूर्य नारायण राव ,नौशाद अली ,उत्तम थापा, इंद्रजीत श्रीवास्तव मुख्य रूप से शामिल थे। तत्पश्चात मंडल अध्यक्षों की भी घोषणा की गई जो निम्न प्रकार है :-

सोनारी मंडल अध्यक्ष - उत्तम थापा।

कदमा मंडल अध्यक्ष- शुभम मंडल।

बिष्टुपुर मंडल अध्यक्ष- मोहम्मद नौशाद अली।

मानगो मंडल अध्यक्ष- मनीष कुमार सिंह।

की घोषणा की गई एवं तीन दिनों के अंदर सभी मंडल अध्यक्ष अपने कमेटी का विस्तार करेंगे।

विधानसभा आम निर्वाचन–2024
जिला निर्वाचन पदाधिकारी–सह–उपायुक्त का कार्यालय, हजारीबाग
(मीडिया–सह–MCMC कोषांग, समाहरणालय भवन)

पत्रांक : 27 / मी0को, हजारीबाग, दिनांक : 20.10.2024

सूचना

एतद् द्वारा सभी को सूचित किया जाता है कि भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा दिनांक–15.10.2024 को विधानसभा आम चुनाव 2024 की घोषणा कर दी गयी है। दिनांक–15.10.2024 से ही आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गयी है।

इस संबंध में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 127क, भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के दिशा निर्देश के आलोक में निम्नांकित अनुपालन आवश्यक हैः–

1. ऐसी निर्वाचन पुस्तिका / बैनर / पम्पलेट / पोस्टर अथवा अन्य किसी प्रकार का दस्तावेज जिसके मुख्य पृष्ठ पर मुद्रक और प्रकाशक का नाम और पता ना हो, उसे मुद्रित या प्रकाशित करना वर्जित है।
2. सभी मुद्रकों को उपरोक्त दस्तावेजों के प्रकाशन की स्थिति में प्रकाशक से घोषणा पत्र(दो प्रति में) प्राप्त करना अनिवार्य है, जिसपर स्वयं प्रकाशक का हस्ताक्षर एवं दो अन्य व्यक्ति(जो उसे पहचानते हों) द्वारा अभिप्रमाणित रहें, और मुद्रण कार्य समाप्ति के दो दिनों के अन्दर प्रकाशक के घोषणा पत्र की एक प्रति के साथ, प्रकाशित समाग्री की प्रति जिला निर्वाचन पदाधिकारी–सह–उपायुक्त को संसुचित करने का प्रावधान हैं।
3. अतएव हजारीबाग जिले के सभी प्रिंटिंग प्रेस के प्रोपराईटर / प्रकाशक को निदेश दिया जाता है कि उपरोक्त प्रावधानों का अक्षरशः एवं दृढ़ता से अनुपालन करते हुए प्रचार–प्रसार हेतू निर्वाचन पुस्तिका / बैनर / पम्पलेट / पोस्टर अथवा अन्य किसी प्रकार का दस्तावेजों की मुद्रित संख्या, साक्ष्य सहित, पार्टी प्रमुख / उम्मीदवार का सहमति पत्र के साथ दो भिज्ञ व्यक्तियों द्वारा सत्यापित घोषणा पत्र मुद्रण के दो दिनों के अन्दर मीडिया कोषांग, हजारीबाग (जिला सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय में) को परिशिष्ट–क, परिशिष्ट–ख एवं उपरोक्त दस्तावेजों के साथ समर्पित करना सुनिश्चित करेंगे। परिशिष्ट–क एवं परिशिष्ट–ख का प्रारूप मीडिया कोषांग, जिला जनसम्पर्क कार्यालय, तिसरा तल्ला, समाहरणालय भवन, हजारीबाग से प्राप्त किया जा सकता है।

उक्त प्रावधान के उल्लंघन की स्थिति में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 127(क) के तहत कार्रवाई की जायेगी, जिसके तहत 06 (छः) माह का कारावास या 2000 / – (दो हजार) रू0 जुर्माना अथवा दोनों दण्ड अधिरोपित की जा सकती है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी
–सह–उपायुक्त, हजारीबाग

PR 339360 Election(24-25)#D

हाईकोर्ट ने जज उत्तम आनंद हत्याकांड मामले में पीआईएल किया बंद, सीबीआई ने बताया, अनुसंधान में वृहत षड्यंत्र का नहीं मिला साक्ष्य

रांचीः धनबाद के जज उत्तम आनंद हत्याकांड मामले में दर्ज कोर्ट के स्वतः संज्ञान की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में सोमवार को हुई. सुनवाई के दौरान सीबीआई की ओर से खंडपीठ को बताया गया कि जज उत्तम आनंद हत्याकांड की अनुसंधान पूरी कर ली गई है और वृहत षड्यंत्र का कोई मामला नहीं मिला है. मामले में फाइनल फॉर्म भी निचली अदालत में दाखिल किया जा चुका है. दो अभियुक्त के खिलाफ चार्जशीट हुई थी, उन्हें सजा मिल चुकी है. खंडपीठ ने सीबीआई का पक्ष सुनने के बाद इस जनहित याचिका का निष्पादित कर दी. दरअसल, पूर्व की सुनवाई में हाईकोर्ट ने कहा था कि जज उत्तम आनंद हत्याकांड मामले के दोनों दोषियों को अब सजा हो चुकी है, अभियुक्त के व्हाट्सएप चैट में कुछ नहीं मिला है. फॉरेंसिक लैब में नियुक्ति से संबंधित जेपीएससी का मामला भी सुलझ गया है. सीबीआई की ओर से हाईकोर्ट में दायर स्टेटस रिपोर्ट दाखिल कर बताया गया था कि सीबीआई को अभियुक्तों की वाट्सएप चैट की रिपोर्ट अमेरिका से मंगानी थी, यह रिपोर्ट आ गई है, लेकिन इसमें कुछ भी संदिग्ध नहीं है. इस पर अदालत ने कहा था कि जब रिपोर्ट आ गई है और उसमें कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला तथा निचली अदालत से अभियुक्तों को सजा भी सुना दी गई है, तो अब इस मामले में आगे की सुनवाई की जाएगी. बता दें कि 28 जुलाई 2021 की सुबह जज उत्तम आनंद की ऑटो से टक्कर मारकर हत्या कर दी गई थी. इस मामले में स्पीडी ट्रायल कर अभियुक्तों को सजा सुनाई गई थी. धनबाद सीबीआई की विशेष अदालत ने 6 अगस्त 2022 को दोषी राहुल वर्मा और लखन वर्मा को उम्र कैद की सजा सुनाई थी. कोर्ट ने दोषियों पर 25-25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया. कोर्ट ने इन्हें अंतिम सांस तक जेल में रहने की सजा दी थी. यह फैसला सीबीआई जज रजनीकांत पाठक ने सुनाया था.

फर्जी जाति प्रमाण पत्र के मामले में कानू राम नाग को मिली राहत

रांचीः झारखंड प्रशासनिक सेवा से हटाए गये पूर्व अधिकारी कानू राम नाग को थोड़ी राहत मिल गयी है. उनको सेवा से हटाने का जो दंड लिया था, उसे सरकार के अधीन आगामी नियोजन में निरर्हता, अयोग्यता नहीं माना जाएगा. इस संबंध में कार्मिक विभाग ने आदेश जारी कर दिया है. कानू राम नाग पर आरोप था कि उन्होंने फर्जी अभिलेखों के आधार पर अनुसूचित जनजाति की आरक्षित श्रेणी में मुंडा जाति का प्रमाण पत्र बनाकर झारखंड लोकसेवा आयोग द्वारा आयोजि द्वतीय असैनिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर झारखंड प्रशासनिक सेवा में नियुक्ति प्राप्त कर ली थी. जबकि वे तमाड़िया जाति के सदस्य हैं, जो अत्यंत पिछड़ा वर्ग की श्रेणी में आता है, किन्तु उनके द्वारा मुंडा जाति का प्रमाण पत्र बनाकर झारखंड प्रशासनिक सेवा में नियुक्ति प्राप्त की गयी. पूरे मामले में उपायुक्त पश्चिम सिंहभूम ने जांच कराके आरोप पत्र भेजा था, अंचल अधिकारी खूंटपानी व अंचल निरीक्षक व स्थानीय मुंडा परिवारों से यह बात सामने आयी कि श्री नाग का परिवार का ग्राम-दोपायी के खाता संख्या 129 के भू -भाग में स्वामित्व है तथा खतियान में जाति तमाड़िया उल्लेखित है. इस मामले में वह निलंबित हुए थे, विभागीय कार्यवाही भी चलायी गयी थी. मामला कोर्ट में भी गया. कानू राम ने भी स्वयं स्वीकार किया कि तमाड़िया जाति है लेकिन मुंडा उपजाति के रूप में होनी चाहिए. मामले में जाति छानबीन समिति ने भी समीक्षा की. यह बात सामने आयी कि नियुक्ति परीक्षा और योगदान की तिथि तक तमाड़िया मुंडा की उपजाति नहीं थी और न ही यह संविधान में कहीं है. हालांकि, इसे बाद में 2022 में अधिसूचित किया गया.

लोक जनशक्ति पार्टी ने जनार्दन पासवान को चतरा से दिया टिकट

रांचीः पूर्व विधायक जनार्दन पासवान चतरा से लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के उम्मीदवार होंगे. पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने जनार्दन पासवान को उम्मीदवार घोषित करते हुए सिंबल और लेटर दे दिया है. जनार्दन पासवान कल ही दिल्ली में लोक जनशक्ति पार्टी में शामिल हुए थे. पार्टी में शामिल होने के बाद उन्होंने चतरा विधानसभा सीट के लिए आवेदन दिया था. इसके बाद संसदीय बोर्ड की बैठक में जनार्दन पासवान के नाम पर सहमति बनी और उन्हें उम्मीदवार घोषित कर दिया गया. दिल्ली में ही चिराग पासवान ने उन्हें पार्टी का सिंबल दे दिया. इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र प्रधान सहित कई नेता मौजूद थे. ज्ञात हो कि भारतीय जनता पार्टी ने गठबंधन के तहत चतरा की सीट लोजपा को दी है. जनार्दन पासवान भारतीय जनता पार्टी में थे. और टिकट के लिए प्रयासरत थे. लोजपा के कोटे में सीट जाने के बाद उन्होंने पार्टी से संपर्क किया और इसमें शामिल होकर टिकट हासिल कर लिया. लोजपा के पास यहां कोई दमदार उम्मीदवार नहीं था. इसलिए उसने जनार्दन पासवान को टिकट दिया है. जनार्दन पासवान यहां से दो बार जीत चुके हैं.

झारखंड ऊर्जा विभाग से 100 करोड़ से अधिक की फर्जी निकासी मामले में ईडी ने दर्ज की ईसीआईआर

रांची : झारखंड ऊर्जा विभाग के अलग-अलग बैंक खातों से एक सौ करोड़ से अधिक की फर्जी निकासी से जुड़े मामले में ईडी ने ईसीआईआर दर्ज की है. ईडी मनी लॉन्ड्रिंग के तहत इस मामले की जांच करेगी. गौरतलब है कि झारखंड पर्यटन विकास निगम लिमिटेड (जेटीडीसी) के नाम पर फर्जी खाता खोलकर उसमें 10.40 करोड़ ट्रांसफर करने का मामला सामने आया था. इसको लेकर धुर्वा थाना में गिरजा प्रसाद, आलोक कुमार और अमरजीत कुमार के खिलाफ मामला दर्ज है. वहीं तीन अक्टूबर को झारखंड टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के जीएम फाइनेंस द्वारा 10.4 करोड़ और झारखंड विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के मास्टर ट्रस्ट द्वारा नौ करोड़ की धोखाधड़ी कर फर्जी अकाउंट से निकासी की शिकायत नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज करायी गयी थी. इसके बाद चार अक्टूबर को झारखंड ऊर्जा उत्पादन निगम लिमिटेड ने 40.5 करोड़ और झारखंड विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के मास्टर ट्रस्ट ने 56.5 करोड़ की राशि का फर्जी अकाउंट से निकासी की शिकायत पोर्टल पर दर्ज करायी थी.

बाबूलाल के सलाहकार रहे सुनील तिवारी के खिलाफ यौन उत्पीड़न केस रद्द

रांचीः झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी के करीबी और उनके प्रेस सलाहकार रहे सुनील तिवारी के खिलाफ दर्ज यौन उत्पीड़न के केस को हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया है. सुनील तिवारी के खिलाफ कांड संख्या 229/ 2021 और 180/ 2024 दर्ज किया गया था. सुनील तिवारी की याचिका पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की अदालत में सुनवाई हुई. उनकी ओर से अधिवक्ता प्रशांत पल्लव और पार्थ जालान ने पक्ष रखा. बता दें कि खूंटी की एक युवती ने सुनील तिवारी पर दुष्कर्म करने और जाति सूचक शब्द का इस्तेमाल करते हुए गाली देने का आरोप लगाया है. युवती ने 16 अगस्त 2021को रांची के अरगोड़ा थाना में प्राथमिकी दर्ज करवाई है. प्राथमिकी में पूरे घटनाक्रम का क्रमवार जिक्र किया गया है. जिसके बाद सुनील तिवारी ने उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी रद्द करने के लिए हाईकोर्ट का रूख किया था. प्राथमिकी रद्द होने से उन्हें बड़ी राहत मिली है.

इग्नू : जुलाई सत्र में नामांकन की तिथि 31 तक

रांची. इग्नू जुलाई सत्र में यूजी, पीजी, पीजी डिप्लोमा और डिप्लोमा (सेमेस्टर बेस्ड और सर्टिफिकेट कोर्स को छोड़कर) कोर्सों में एडमिशन की तिथि बढ़ा दी गई है। वरीय क्षेत्रीय प्रबंधक डॉ. शुभकांत मोहंती ने बताया कि अब 31 अक्टूबर तक स्टूडेंट्स एडमिशन ले सकते हैं। एडमिशन ऑनलाइन और ओडीएल दोनों मोड में हो रहा है।

कोल्हान में चार पूर्व मुख्यमंत्रियों की प्रतिष्ठा दांव पर, कल्पना सोरेन की घेराबंदी, महिला के बदले महिला उम्मीदवार

रांची : विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने 68 सीटों में से 66 उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है. बरहेट और टुंडी से उम्मीदवार की घोषणा नहीं की गई है. टुंडी का मामला आजसू के दावे के कारण फंसा हुआ है. पार्टी ने अधिकांश पुराने व अनुभवी लोगों पर ही भरोसा जताया है. यह कहा जा सकता है कि झारखंड बीजेपी के चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान, सह प्रभारी असम के मुख्यमंत्री हिमंता विश्व सरमा और प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने फाइनल मैच से पहले तरीके से मैदान सजाया है. उम्मीदवारों के सामने अब जीत की चुनौती है. टिकट बंटवारे में इस बार प्रदेश के नेताओं की बहुत नहीं चली है. प्रदेश की टीम में लंबे समय से पदाधिकारी रहे कई लोग

अलग-अलग क्षेत्रों से टिकट की मांग कर रहे थे, लेकिन क्षेत्र में जनाधार व पकड़ नहीं होने की वजह से टिकट नहीं मिला. पहुंच-पैरवी धरा रह गया. पूर्व सीएम चंपाई सोरेन को जिन शर्तों पर झामुमो से भाजपा में शामिल कराया गया था, उसे पूरा किया गया है. चंपाई के साथ उनके बेटे को घाटशिला से टिकट मिला है. जबकि खरसावां से चंपाई के करीबी सोना राम बोदरा को टिकट मिला है. टिकट बंटवारे के बाद भाजपा पर परिवारवाद को बढ़ावा देने का आरोप लग रहा है. बात सही भी है. विरोधियों को मौका मिल गया है. अब कहा जा रहा है कि रणनीति के तहत ही बड़े नेताओं के सगे-संबंधियों को टिकट दिया है. परिवारवाद के आरोप से अधिक जीत की संभावना देखी गई है. बड़े नेताओं का ईगो न टकराए. गुटबाजी न हो. एक दूसरे की टांग न खींचे और एकजुट रहें इसी उद्देश्य से परिवार के लोगों को टिकट दिया गया है. हालांकि इसका विरोध भी शुरू हो गया है. पार्टी के अंदर इसकी चर्चा हो रही है. कई लोग इस वजह से बगावत के मूड में हैं. बड़े नेता अपने संगे-संबंधियों को टिकट दिलाने में तो सफल रहे. लेकिन अब जीत दिलाने की चुनौती है. सबकी प्रतिष्ठा दांव पर है. चार पूर्व मुख्यमंत्रियों के संबंधियों को कोल्हान के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों से टिकट दिया गया है. इनमें पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा की पत्नी मीरा मुंडा को पोटका से, मधु कोड़ा की पत्नी गीता कोड़ा को जगन्नाथपुर से और पूर्व मुख्यमंत्री व ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास की बहु पूर्णिमा साहू को जमशेदपुर पूर्वी से टिकट मिला है. चंपाई सोरेन खुद सरायकेला से और बेटा घाटशिला से चुनाव मैदान में है. भाजपा ने गांडेय से मुनिया देवी को टिकट दिया है. बहुत सोच समझकर यहां हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन की घेराबंदी की कोशिश की गई है. लोहे को लोहा से काटने की तैयारी है. यानी महिला उम्मीदवार के बदले महिला उम्मीदवार. विधानसभा उप चुनाव में महिला के नाम पर कल्पना सोरेन को महिलाओं का अधिक समर्थन मिला था. भाजपा की हार का कारण महिला वोटर थीं. इसीलिए पार्टी ने इस बार महिला उम्मीदवार उतारा है. मुनिया देवी गिरिडीह जिला परिषद अध्यक्ष हैं. स्थानीय हैं. क्षेत्र में मजबूत पकड़ है, और कोइरी जाति से आती हैं. मुनिया देवी के पति कोलेश्वर वर्मा जमीन व रियल एस्टेट के कारोबारी हैं. पैसे से भी मजबूत हैं. इस बार यहां कड़े मुकाबले की संभावना है. यह भी देखना होगा कि यहां से टिकट के दावेदार मामा-भगीना जेपी वर्मा व दिलीप वर्मा क्या गुल खिलाते हैं. मदद करते हैं या भीतरघात. इन दोनों पर सबकी नजर रहेगी. भाजपा ने पहली बार 12 महिलाओं को टिकट दिया है.

पुलिस संस्मरण दिवस परेड का आयोजन सम्पन्न, डीजीपी समेत आला अधिकारियों ने दी श्रद्धांजलि

रांचीः झारखण्ड सशस्त्र पुलिस-1 परिसर स्थित परेड मैदान में पुलिस संस्मरण दिवस परेड का आयोजन सम्पन्न हुआ. इस समारोह में महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक, झारखण्ड से लेकर पुलिस मुख्यालय के वरीय पदाधिकारी भी उपस्थित थे। पुलिस संस्मरण दिवस के अवसर पर शहीदों की याद में सम्मान स्वरूप वाहिनी परिसर स्थित शहीद स्मारक में श्रद्धांजली अर्पित किया गया.

इस वर्ष देश के पारा मिलिट्री फोर्स तथा विभिन्न राज्यों की पुलिस बल के कुल दो सौ सोलह पदाधिकारी एवं जवानों ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए वीरगति को प्राप्त हुए हैं, जिसमें झारखण्ड राज्य के हवलदार चौहान हेम्ब्रम, ने दिनांक 12.08.2024 को सजायाफता कैदी की सुरक्षा में प्रतिनियुक्ति के दौरान कैदी द्वारा किये गये हमले में शहीद हुए थे. आरक्षी 285 सिकन्दर सिंह एवं आरक्षी 1053 सुकन राम, चतरा जिले में दिनांक 07.02.2024 को नक्सली हमले में शहीद हुए थे तथा आरक्षी 1305 रामदेव महतो दिनांक 14.08.2023 को अपराधियों के साथ हुए मुठभेड़ में अपने प्राणों की आहुति दी है. शहीदों के परिवारों के साथ झारखण्ड पुलिस के सभी पदाधिकारी/ कर्मी हमेशा साथ खड़े रहेंगे. रांची के एसएसपी चंदन सिन्हा सहित अन्य अधिकारियों ने उन शहीदों के परिवारों के बीच दुख

बांटने की कोशिश की. एसएसपी ने इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अपने कर्तव्य के दौरान देश के लिए शहीद होना गौरव की बात है, हालांकि शहीदों की क्षति को भुलाया नहीं जा सकता है. इस संस्मरण दिवस के दौरान एसएसपी ने शहीदों को सलामी भी दी. उन्होंने बताया कि 21 अक्टूबर 1959 को लद्दाख के हॉट स्प्रींग में चीनी सेना के आक्रमण में सीआरपीएफ अधिकारी करम सिंह अपने 20 साथियों के साथ शहीद हो गये थे. तब से 21 अक्टूबर को पुलिस संस्मरण दिवस मनाया जाता है.

देश में 216 जवान हुए शहीद, पुलिस संस्मरण दिवस पर दी गयी श्रंद्धाजलि

बता दें कि इस साल देश के पारा मिलिट्री फोर्स और विभिन्न राज्यों की पुलिस बल के कुल 216 पदाधिकारी और जवानों ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए वीरगति को प्राप्त हुए हैं. इसमें झारखंड के हवलदार चौहान हेंब्रम 12 अगस्त को सजायाफ्ता कैदी की सुरक्षा में प्रतिनियुक्ति के दौरान कैदी द्वारा किये गये हमले में शहीद हुए थे. वहीं दूसरी तरफ आरक्षी सिकंदर सिंह और सुकन राम, चतरा जिले में सात फरवरी को नक्सली हमले में शहीद हुए थे. इसके अलावा आरक्षी रामदेव महतो ने अपराधियों के साथ हुए मुठभेड़ में अपने प्राणों की आहुति दी थी. शहीदों के परिवारों के साथ झारखण्ड पुलिस के सभी पदाधिकारी और कर्मी हमेशा साथ खड़े रहेंगे.

मेनका, लुईस के बाद बाटुल व मिस्त्री सोरेन ने दिया भाजपा से इस्तीफा

रांचीः विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने 66 प्रत्याशियों की सूची जारी होने के बाद पार्टी नेताओं के इस्तीफा का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है. सबसे पहले पोटका के पूर्व विधायक मेनका सरदार, रांची से संदीप वर्मा, सरायकेला से 2019 में चंपाई सोरेन से मुकाबला करने वाले भाजपा नेता गणेश महली और सारठ के चुन्ना सिंह दुमका से पार्टी के पूर्व विधायक व मंत्री लुईस मरांडी के बाद महेशपुर के पूर्व विधायक सह भाजपा नेता मिस्त्री सोरेन ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है.

मिस्त्री सोरेन ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी को लिखे पत्र में कहा है, मैं भारतीय जनता पार्टी की प्राथमिक सदस्यता के साथ ही तमाम पदों से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा देता हूं. इससे पहले पूर्व कृषि मंत्री और नाला से विधायक रहे सत्यानंद झा बाटुल ने भी भाजपा से इस्तीफा दे दिया है. बाटुल नाला विधानसभा से निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे.

डॉक्टर ने युवती संग रिम्स के हॉस्टल की छत से लगाई छलांग, मौत

रांची : राज्य के सबसे बड़े अस्पताल रिम्स के हॉस्टल नंबर-4 की छत से बीती रात एक डॉक्टर ने छलांग लगा दी. जानकारी के अनुसार, हॉस्टल के तीसरे तले से डॉक्टर आकाश और एक महिला ने छलांग लगायी. हादसे में डॉक्टर आकाश की मौत हो गयी. जबकि महिला डॉक्टर गंभीर रूप से घायल है. बताया जा रहा है कि आकाश पीजी सेकंड ईयर का छात्र था. घटना की सूचना पाकर बरियातू थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गयी है. डॉक्टर के कूदने की सूचना मिलने के बाद हॉस्टल में मौजूद अन्य जूनियर डॉक्टर दोनों को लेकर इमरजेंसी ट्रॉमा सेंटर पहुंचे. जहां डॉक्टर आकाश की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) दिया गया. इसके बाद उसे तीसरे तले में स्थित क्रिटिकल केयर विभाग ले जाया गया. वहां कुछ देर इलाज के बाद आकाश की मौत हो गयी. घायल महिला का इलाज रिम्स में जारी है. चिकित्सकों के अनुसार, एमआरआई के बाद महिला खतरे से बाहर है. रिम्स के जूनियर डॉक्टरों के अनुसार, डॉ आकाश के साथ छलांग लगाने वाली महिला रिम्स के बाहर की है. हालांकि, सभी एक-दूसरे से युवती के बारे में जानकारी लेते रहे, लेकिन कोई भी सही जानकारी नहीं दे पाया. चिकित्सकों ने बताया कि लंबे समय से दोनों के बीच प्रेम संबंध चल रहा था. घटना की सूचना मिलने के बाद रात 10:30 बजे जूनियर डॉक्टरों के बीच हलचल मच गयी. सभी एक-एक कर रिम्स इमरजेंसी ट्रॉमा सेंटर पहुंचने लगे.

चुनाव को लेकर रांची रेंज डीआईजी ने सिमडेगा में की इंटर स्टेट मीटिंग

रांचीः विधानसभा चुनाव के दौरान सुरक्षा के इंतजामों का जायजा लेने रांची रेंज के डीआईजी अनूप बिरथरे सोमवार को सिमडेगा पहुंचे. इस दौरान उन्होंने ओडिशा और छत्तीसगढ़ के पुलिस अधिकारियों के साथ इंटरस्टेट मीटिंग की. साथ ही कई आवश्यक निर्देश दिए. डीआईजी ने सिमडेगा एसपी सहित सिमडेगा के पुलिस पदाधिकारी को चुनाव के दौरान सुरक्षा बरतने के लिए कई तरह के निर्देश दिए, उन्होंने बताया कि इंटर स्टेट पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर लोकसभा चुनाव के दौरान सुरक्षा के मद्देनजर विशेष रणनीति तय की गई है. साथ ही ओडिशा और छत्तीसगढ़ की सीमाओं पर चेक पोस्ट एक्टिव कर दिए गए हैं और वहां लगातार निगरानी रखी जा रही है. जिससे चुनाव के दौरान गड़बड़ी करने के उद्देश्य से कोई भी रुपए, शराब और हथियार आदि का

परिवहन ना कर सकें. साथ ही उन्होंने कहा कि हर तरह की आपराधिक गतिविधि पर अंकुश लगाते हुए, जिले की सभी सीमाओं पर पुलिस की विशेष निगरानी रखी जा रही है, जिससे साफ सुथरी और सुरक्षित चुनाव हो सके.

चुनाव आयोग ने अजय सिंह को बनाया नया डीजीपी

चुनाव आयोग ने अजय कुमार सिंह को झारखंड का नया डीजीपी बनाया है. इससे संबंधित आदेश सोमवार की दोपहर चुनाव आयोग ने जारी कर दिया. गौरतलब है कि चुनाव आयोग के निर्देश के बाद 1990 बैच के आईपीएस अनुराग गुप्ता से झारखंड डीजीपी पद का प्रभार वापस ले लिया गया था और उन्हें निर्देश दिया गया कि झारखंड पुलिस हाउसिंग के एमडी के पद पर पदस्थापित अजय कुमार को यह प्रभार सौंपेंगे. इसको लेकर 19 अक्टूबर की की शाम गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग के द्वारा अधिसूचना जारी कर दी गई थी. डीजीपी के लिए तीन आईपीएस का मांगा था पैनल

राजद की प्रेस कॉन्फ्रेंस कैंसिल, मुख्यमंत्री आवास से आया बुलावा

रांची : राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की घोषित प्रेस कॉन्फ्रेंस कैंसिल कर दी गयी है. जानकारी के अनुसार, प्रदेश कार्यालय में पार्टी ने आज सुबह 11:00 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित थी. लेकिन इसका समय बढ़ाकर 1:30 बजे कर दिया गया. इसके बाद प्रदेश प्रवक्ता ने आकर राष्ट्रीय जनता दल कार्यालय में सूचना दी कि किसी कारणवश प्रेस वार्ता कैंसिल कर दी गयी है. उन्होंने कहा कि अगर प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजित की जायेगी तो बाद में सूचना दी जायेगी. कहा जा रहा है कि मुख्यमंत्री आवास से राजद नेताओं को बुलावा आया है. तेजस्वी यादव और पार्टी सांसद मनोज झा सीएम हाउस जायेंगे, जहां सीट शेयरिंग को लेकर अंतिम और फाइनल दौर की बातचीत होगी. सीएम हेमंत सोरेन ने इस मामले में दखल दी है. सीएम के गढ़वा से लौटने के बाद उनके और

तेजस्वी यादव के बीच वार्ता होगी.

सीट शेयरिंग को लेकर चल रहा विवाद खत्म, राजद को दिया गया 7 से 8 सीट

राजद के विश्वसनीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा से सीट शेयरिंग पर चला आ रहा पेंच समाप्त हो गया है. जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय जनता दल को 7 से 8 सीट दिया गया है. लेकिन मनिका सीट, जहां से मंत्री सत्यानंद भोक्ता चुनाव लड़ना चाहते हैं, वह राजद के खाते में आयी है या नहीं, इसका खुलासा नहीं हो पाया है. मगर इतना तय है कि राजद की नाराजगी दूर हो गयी है. वहीं राष्ट्रीय जनता दल झारखंड में इंडिया गठबंधन के तहत ही चुनाव लड़ेगी.

भाजपा ने 2014 के विधानसभा चुनाव में किया था सबसे बेहतर प्रदर्शन, 2019 में भाजपा को 34.1 प्रतिशत मिले वोट, सीटें जीतीं मात्र 25

रांची : झारखंड में भाजपा संयुक्त बिहार के समय से ही संगठनात्मक रूप से मजबूत करता रही है. लेकिन कभी भी भाजपा झारखंड में सरकार बनाने के लिए 81 विधानसभा सीटों वाले इस प्रदेश में बहुमत का आंकड़ा अकेले पार नहीं कर पायी. पिछले चार विधानसभा चुनावों में भाजपा के वोटों में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला. 2004 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 63 सीटों पर चुनाव लड़ा था. इसमें से 30 सीटों पर जीत हासिल की थी. जबकि 8 सीट पर जमानत जब्त हो गयी थी. वहीं इस चुनाव में भाजपा

को 30.19 प्रतिशत वोट मिले थे. इसके बाद 2006 में झारखड के पहले मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने भाजपा से अलग होकर एक नयी पार्टी झारखंड विकास मोर्चा का गठन किया था. इससे भाजपा को काफी नुकसान हुआ था. 2009 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को तगड़ा झटका लगा था. पार्टी 67 सीटों चुनाव लड़ी, जिसमें मात्र 18 सीटें ही जीत पायी. इस चुनाव में भाजपा के 12 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गयी थी. भाजपा के वोट प्रतिशत में बाबूलाल मरांडी के पार्टी छोड़ने के कारण भारी गिरवाट आयी. भाजपा को मात्र 24.44 प्रतिशत वोट ही मिले थे. 2014 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 72 सीटों पर चुनाव लड़ा था. इसमें से 37 सीट पर जीत दर्ज की थी. वहीं एक सीट पर जमानत जब्त हुई थी. भाजपा को 35.16 प्रतिशत वोट मिले थे. इन चुनावों में भी भारतीय जनता पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला था. 2014 का झारखंड विधानसभा चुनाव भाजपा के लिए सबसे बेहतर रहा था. भाजपा ने रघुवर दास को मुख्यमंत्री बनाया. भाजपा ने बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व वाले झारखंड विकास मोर्चा के आठ में से छह विधायकों को तोड़कर अपनी पार्टी में शामिल कर लिया था. तब जाकर रघुवर दास के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार अपना पूर्ण बहुमत जुटा पायी थी. 2019 के विधानसभा चुनाव में भाजपा रघुवर दास के नेतृत्व में चुनाव लड़ी. लेकिन आदिवासी रिजर्व सीटों पर भाजपा की हार हुई. आजसू ने भी एनडीए से अलग होकर चुनाव लड़ा, जिसका खामियाजा आजसू और भाजपा दोनों को उठाना पड़ा. दोनों पार्टियों ने अपनी सीटिंग सीटें गंवा दी. भाजपा की रघुवर सरकार की नीतियों से आदिवासी रिजर्व सीटों पर हार का समाना करना पड़ा. 28 में 26 आदिवासी सीटों पर भाजपा को हार का समाना करना पड़ा. 2019 में भाजपा 79 सीटों चुनाव लड़ी थी, जिसमें 25 पर जीत मिली. वहीं 6 सीट पर जमानत जब्त हो गयी. भाजपा को 34.1 प्रतिशत मिला वोट मिले थे.

प्रेमी के साथ फरार हुई तीन बच्चों की मां

मोतिहारी. मोतिहारी के हरसिद्धि थाना क्षेत्र में तीन बच्चों की मां अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई है। जिसके बाद महिला के पिता ने थाने में आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराई है। जिसमें उन्होंने पहाड़पुर थाना के मलदहिया गांव के अजीत कुमार और अन्य दो लोगों को आरोपी बनाया गया है। ताया जा रहा है कि महिला यूट्यूब पर वीडियो बनाकर फेमस होना चाहती थी, जहां उसकी मुलाकात अजीत से हुई और वीडियो बनाने के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं, जो बाद में प्यार में बदल गईं। महिला अपने मायके आई थी, तभी वह प्रेमी के साथ भाग गई। महिला के पिता का आरोप है कि एफआईआर दर्ज होने के बाद भी पुलिस उनकी बेटी को खोजने का प्रयास नहीं कर रही है।

फरीदाबाद में नवजात बच्ची की मां तक पहुंची पुलिस

फरीदाबाद. हरियाणा के फरीदाबाद में बादशाह खान नागरिक अस्पताल में तीन दिन की दुधमुंही बच्ची को अस्पताल के बेड पर छोड़कर फरार होने वाली महिला तक पुलिस पहुंच गई है। पुलिस ने बच्ची की मां व उसके पिता का पता लगा लिया है। महिला मूल रूप से बिहार के औरंगाबाद की रहने वाली सोनी है, जो अपने पति और दो बेटियों के साथ बल्लभगढ़ स्थित पीली कोठी के पास रह रही है। जानकारी के अनुसार सोनी 9 महीने की गर्भवती थी। उसे जब प्रसव पीड़ा हुई तो वह 29 सितंबर को बादशाह खान सिविल अस्पताल में भर्ती हुई। इसी दिन शाम को उसने एक तीसरी बच्ची को जन्म दिया। बच्ची के जन्म देने के बाद अब उस पर तीन-तीन बेटियों के पालन पोषण बोझ आ गया। इसके चलते वह 31 सितंबर को अपनी नवजात बेटी को जच्चा बच्चा वार्ड में ही बेड पर छोड़ कर भाग गई। बाद में बच्ची को अस्पताल के स्पेशल चिल्ड्रन केयर वार्ड में भर्ती कराया गया।

पुलिस लाइन में मनाया गया पुलिस संस्करण दिवस

जहानाबाद. जहानाबाद में सोमवार को पुलिस लाइन में पुलिस संस्करण दिवस मनाया गया। शहीद जवानों को एसपी अरविंद प्रताप सिंह ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि एक साल में जितने भी पुलिस के जवान शहीद हुए है। चाहे वह बिहार पुलिस के जवान हो या केंद्रीय बल पुलिस के सभी के परिवारों को बुलाया जाता है और उनको सम्मानित किया जाता है। उन्होंने कहा कि इसके आयोजन का मुख्य उद्देश्य उनके परिवार को यह भरोसा दिलाना है कि पुलिस उनकी मदद के लिए हर संभव तैयार है। पुलिस के पदाधिकारी हर संभव मदद करने के लिए तत्पर है। इसलिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इस बीच शहीद जवानों को याद किया गया। उन्होंने जिले वासियों से अपील किया कि इसमें सहयोग करें। यह कार्यक्रम हर साल एक बार मनाया जाता है। इसमें बड़ी संख्या में शहीद जवानों के परिवार भाग लेते है।

धरना पर बैठे एम्बुलेंस कर्मी, मरीजों की बढ़ी परेशानी

समस्तीपुर. समस्तीपुर में जिलेभर के सभी 102 नंबर एम्बुलेंस चालक और कर्मी सोमवार दोपहर से हड़ताल पर चले गए हैं। सभी सदर अस्पताल में एम्बुलेंस लगाकर धरना पर बैठ गए हैं। जिसकी वजह से विभिन्न अस्पतालों से रेफर किए गए मरीजों की परेशानी काफी बढ़ गई है। यह प्रदर्शन एम्बुलेंस संचालन करने वाली कंपनी का ठेका बदले जाने के कारण किया जा रहा है। नई एजेंसी वाले कई पुराने चालकों को हटाने के मूड में है। जिसको लेकर सभी कर्मी एकजुट होकर आंदोलन पर उतर गए हैं। मरीजों की परेशानी को लेकर सिविल सर्जन द्वारा वैकल्पिक व्यवस्था की बात कही है। 102 नंबर एंबुलेंस कर्मचारी संघ के जिला सचिव अमन कुमार झा ने बताया कि समस्तीपुर जिले में 68 एम्बुलेंस चलते हैं। जिस पर ढाई सौ से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। सरकार ने एम्बुलेंस संचालन करने वाली पुरानी एजेंसी को हटाकर नई एजेंसी को ठेका दिया है।

किऊल नदी पर पुल निर्माण की मांग को लेकर प्रदर्शन

लखीसराय. लखीसराय जिला समाहरणालय परिसर में स्थित धरना स्थल पर सोमवार को सड़क पुल निर्माण समिति किऊल के बैनर तले दर्जनों लोगों ने धरना देकर जिलाधिकारी मिथिलेश मिश्र को मांग पत्र अर्पित किया। इसके पूर्व इन लोगों द्वारा लखीसराय स्टेशन रेलवे पुल के पास से जिला समाहरणालय तक मुख्य सड़क पर प्रदर्शन किया गया। इन लोगों द्वारा कई सालों से नदी पर रेलवे पुल के समानांतर शहर के मुख्य सड़क पथलाघाट से किऊल गायत्री मंदिर तक सड़क निर्माण कराए जाने की मांग की जा रही है। पुल के अभाव में इन लोगों को खासकर चानन प्रखंड क्षेत्र के लोगों को जिला मुख्यालय आने-जाने में गढ़ी पूल का सहारा लेना पड़ता है, जिससे लगभग 10 किलोमीटर से भी अधिक की दूरी तय करनी पड़ती है।

बाढ़ से नुकसान का जायजा लेने बिहार पहुंची केंद्रीय टीमःमुख्य सचिव के साथ की बैठक

पटना. बाढ़ से हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए केंद्रीय टीम दो दिवसीय बिहार दौरे पर है। गृह विभाग के संयुक्त सचिव पार्थ सारथी के नेतृत्व में सात सदस्यीय टीम नुकसान का आकलन कर रही है। केंद्रीय टीम ने बिहार के मुख्य सचिव अमृतलाल मीणा के साथ बैठक की। जिसमें बाढ़ राहत से जुड़े तमाम विभाग के सचिव, प्रधान सचिव और अपर मुख्य सचिव शामिल हुए। बिहार के आपदा प्रबंधन विभाग ने नुकसान को लेकर प्रेजेंटेशन दिया। केंद्रीय टीम 2 हिस्सों में बंटकर नुकसान का जायजा ले रही है। एक टीम में तीन और दूसरे में चार सदस्य शामिल हैं। ये दल जिला में फसल, पशु और लोगों की मरने का रिपोर्ट केंद्र को देंगी। टीम पहले दिन सीतामढ़ी और दरभंगा के लिए रवाना हुई है। बिहार सरकार केंद्र को बाढ़ से हुए नुकसान का प्रपोजल भेज चुका है। मोदी सरकार से 3 हजार 638 करोड़ रुपए का डिमांड रखा है। डिमांड के बाद केंद्रीय टीम बिहार पहुंच रही है। आकलन के बाद राशि जारी की जाएगी। अब तक प्रभावितों के बीच 605 करोड़ रुपए का वितरण हुआ है। सरकार ने यह राशि दो चरण में बांटी है। फसल क्षतिपूर्ति के लिए 491 करोड़ रुपए दी गई है। बाढ़ प्रभावितों को डीबीटी के जरिए यह राशि भेजी गई है।

सुपौल में 225 करोड़ की योजनाओं का उद्घाटन करेंगे सीएम

सुपौल. सुपौल में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का 23 अक्टूबर को दौरा संभावित है। इसको लेकर डीएम कौशल कुमार और एसपी शैशव यादव ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि सीएम के संभावित कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए है। सीएम के कार्यक्रम के दौरान सुपौल से किशनपुर की ओर जाने वाली सभी गाड़ियों को शहर के डिग्री कॉलेज चौक से ही पिपरा रोड की ओर डायवर्ट किया जाएगा। बता दे कि सीएम के कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक तैयारी जोरों पर है। विशेष तौर पर किशनपुर प्रखंड के मलाढ़ पंचायत को दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है। मलाढ़ के वार्ड 12 महादलित टोला में अधिकारियों की टीम काम को पूरा करने में जुटी हुई है। यहां विभिन्न विभागों की ओर से कुल 24 स्टॉल लगाए जाएंगे। इसको लेकर डीएम कौशल कुमार की ओर से अधिकारियों को जरूरी निर्देश जारी किए गए है। सरायगढ़ भपटियाही से किशनपुर तक पुलिस की चौकसी बढ़ा दी गई है। यहां पर पुलिस टीम की ओर से बीते एक सप्ताह से वाहनों की नियमित जांच की जा रही है। हालांकि अभी तक सीएम का मिनट टू मिनट कार्यक्रम जारी नहीं हुआ है। इससे पहले 18 अक्टूबर को ही सीएम का सुपौल में कार्यक्रम संभावित था। हालांकि अब सीएम 23 अक्टूबर को सुपौल में होंगे। जहां वह 224.977 करोड़ की 99 योजनाओं का उद्घाटन करेंगे। साथ ही 195.212 करोड़ की 111 योजनाओं का शिलान्यास भी करेंगे।

जीविका दीदी ने सांसद को सौंपा ज्ञापन

मधुबनी. मधुबनी जिले के झंझारपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद रामप्रीत मंडल को जीविका दीदियों ने अपने 10 सूत्री मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में जीविका दीदियों ने केंद्र और राज्य सरकार से अपील की है कि वे उनकी मांगों को जल्द से जल्द पूरा करें। ज्ञापन में कहा गया है कि जीविका परियोजना ने बिहार में महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जीविका दीदियों ने सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण, वित्तीय साक्षरता, शराबबंदी, मनरेगा सर्वेक्षण, वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान जैसी विभिन्न योजनाओं में सक्रिय रूप से भाग लिया है। इसके बावजूद दीदियों को मिलने वाली पारिश्रमिक बेहद कम है। इससे उनके जीवनयापन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन में बताया गया कि बिहार में लगभग 1.5 लाख कैडर जीविका के तहत काम कर रहे हैं, और इनका जुड़ाव राज्य भर में लगभग 1.5 करोड़ ग्रामीण गरीब महिलाओं से है।

ज्वेलरी शॉप लूटने आए बदमाशों को मालिक ने मारी गोलीःछत से कूदकर भागे अपराधी, बेगूसराय में 20 मिनट में 40 लाख की लूट

बेगूसराय. बेगूसराय में सोमवार को पीपी ज्वेलर्स में दिनदहाड़े 40 लाख की लूट हुई है। लूट के दौरान बदमाशों ने शॉप के मालिक के बेटे राजीव और स्टाफ पर फायरिंग कर दी। दोनों को गोली छू कर निकल गई। इसके बाद राजीव बदमाशों से भिड़ गए। उन्होंने लाइसेंसी पिस्टल से फायरिंग कर दी। इसमें 2 बदमाशों को गोली लगी। इसी दौरान स्टाफ ने साइरन बजा दिया। बाहर लोगों की भीड़ जुट गई। हालांकि, 2 अपराधी पैसे लेकर भाग निकले में कामयाब हो गए। जिन 2 अपराधियों को गोली लगी थी उनको भीड़ ने पीटा। पुलिस भीड़ से बचाकर दोनों को अस्पताल ले गई। बदमाश दोपहर करीब 1 बजे ज्वेलरी शॉप के अंदर घुसे थे। 1.20 बजे वो भाग निकले। घायल

बदमाशों की पहचान समस्तीपुर जिले के बोचहा निवासी शिवनंदन झा के बेटे समी कपूर और बेगूसराय जिले के नावकोठी थाना क्षेत्र के समसा गांव निवासी मनटुन कुंवर के बेटे छोटू कुमार के रूप में हुई है। दोनों को जांघ में गोली लगी है। शॉप के मालिक प्रमोद पोद्दार ने बताया कि 'करीब 1 बजे मेरा बेटा राजीव दुकान पर था। तभी दो बदमाश अंदर आए और फर्स्ट फ्लोर पर ज्वेलरी देखने लगे। इसके बाद दो और बदमाश अंदर घुसे। सभी के पास पिस्टल थी। अंदर घुसते ही उन्होंने लूटपाट शुरू कर दी। विरोध करने पर फायरिंग भी की। गोली मेरे बेटे राजीव और स्टाफ अजय को लगी। वे दोनों घायल हैं। दो बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। घटना पटेल चौक के पास पीपी ज्वेलर्स की है।'

धनतेरस की तैयारी में लगे थे

पीपी ज्वेलर्स के मालिक प्रमोद पोद्दार ने कहा कि 'बदमाश 35 से 40 लाख रुपए के आभूषण ले गए। धनतेरस को लेकर हम लोग तैयारी कर रहे थे। पहले ही प्रशासन को सूचना दे दी थी, लेकिन प्रशासन ने सुरक्षा के उपाय नहीं किए। एक पिस्टल का लाइसेंस दिया गया, राइफल का लाइसेंस मांग रहे हैं।'घटना की सूचना मिलते ही एसपी मनीष सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंची गई है। सीसीटीवी की जांच की जा रही है।

15-20 मिनट में हुई पूरी घटना

पहले दो अपराधी अंदर घुसे और दुकान के फर्स्ट फ्लोर पर जाकर ज्वेलरी देखने लगे। तभी पीछे से दो और बदमाश अंदर आ गए। इसके बाद चारों ने हथियार निकाल कर लूटपाट करना शुरू कर दिया। लूटपाट का दुकान मालिक प्रमोद पोद्दार के बेटे राजीव ने जब विरोध किया तो बदमाशों ने गोली चला दी। इसके बाद राजीव ने भी अपनी लाइसेंसी पिस्टल से दोनों बदमाशों की जांघ में गोली मार दी।गोली लगने से दोनों बदमाश नीचे गिर गए, जबकि उनका एक साथी सीढ़ी के रास्ते भाग निकला। वहीं एक अन्य ऊपर से ही शीशा तोड़कर नीचे कूद गया। 15 से 20 मिनट के अंदर यह पूरी घटना हो गई।गोली की आवाज सुनकर मौके पर काफी संख्या में लोग जुट गए। इसके बाद पहुंची पुलिस ने दोनों बदमाशों को कब्जे में ले लिया। लेकिन, भीड़ मॉब लिंचिंग पर उतारू थी। काफी कोशिश के बाद 10 मिनट के अंतराल पर दोनों बदमाशों को वहां से सुरक्षित निकालकर पुलिस ले गई।

सीएम ने डीजीपी के आगे जोड़े हाथ : बोले- अगले साल चुनाव हैं, 6 महीने में पुलिस बहाली पूरी कर लीजिए

पटना. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार के डीजीपी आलोक राज के सामने हाथ जोड़ लिए। उन्होंने डीजीपी से हाथ जोड़ते हुए कहा कि जल्द नियुक्ति करा दीजिए। अगले साल चुनाव होना है, ऐसे में 6 महीने में पुलिस बहाली पूरी कर लीजिए। पुलिस विभाग के कार्यक्रम में नीतीश कुमार खुले मंच से डीजीपी के सामने हाथ जोड़कर उनसे अपील करने लगे। डीजीपी की तरफ हाथ जोड़ते हुए सीएम ने कहा कि जल्दी से और भी नियुक्ति करा दीजिए, पुलिस में महिलाओं की संख्या 35 फीसदी करिए। सीएम आज बापू सभागार में नव नियुक्त दरोगा को नियुक्ति पत्र बांटने पहुंचे थे। जहां अपने भाषण के दौरान उन्होंने डीजीपी के आगे हाथ जोड़ लिए। वहीं डीजीपी ने मंच से कहा कि मुख्यमंत्री का जो आदेश-निर्देश होगा उसे पूरा किया

जाएगा।

करीब 3 महीने पहले भी सीएम काम पूरा करने को लेकर प्रोजेक्ट मैनेजर के पैर छूने बढ़े थे, तब अफसरों ने उन्हें रोक लिया था। दरअसल, बिहार में अगले साल विधानसभा चुनाव होना है। ऐसे में मुख्यमंत्री जनता से किए अपने वादों को हर हाल में पूरा कर लेना चाहते हैं।

सीएम ने हाथ जोड़कर काम पूरा करने को कहा

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने डीजीपी और गृह सचिव के सामने हाथ जोड़कर कहा कि, जल्दी कर न दीजिएगा..आइए न यहां पर आकर बताइए.. कि जल्दी करिएगा कि नहीं करिएगा.. सीएम के बुलाने पर मौके पर मौजूद गृह सचिव ने माइक पर कहा कि, महोदय का जो भी निर्देश दिया जा रहा है.. माननीय मुख्यमंत्री जी का.. बिहार पुलिस उसपर पूरी तरह से प्रतिबद्ध रहेगी और सभी निर्देशों का अनुपालन किया जाएगा.. शीघ्र नियुक्ति, उन्नत प्रशिक्षण और उनकी पोस्टिंग करा कर के उत्कृष्ट कार्य दिया जाएगा। इसके बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि, बहुत बहुत धन्यवाद.. जल्दी से इस काम को करिए।

मां को दी मुखाग्नि, नहाते वक्त गंगा में बहाःबेगूसराय में दाह संस्कार के दौरान हुआ हादसा, तलाश में जुटे गोताखोर

बेगूसराय. बेगूसराय में सोमवार को दाह संस्कार के समय स्नान करने के दौरान एक व्यक्ति गंगा की तेज धारा में बह गया। सूचना मिलते ही गोताखोरों की टीम खोजबीन में जुट गई है। घटना चकिया थाना क्षेत्र स्थित सिमरिया पंचायत-एक के भोला स्थान घाट की है। डूबे अधेड़ की पहचान सिमरिया मिलकी टोला निवासी राजेन्द्र राय के पुत्र फुलेना राय (50) के रूप में की गई है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि रात में सिमरिया गांव निवासी नित्यानंद राय की मां का निधन हो गया था। शव के दाह संस्कार के लिए सिमरिया के ग्रामीण और उनके रिश्तेदार भोला स्थान गंगा घाट गए थे। मुखाग्नि देने के बाद फुलेना राय बगल में ही कपड़ा खोलकर गंगा स्नान करने गए। लेकिन पानी की गहराई का अंदाजा नहीं रहा और वह तेज धार में बह गए। फुलेना राय को बहता देख दाह संस्कार में गए लोगों में हड़कंप मच गया और तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी गई।

डिप्टी सीएम बोले- आतंकियों को बख्शा नहीं जाएगाः जम्मू कश्मीर में बिहार के 3 मजदूरों की हत्या पर जताया दुख

पटना. जम्मू कश्मीर में आतंकी हमले में बिहार के 3 मजदूरों की हत्या पर डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने दुःख जताया है। उन्होंने कहा कि यह दुखद है और किसी भी परिस्थिति में आतंकियों को बख्शा नहीं जाएगा। पाकिस्तानी मानसिकता के लोग इस तरह का काम कर रहे हैं। देश के प्रधानमंत्री लगातार सभी मामलों को देख रहे हैं और उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि बौखलाहट में इस तरह के हमले किए जा रहे हैं। यह दुखद है। राष्ट्रीय जनता दल के द्वारा झारखंड में सीट मांगे जाने और गठबंधन टूट के कगार वाले मामले पर उन्होंने कहा कि देखते जाइए आगे क्या होता है। स्वार्थ की राजनीति और स्वार्थ का गठबंधन ज्यादा दिन नहीं चलता। झारखंड के 81 सीटों पर होने वाले विधानसभा चुनाव में जहां एनडीए ने सीटों का बंटवारा कर दिया है। वहीं इंडिया गठबंधन में सीटों का बंटवारा फंस गया है। खासकर बात अगर आरजेडी की करें तो आरजेडी को झारखंड में 4 सीटें दी गई हैं। राजद के कोटे में गोड्डा, हुसैनाबाद, देवघर और चतरा सीट गई थी। झामुमो द्वारा दिए गए इस प्रस्ताव को राजद ने नकार दिया है। राजद ने कहा कि पार्टी को प्रदेश में कम से कम 7 सीटें मिलनी चाहिए। आरजेडी झारखंड में 7 से कम सीटों पर मानने की तैयार नहीं है।

नालंदा में सामूहिक हत्या मामले में 15 को उम्रकैदः3 साल पहले जमीन विवाद में हुई थी 5 की हत्या, मूंछ पर ताव देकर निकले दोषी

नालंदा. नालंदा में 3 साल पहले जमीन विवाद को लेकर सामूहिक हत्या का मामला सामने आया था। इस मामले में बिहारशरीफ व्यवहार न्यायालय ने 15 लोगों को उम्रकैद की सजा दी गई। इस दौरान मूंछ पर ताव देकर सभी दोषी कोर्ट से बाहर निकले। 4 अगस्त 2021 को छबीलापुर थाना क्षेत्र के लोदीपुर गांव में एक ही परिवार के पांच लोगों की निर्मम हत्या कर दी गई थी। मृतकों में 60 साल के यदुनंदन यादव, उनके दो बेटे पिंटू यादव(30) और मधेश यादव(25), साथ ही परशुराम यादव के बेटे धीरेंद्र यादव(50) और शिवेंद्र यादव(32) शामिल थे।

इस घटना में 4 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल भी हुए थे। विवाद की जड़ें एक दशक पुरानी हैं। लगभग 50 बीघा जमीन को लेकर दो पक्षों के बीच साल 2010 से तनाव चल रहा था। घटना के दिन एक पक्ष ने विवादित खेत में जुताई करने का प्रयास किया, जिसे रोकने गए दूसरे पक्ष पर गोलियों की बौछार कर दी गई थी। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तीन अखौरी अभिषेक सहाय की अदालत ने 27 सितंबर को भोला यादव, रामकुमार यादव समेत 15 लोगों को हत्या, जानलेवा हमला और सशस्त्र अधिनियम के तहत दोषी करार दिया था। दो नाबालिग आरोपियों का मामला किशोर न्याय परिषद में विचाराधीन है।तीन साल बीत जाने के बाद भी गांव में सहम का माहौल है। जिस जमीन के लिए इतना खून-खराबा हुआ, वह आज भी बंजर पड़ी है। पीड़ित परिवार की सुरक्षा में तैनात होमगार्ड के जवान मूक गवाह हैं कि न्याय की प्रक्रिया के बावजूद शांति की बहाली अभी दूर है। दोषी करार दिए गए लोगों के घरों में ताले लटके हुए हैं, जो इस त्रासद घटना की मूक गवाही दे रहे हैं।

बीपीएससी शिक्षिका से रेप का प्रयास, आरोपी शिक्षक गिरफ्तार

मधेपुरा. मधेपुरा में किराये के घर में रह रही एक बीपीएससी शिक्षिका ने शिक्षक पर रेप का प्रयास करने का आरोप लगाया है। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया है। घटना सिंहेश्वर नगर पंचायत के वार्ड एक की है। इस मामले में पीड़िता शिक्षिका ने थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। वहीं दूसरी ओर आरोपी शिक्षक ने आरोप को पूरी तरह से झूठा बताया है। थाना में दिए आवेदन में पीड़िता ने बताया है कि शनिवार की रात वह अपने कमरे में दरवाजा बंद कर सो रही थी। रात के करीब 11.30 बजे दरवाजा खोल कर बाथरुम गई। बाथरुम उनके कमरे से बाहर में है। बाथरुम से वापस आने पर कमरे में कुछ खड़खड़ाहट की आवाज उठी।

तब बिल्ली समझकर बेड के नीचे झांकी तो आरोपी शिक्षक बेड के नीचे से निकला और अचानक उसे पकड़ कर बेड पर पटक दिया और मेरा मोबाइल छिन लिया। इसके बाद कपड़ा खींचने लगा। इस बीच किसी तरह जान बचाकर कमरे का दरवाजा खोल कर बाहर निकल गई। दरवाजा को बाहर से बंद कर दिया, फिर जोर-जोर से बचाओ-बचाओ की आवाज लगाने लगी। आवाज सुनकर मकान मालिक का बहनोई दौड़कर वहां पहुंचे और घटना की जानकारी ली। इसके बाद आरोपी शिक्षक को कमरा से बाहर निकाल दिया गया। बाहर निकलने पर आरोपी शिक्षक ने उनके साथ गाली-गलौज और मारपीट शुरू कर दिया। आरोपी शिक्षक ने बताया कि शनिवार की रात में साढ़े 9 बजे वह बाजार से अपने रूम पर लौटे थे। अंदर से मेन ग्रिल बंद था। काफी देर आवाज लगाने पर भी शिक्षिका ने गेट नहीं खोला। इसी बात को लेकर विवाद हुआ था। जिसके बाद शिक्षिका ने उन पर झूठा आरोप लगा कर केस दर्ज करवा दिया। उन्होंने बताया कि वह पूरी तरह से निर्दोष है। रविवार को वे स्वयं थाना पहुंचे। जहां पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

मधेपुरा एएसपी प्रवेंद्र भारती ने बताया कि शिक्षिका के आवेदन पर केस दर्ज कर आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जांच के बाद ही घटना की सच्चाई का पता चल पाएगा।

अतिक्रमणकारियों पर चला प्रशासन का बुलडोजर, हड़कंप

सहरसा. सहरसा के महिषी प्रखंड के बलुआहा गांव के बीच सड़क पर अवैध तरीके से किए गए अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन ने बुलडोजर चलाया। वहां पर सरकारी भूमि पर किए गए अवैध कब्जा को खाली कराया गया। महिषी अंचलाधिकारी अनिल कुमार के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया। इस दौरान महिषी थाने की पुलिस भी मौके पर मौजूद रही। अंचलाधिकारी अनिल कुमार ने कहा कि सहरसा सदर एसडीएम को स्थानीय लोगों ने आवेदन देकर जानकारी दिया था। बलुआहा गांव में बीच सड़क पर स्थानीय लोगों ने अतिक्रमण कर लिया था।

21 बाल विकास परियोजना से एक-एक सुपरवाइजर का चयनःमधुबनी में मास्टर ट्रेनर का प्रशिक्षण पूरा, सेविका-साहायिका को करेंगे प्रशिक्षित

मधुबनी. मधुबनी में राष्ट्रीय पोषण माह के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से शहर के एक होटल के सभागार में मिशन उत्कर्ष कार्यक्रम के तहत विश्व स्तरीय जपाईगो संस्था की ओर से तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण के तीसरे दिन सभी 21 बाल विकास परियोजना से एक-एक सुपरवाइजर का चयन कर मास्टर ट्रेनर का प्रशिक्षण दिया गया। सभी प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर परियोजना क्षेत्र में सेविका-साहायिका को प्रशिक्षित करेंगे।

प्रशिक्षण के दौरान संस्था के कंसलटेंट अश्वनी पाठक ने पोषण थाली और पोषण वाटिका विषय पर महिला सुपरवाइजर को प्रशिक्षण देते हुए पोषण थाली में तिरंगा भोजन शामिल करने को कहा। उन्होंने कहा कि तिरंगा में अनाज, हरी सब्जियां, दही, दालें और फल होने चाहिए। उचित पोषण के लिए खाने में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, विटामिन्स, खनिज लवण में आयरन, कैल्शियम, आयोडीन उपयुक्त मात्रा में होने चाहिए। उन्होंने कहा कि पोषण वाटिका से घर में सब्जियां लगा कर इन सब्जियों को घर में काम लेकर परिवार के पोषण को सुधारा जा सकता है। आंगनबाड़ी केंद्रों पर पोषण वाटिका लगवाई जाए, इससे केन्द्र में उपस्थित बच्चों और गर्भवती महिलाओं के पोषण के लिए वाटिका फायदेमंद साबित होगा। संस्था के कंसलटेंट अश्वनी पाठक ने कहा कि मधुबनी कुपोषण नियंत्रण मामले में निचले पायदान पर है। इन्हीं वजहों से

मधुबनी को पीएम उत्कर्ष कार्यक्रम में शामिल किया गया है। उन्होंने बच्चों के ग्रोथ कैसे हो, नवजात को दूध पिलाने के तौर तरीके भी बताये। आगे कहा कि सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर पोषण वाटिका लगवाई जाएगी। कार्यकर्ताओं को इस वाटिका को देखरेख में तैयार करना है। इसके साथ ही हर केन्द्र पर पांच फलदार पौधे भी लगाने है। उन्होंने कहा कि पोषण वाटिका लगाने का संकल्प सबको लेना है और कुपोषण को नियंत्रित करने में सहयोग करना है। प्रशिक्षण के दौरान महिला पर्यवेक्षकों को गर्भवती और कुपोषित बच्चों के पोषण संबंधी जानकारी उनके परिवार को देने के लिए भी कहा गया।

तरारी से राजू यादव ने किया नामांकनःमहागठबंधन के नेताओं ने किया रोड शो

आरा(भोजपुर). भोजपुर के तरारी विधानसभा उपचुनाव में महागठबंधन समर्थित भाकपा-माले के प्रत्याशी राजू यादव ने पीरो अनुमंडल में अपना नामांकन का पर्चा दाखिल किया। इस मौके पर INDIA गठबंधन के सभी नेता, कार्यकर्ता और विधायक, पूर्व विधायक मौजूद रहे। नामांकन के बाद आरा के सांसद सुदामा प्रसाद, संदेश के पूर्व विधायक अरुण यादव, भाकपा-माले के राज्य सचिव कुणाल, प्रत्याशी राजू यादव, कांग्रेस

के नेता, मुकेश साहनी के पार्टी जिला अध्यक्ष सहित पार्टी के नेता राजद के नेता माकपा, भाकपा के नेता सहित सभी महागठबंधन के नेताओं ने मार्च निकाला। इसमें काफी संख्या में समर्थक और नेता कार्यकर्ता मौजूद रहे।

छात्र-युवा आंदोलन की क्रांतिकारी आवाज-का.राजू यादव

बिहार विधानसभा उपचुनाव-2024 के लिए भाकपा-माले ने तरारी विधानसभा सीट से छात्र-युवा आंदोलन की क्रांतिकारी आवाज का.राजू यादव को अपना प्रत्याशी बनाया है। 2019 के लोकसभा चुनाव में वे आरा लोकसभा सीट से महागठबंधन समर्थित भाकपा-माले उम्मीदवार थे। तकरीबन 4 लाख 20 हजार वोट लाकर उन्होंने भाजपा उम्मीदवार को काफी कड़ी टक्कर दी थी। 2024 में आरा संसदीय सीट भाकपा-माले ने जीत ली। का.सुदामा प्रसाद संसद पहुंच गए और उनके द्वारा खाली की गई तरारी सीट पर उपचुनाव हो रहा है। वहीं से का. राजू यादव महागठबंधन समर्थित भाकपा-माले उम्मीदवार बनाए गए हैं। राजू यादव का जन्म 19 जनवरी 1982 को अगिआंव प्रखंड के गोरपा गांव में हुआ। उनके पिता स्व. रामतवक्या सिंह उर्फ रमेश जी फौज में थे और इलाके में काफी लोकप्रिय थे । गंभीर बीमारी के कारण 1990 में उनकी मृत्यु हो गई। पिता के असामयिक मौत के कारण उनका बचपन काफी कठिनाइयों में बीता।

समाज को एआई की बुराइयों से बचाना होगा, अच्छाइयों का उपयोग करना होगा : सुनील मित्तल

भारती समूह के चेयरमैन सुनील मित्तल ने सोमवार को कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) आने वाले समय में विश्व अर्थव्यवस्था तथा भू-राजनीति को आगे बढ़ाने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। हालांकि, इसके साथ ही उन्होंने आगाह किया कि नई प्रौद्योगिकी के कारण नई चुनौतियां भी सामने आएंगी, जिनके दुरुपयोग की आशंका है। इसलिए इसको लेकर अधिक सतर्कता और सुरक्षा की आवश्यकता है। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 'एनडीटीवी वर्ल्ड समिट' में मित्तल ने एक निजी वाकये का जिक्र करते हुए बताया कि दुबई में तैनात एक वरिष्ठ

वित्त अधिकारी को एक फोन आया था जिस पर बात करने वाला शख्स उनकी आवाज तथा लहजे की नकल कर रहा था। उसने अधिकारी से एक बड़ी धनराशि हस्तांतरित करने को कहा था। मित्तल ने बताया कि सतर्क और ''समझदार अधिकारी ने तुरंत ही शख्स की चालाकी को भांप लिया था। उन्होंने कहा कि वह खुद 'वॉयस रिकॉर्डिंग' सुनकर हैरान रह गए थे क्योंकि ''वह बिल्कुल वैसे ही बात कर रहा था जैसे वह करते हैं। मित्तल ने आगाह किया कि भविष्य में प्रौद्योगिकी का दुरुपयोग बढ़ सकता है।

सरकार 'उड़ान' योजना को 10 साल के लिए और बढ़ाएगी : नायडू

नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने सोमवार को कहा कि सरकार क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना 'उड़ान' को 10 साल के लिए और बढ़ाएगी। राष्ट्रीय राजधानी में योजना के आठ वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मंत्री ने कहा कि 'उड़ान' योजना से क्षेत्रीय विमानन कंपनियों को अस्तित्व में आने और विकास करने का मौका मिला। साथ ही रोजगार सृजन हुआ तथा पर्यटन को बढ़ावा मिला है। क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना के अंतर्गत 601 मार्ग और 71 हवाई अड्डे चालू किए गए। उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) का उद्देश्य क्षेत्रीय हवाई संपर्क को बढ़ाना और विमान सेवा को अधिक किफायती बनाना है। इसे 21 अक्टूबर 2016 को 10 वर्षों के लिए शुरू किया गया था। मंत्री ने कहा कि इस योजना को अगले 10 वर्षों के लिए बढ़ाया जाएगा। नागर विमानन सचिव वुमलुनमंग वुअलनम ने कहा कि मंत्रालय इस योजना के तहत वित्तीय व्यवहार्यता पहलुओं तथा प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने पर विचार कर रहा है।

बाबा को मारने वाले भूले नहीं, वह एक शेर थे, मैं निडर और अडिग हूं: जीशान

मुंबई,(ईएमएस)। महाराष्ट्र में सत्तारुढ़ पार्टी और एनसीपी नेता बाबा सिद्दिकी के बेटे जीशान सिद्दीकी ने कहा कि उनके पिता के हत्यारों ने उन पर नजर गड़ा दी है लेकिन वह डरने वाले नहीं हैं। बता दें बाबा सिद्दिकी की पिछले दिनों गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जीशान ने एक्स पर कहा कि उन्होंने हमेशा के लिए मेरे पिता का मुंह बंद कर दिया है लेकिन वे भूल गए कि वह एक शेर थे और मैं उनकी दहाड़ को अपने अंदर रखता हूं, उनकी लड़ाई मेरी रगों में है। वह न्याय के लिए खड़े हुए, बदलाव के लिए लड़े और अडिग साहस के साथ तूफानों का सामना किया। जीशान ने कहा कि जिन्होंने उन्हें मारा, वे अब यह मानकर मेरी ओर देख रहे हैं कि वे जीत गए हैं, मैं उनसे कहना चाहता हूं मेरी रगों में शेर का खून दौड़ता है। मैं अब भी निडर और अडिग हूं। उन्होंने एक को मार डाला, लेकिन मैं उनकी जगह पर खड़ा हूं। यह लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। आज मैं वहीं खड़ा हूं जहां वह खड़े थे। जीवित, अथक और तैयार। पूर्वी बांद्रा के मेरे लोगों के लिए मैं हमेशा आपके साथ हूं।

बंगाल की खाड़ी में बना निम्न दबाव का क्षेत्र, चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना

नई दिल्ली,(ईएमएस)। अंडमान सागर के ऊपर चक्रवाती दबाव सोमवार को निम्न दबाव वाले क्षेत्र में बदल गया और इसके 23 अक्टूबर तक तूफान में बदलने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि रविवार को उत्तरी अंडमान सागर और उससे सटे बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने चक्रवाती दबाव ने पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तरी अंडमान सागर के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र बना दिया है। विभाग ने कहा कि इसके पश्चिम-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ने और 22 अक्टूबर की सुबह तीव्र होकर दबाव के रूप में परिवर्तित होने और 23 अक्टूबर तक पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवाती तूफान में बदलने की पूरी संभावना है।

निर्दोष की हत्या कर आतंक फैलाना मानवता के खिलाफ : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने रविवार को गांदरबल में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने हमले में हुई मौतों पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि निर्दोष लोगों की हत्या करना और लोगों के बीच हिंसा एवं आतंक फैलाना मानवता के खिलाफ है। प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा- गांदरबल, जम्मू-कश्मीर में कायराना आतंकी हमले में एक डॉक्टर समेत सात लोगों की हत्या अत्यंत निंदनीय है। उन्होंने कहा कि निर्दोष लोगों की हत्या करके आम जनता के बीच हिंसा व दहशत फैलाने जैसे कृत्य मानवता के विरुद्ध अपराध हैं। इसके खिलाफ पूरा देश एकजुट है। उन्होंने कहा कि शोक-संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना। की।

गांदरबल हमले से नहीं रुकेगा जम्मू-कश्मीर में बुनियादी परियोजनाओं का निर्माण

नई दिल्ली,(ईएमएस)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में हुए आतंकी हमले की निंदा करते हुए कहा कि इस तरह की हिंसा जम्मू-कश्मीर में प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के निर्माण से भारत को नहीं रोक सकती हैं। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक सुरंग निर्माण स्थल पर आतंकवादी हमले में एक डॉक्टर समेत छह मजदूरों की मौत हो गई थी। खड़गे ने सोमवार को एक्स पर पोस्ट में लिखा- हम जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में हुए कायरतापूर्ण आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हैं, जिसमें एक डॉक्टर और कई मजदूर मारे गए हैं। लक्षित हिंसा का यह अमानवीय और घृणित कृत्य जम्मू-कश्मीर में प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के निर्माण से भारत को रोक नहीं सकेगा। उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र के रूप में, हम आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई में एक साथ हैं। पीड़ितों के परिवारों के प्रति हमारी गहरी संवेदना है। हम घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं।

आतंकी पन्नू ने दी एअर इंडिया में विस्फोट की धमकी: कहा- 1 से 19 नवंबर तक सफर ना करें, 1984 के सिख दंगों का बदला लेंगे

अमृतसर: अमेरिका में रह रहे सिख फॉर जस्टिस के आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एअर इंडिया में बम विस्फोट की धमकी दी है। आतंकी पन्नू ने वीडियो जारी कर 1984 के सिख दंगों का बदला लेने की बात कही। उसने लोगों को एअर इंडिया में सफर न करने की सलाह दी। पन्नू ने कहा- नवंबर में 1984 में हुए सिख दंगों की 40वीं बरसी है। 1984 में 13 हजार से अधिक सिख, महिलाओं और बच्चों को मार दिया गया। आज भी दिल्ली में विधवा कॉलोनी है। ये पूरी घटना भारतीय हुकूमत द्वारा की गई थी। विदेशों में यात्रा करने वाले लोग 1 से लेकर 19 नवंबर तक एअर इंडिया का बायकॉट करें। पन्नू ने पायलट्स को धमकाया कि बोर्ड पर संदिग्ध बम हो सकता है। पन्नू की हत्या की साजिश रचने के आरोप में हरियाणा के रहने वाले विकास यादव को अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई ने मोस्ट वांटेड करार दिया है। एफबीआई ने विकास को भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ का अधिकारी बताया।

पन्नू ने पिछले साल भी दी थी धमकी

इससे पहले 4 नवंबर 2023 को भी पन्नू ने वीडियो जारी कर एअर एंडिया के विमानों को उड़ाने की धमकी दी थी। पन्नू ने एक मिनट का वीडियो जारी किया था। कहा था- 19 नवंबर को एअर इंडिया की फ्लाइट में यात्रा न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो आपकी जान को खतरा हो सकता है। विमानों को उड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके बाद 19 नवंबर को दिल्ली में इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को बंद करने की धमकी दी। उसने कहा कि 19 नवंबर को वही दिन है, जब क्रिकेट वर्ल्ड कप का फाइनल होना था। इसके बाद पिछले साल एनआईए ने पन्नू के खिलाफ आईपीसी की धारा 1208, 153ए और 506 तथा गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए), 1967 की धारा 10, 13, 16, 17, 18, 188 और 20 के तहत मामला दर्ज किया था।

2019 में सिख फॉर जस्टिस पर बैन लगाया

भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने 10 जुलाई 2019 को एसएफजे (सिख फॉर जस्टिस) को उसकी गतिविधियों के लिए यूएपीए के तहत एक गैरकानूनी संगठन के रूप में प्रतिबंधित कर दिया। 1 जुलाई 2020 को पन्नू को भारत सरकार द्वारा व्यक्तिगत आतंकवादियों की सूची में शामिल किया गया।

एनआईए ने सितंबर 2019 में पन्नू के खिलाफ पहला मामला दर्ज किया। 29 नवंबर 2022 को उसे पीओ घोषित किया गया। 2023 में, एनआईए ने अमृतसर और चंडीगढ़ में पन्नू के घर और जमीन को जब्त कर लिया। 3 फरवरी 2021 को एनआईए की विशेष अदालत द्वारा पन्नू के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किए गए।

पन्नू पर करीब 12 केस, सोशल मीडिया पर करता है भड़काऊ बयानबाजी

- एसएफजे और पन्नू के खिलाफ भारत में 12 मामले दर्ज हो चुके हैं। इनमें पंजाब में देशद्रोह के 3 मामले भी हैं। पंजाब पुलिस द्वारा तैयार किए गए डोजियर में एसएफजे द्वारा कई वर्षों से सोशल मीडिया पर विभिन्न अलगावादी पोस्ट के बारे में जानकारी दी गई थी। इनमें वह आतंकियों का समर्थन करता था।
- पन्नू सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव है। वह पंजाबी भाषा में ऑडियो और वीडियो संदेश जारी करता है। इसमें वह पंजाबी युवाओं को भारत के खिलाफ भड़काता है।
- पैसे का लालच देकर पंजाब-हरियाणा में सरकारी बिल्डिंगों में खालिस्तान का झंडा लगवा चुका है। इसके अलावा हाल ही में G20 मीटिंग के दौरान वह दिल्ली में मेट्रो स्टेशन पर खालिस्तानी नारे भी लिखवा चुका है।

हरियाणा के युवक पर पन्नू की हत्या की साजिश का आरोप

अमेरिकी सरकार ने दावा किया है कि न्यूयॉर्क में रह रहे सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश में हरियाणा के रेवाड़ी का युवक भी शामिल है। अमेरिकी जांच एजेंसी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) ने युवक विकास यादव का मोस्ट वांटेड पोस्टर जारी किया है। इसमें विकास की 3 फोटो हैं। इनमें एक फोटो में वह सेना की वर्दी में भी है। विकास यादव (39) रेवाड़ी जिले के प्राणपुरा गांव का रहने वाला है। अमेरिकी सरकार का दावा है कि विकास, भारतीय खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग में काम करता है। रॉ ने ही पन्नू की हत्या की साजिश रची। विकास को हत्या के किलर हायर करने और मनी लॉन्ड्रिंग का आरोपी बनाया गया है।

दिल्ली स्कूल ब्लास्ट- पॉलीथिन में विस्फोटक रखा था:1 फीट गहरे गड्ढे में छिपाकर कचरे से ढंका

नई दिल्ली: दिल्ली के रोहिणी सेक्टर 14 में सीआरपीएफ स्कूल के पास हुए धमाके में लगातार नए खुलासे हो रहे हैं। दिल्ली पुलिस ने सोमवार को बताया कि स्कूल की दीवार के पास पॉलीथिन बैग में विस्फोटक रखा गया था। बैग को 1 फीट गहरे गड्ढे में छिपाकर रखा गया। इसके बाद इसे कचरे से ढका गया, ताकि यह किसी की नजर में न आ सके। इसके अलावा दिल्ली पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज भी चेक किए। 1 दिन पहले के फुटेज में दिल्ली पुलिस को दीवार के पास एक सफेद टी-शर्ट पहने शख्स दिखाई दिया। पुलिस इस संदिग्ध शख्स की तलाश में जुटी हुई है। प्रशांत विहार इलाके में रविवार सुबह करीब 7:30 बजे हुए इस धमाके में कोई घायल नहीं हुआ था, लेकिन फेस्टिवल सीजन में हुई इस घटना को सुरक्षा एजेंसियों ने गंभीरता से लिया है। जांच के 4 एजेंसियां एक साथ काम कर रही है। आईईडी मैनेजमेंट इस्टीट्यूट के

सीआरपीएफ अधिकारियों ने ग्राउंड असेसमेंट किया है। वहीं, एनएसजी की बॉम्ब स्क्वॉड की टीम भी अपनी जांच रिपोर्ट दिल्ली पुलिस को सौंपने की तैयारी कर रही है। एनआईए और दिल्ली पुलिस की फोरेंसिक साइंस लेबोरेट्री भी अपनी-अपनी जांच कर रही है। दिल्ली पुलिस केंद्रीय गृह मंत्रालय को आज स्टेटस रिपोर्ट सौंप सकती है।

खालिस्तानी संगठन ने टेलीग्राम पर जिम्मेदारी ली,

पुलिस ने टेलीग्राम से जानकारी मांगी

दिल्ली स्कूल ब्लास्ट की जिम्मेदारी खालिस्तानी संगठन ने ली है। टेलीग्राम पर जस्टिस लीग इंडिया ग्रुप पर उनका मैसेज आया है। इसमें कहा गया है कि वे किसी भी समय हमला करने में कितने सक्षम हैं। फिलहाल जांच एजेंसियां मैसेज की जांच कर रही हैं। सोमवार सुबह दिल्ली पुलिस ने टेलीग्राम कंपनी से इस मैसेज को लेकर जानकारी मांगी है।

सीएम आतिशी बोलीं- चरमराती सुरक्षा व्यवस्था की पोल खुली

दिल्ली की सीएम आतिशी ने इस ब्लास्ट के लिए केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने X पोस्ट में लिखा- बम ब्लास्ट की घटना दिल्ली की चरमराती सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल रही है। दिल्ली में लॉ एंड ऑर्डर की जिम्मेदारी भाजपा की केंद्र सरकार के पास है। लेकिन भाजपा अपना यह काम छोड़कर सारा समय दिल्ली की चुनी हुई सरकार के कामों को रोकने में लगाती है। उन्होंने लिखा कि यही कारण है आज दिल्ली में 1990 के दशक के मुंबई अंडरवर्ल्ड के दौर जैसा हाल हो गया है। शहर में सरेआम गोलियां चल रही हैं, गैंगस्टर वसूली कर रहे हैं और अपराधियों का मनोबल बढ़ा हुआ है। भाजपा के पास ना काम करने की नीयत है ना काबिलियत।

विस्फोट की आवाज सुनकर लोग अपने घरों और दुकानों से बाहर निकल आए। घटनास्थल के करीब चश्मे की दुकान चलाने वाले सुमित ने कहा, "मेरी दुकान की खिड़की के शीशे टूट गए। मेरी दुकान के अंदर का सारा सामान जमीन पर गिर गया। यह बहुत तेज धमाका था। स्थानीय राकेश गुप्ता ने कहा, "सुबह करीब 7.30 बजे हमने बहुत तेज आवाज सुनी।

दुनिया में मची उथल-पुथल के बीच भारत उम्मीद की किरण बना, आशा का संचार कर रहा: प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को एक उभरती हुई शक्ति करार देते हुए सोमवार को कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया में उथल-पुथल मची हुई है, वह उम्मीद की एक किरण बना है तथा आशा का संचार कर रहा है। समाचार चैनल एनडीटीवी की ओर से आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए मोदी ने यह भी कहा कि भारत हर क्षेत्र में तेजी से विकास कर रहा है और इसका पैमाना अप्रत्याशित है। उन्होंने कहा, आज जब चर्चा का केंद्र चिंता ही है, तब भारत में चर्चा का विषय है 'भारत की शताब्दी।' दुनिया में मची उथल-पुथल के बीच भारत उम्मीद की एक किरण बना है। जब दुनिया चिंता में डूबी है, तब भारत आशा का संचार कर रहा है। मोदी ने कहा कि हालांकि भारत की अपनी चिंताएं हैं, लेकिन इसमें सकारात्मकता की भावना है जो सभी भारत के लिए महसूस भी करते हैं। उन्होंने कहा, भारत आज एक विकासशील देश भी है और उभरती हुई शक्ति भी है। हम गरीबी की चुनौतियां भी समझते हैं और प्रगति का रास्ता बनाना भी जानते हैं। हमारी सरकार तेजी से नीतियां बना रही है, निर्णय ले रही है, नए सुधार कर रही है।

उन्होंने कहा, आज भारत हर सेक्टर में, हर क्षेत्र में जिस तेजी से काम कर रहा है, वह अभूतपूर्व है। भारत की गति, भारत का पैमाना अप्रत्याशित है। प्रधानमंत्री ने अपने तीसरे कार्यकाल के शुरुआती 125 दिनों में किए गए विभिन्न कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि अब भारत भविष्य की सोच के साथ आगे बढ़ रहा है और यह 2047 तक विकसित भारत बनाने के संकल्प में भी दिखता है।

उन्होंने कहा, हमने गरीबों के लिए 3 करोड़ घरों के निर्माण, 9 लाख करोड़ रुपये की लागत वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और 15 नई वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई है। मोदी ने कहा कि भारत ने दूरसंचार और डिजिटल भविष्य, वैश्विक सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र, वैश्विक फिनटेक उत्सव से संबंधित कार्यक्रमों में भी भाग लिया और नागरिक उड्डयन और नवीकरणीय ऊर्जा के भविष्य पर चर्चा करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन किया।

मदरसे बंद करने के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट की रोक: केंद्र-राज्य सरकारों को नोटिस

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मदरसों को लेकर दो फैसले दिए। पहला- केंद्र और राज्य सरकारों के सरकारी मदरसों को बंद करने के फैसले पर रोक लगा दी। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने 7 जून और 25 जून को राज्यों को इससे संबंधित सिफारिश की थी। केंद्र ने इसका समर्थन करते हुए राज्यों से इस पर एक्शन लेने को कहा था। दूसरा- कोर्ट ने उत्तर प्रदेश और त्रिपुरा सरकार के उस आदेश पर भी रोक लगाई, जिसमें मदरसों में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स को सरकारी स्कूल में ट्रांसफर करना था। इसमें गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों के साथ-साथ सरकारी सहायता प्राप्त मदरसों में पढ़ने वाले गैर-मुस्लिम स्टूडेंट्स शामिल हैं।

चीफ जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़, जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच जमीयत उलेमा-ए-हिंद की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। बेंच ने केंद्र सरकार, एनसीपीसीआर और सभी राज्यों को नोटिस जारी कर 4 हफ्ते के भीतर जवाब मांगा। बेंच ने कहा कि यह रोक अंतरिम है। जब तक मामले पर फैसला नहीं आ जाता, तब तक राज्य मदरसों पर कोई कार्रवाई नहीं कर सकेंगे। बेंच ने जमीयत उलेमा-ए-हिंद को उत्तर प्रदेश और त्रिपुरा के अलावा अन्य राज्यों को भी याचिका में पक्षकार बनाने की अनुमति दे दी।

एनसीपीसीआर ने कहा- मदरसों में शिक्षा के अधिकार कानून का पालन नहीं हो रहा

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने 12 अक्टूबर को कहा था कि 'राइट टु एजुकेशन एक्ट 2009' का पालन नहीं करने वाले मदरसों की मान्यता रद्द हो और इनकी जांच की जाए। एनसीपीसीआर ने सभी राज्यों को लेटर लिखकर कहा था कि मदरसों को दिया जाने वाला फंड बंद कर देना चाहिए। ये राइट-टु-एजुकेशन नियमों का पालन नहीं करते हैं।

आयोग ने 'आस्था के संरक्षक या अधिकारों के विरोधी: बच्चों के संवैधानिक अधिकार बनाम मदरसे' नाम से एक रिपोर्ट तैयार करने के बाद ये सुझाव दिया था। आयोग ने कहा था कि, 'मदरसों में पूरा फोकस धार्मिक शिक्षा पर रहता है, जिससे बच्चों को जरूरी शिक्षा नहीं मिल पाती और वे बाकी बच्चों से पिछड़ जाते हैं।'

एनसीपीसीआर की रिपोर्ट के बाद 26 जून 2024 को उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव ने सभी जिला कलेक्टरों को राज्य के सभी सरकारी सहायता प्राप्त/मान्यता प्राप्त मदरसों की जांच करने और मदरसों के सभी बच्चों का स्कूलों में तत्काल ट्रांसफर करने को कहा था। इसी तरह का निर्देश त्रिपुरा सरकार ने 28 अगस्त, 2024 को जारी किया था। 10 जुलाई, 2024 को केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को एनसीपीसीआर के निर्देशानुसार कार्रवाई करने के लिए लिखा था।

रॉ एजेंट होने का अमेरिका का आरोप गलत, विकास ने 2009 में की थी सीआरपीएफ जॉइन

नई दिल्ली,(ईएमएस)। खालिस्तानी चरमपंथी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रचने के मामले में अमेरिकी कोर्ट में आरोप लगाए गए हैं कि भारत के रॉ के पूर्व अधिकारी विकास पन्नू की हत्या की साजिश रचने में शामिल था। इस बीच उनके परिवार का बयान भी सामने आया है। परिजनों का कहना है कि अमेरिका के आरोप गलत हैं। वह तो देश के लिए काम करता था। हमें इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि वह जासूस है। अमेरिका के न्याय विभाग ने आरोप लगाया है कि विकास यादव ने गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या के लिए साजिश रची थी और निखिल गुप्ता को इसके लिए हायर किया था। अमेरिका का आरोप है कि विकास रॉ के एजेंट थे। वहीं भारत का कहना है कि विकास अब सरकारी कर्मचारी नहीं हैं। भारत सरकार ने यह भी नहीं बताया कि वह क्या कर रहा हैं और खुफिया अधिकारी हैं या नहीं। विकास के परिवार का कहना है कि उसके बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है कि उन्होंने भारतीय जासूस के तौर पर काम किया या नहीं। उनके एक चचेरे भाई ने कहा कि विकास ने 2009 में सीआरपीएफ जॉइन की थी और अब भी उसके ही साथ हैं। हमें यही जानकारी है।

हरियाणा में करारी हार... यादव, पंजाबी और ब्राह्मण पर डोरे डालने को तैयार कांग्रेस

नई दिल्ली,(ईएमएस)। हाल ही में हुए हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की करारी हार हुई। जिसके बाद पार्टी अपनी रणनीति में बदलाव करने की तैयारी कर ली है। कांग्रेस को महसूस हुआ है कि उसके समर्थक जाट और जाटव समुदायों तक सीमित हो गए हैं, जबकि यादव, पंजाबी और ब्राह्मण जैसे अन्य प्रमुख समुदाय पार्टी से दूर होते जा रहे हैं। हरियाणा की हार ने पार्टी को अपने सामाजिक समीकरणों पर फिर से विचार करने पर मजबूर किया है।

इसके लिए कांग्रेस पार्टी अब नए नेताओं की तलाश में है, जो अलग-अलग समुदायों को जोड़ने में मददगार साबित हो। पार्टी अध्यक्ष और विधायक दल के नेता जैसे महत्वपूर्ण पदों के लिए इसतरह के चेहरों को लाने पर विचार हो रहा है, जो पार्टी के सामाजिक दायरे का विस्तार कर सकें। कांग्रेस को उम्मीद थी कि बेरोजगारी, शासन और विकास जैसे मुद्दे सामाजिक समीकरणों पर भारी पड़ सकते हैं, और बीजेपी के खिलाफ माहौल बनेगा, लेकिन यह रणनीति काम नहीं आई।

कांग्रेस के सामने इन दिनों दो प्रमुख चुनौतियाँ हैं। पहली, कांग्रेस हरियाणा में अपनी पुरानी टीम को पूरी तरह से नजरअंदाज नहीं कर सकती, क्योंकि पार्टी को 37 सीटें और भाजपा के बराबर वोट मिले हैं। यदि पुराने नेताओं को किनारे करते हैं, तब पार्टी को नुकसान हो सकता है। दूसरी चुनौती नए चेहरों का चयन है। पार्टी को इसतरह के नेता चाहिए जो केवल प्रतीकात्मक न हों, बल्कि जिनकी अपनी पहचान हो और जो विभिन्न समुदायों को प्रभावी ढंग से जोड़ सकें। कांग्रेस का यह कदम हरियाणा में नए सिरे से जनाधार बनाने की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण प्रयास है।

कश्मीर हमला- लश्कर के संगठन टीआरएफ ने ली जिम्मेदारी:रेकी के बाद टनल साइट पर की थी फायरिंग; डॉक्टर-6 मजदूरों की मौत, 3 बिहार के

श्रीनगर: जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में रविवार देर रात हुए आतंकी हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा के संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली है। भास्कर को सूत्रों ने सोमवार को बताया कि टीआरएफ चीफ शेख सज्जाद गुल इस हमले का मास्टरमाइंड था। गांदरबल के गगनगीर इलाके में श्रीनगर-लेह नेशनल हाईवे की टनल कंस्ट्रक्शन साइट पर आतंकियों ने फायरिंग की। हमले में बड़गाम के डॉक्टर शहनवाज मीर और पंजाब-बिहार के 6 मजदूरों की जान चली गई। हमले के बाद गांदरबल और गगनगीर के जंगलों में रात से सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। यह ऑपरेशन अभी भी जारी है। सुरक्षा बल हाई अलर्ट पर हैं और अब नेशनल इंटेलिजेंस एजेंसी (एनआईए) भी पहुंच गई है।

गगनगीर आतंकी हमला, 4 पॉइंट

1. हमले में 2-3 आतंकी शामिल, 1 महीने रेकी की: सूत्रों ने बताया कि गगनगीर आतंकी हमले में टीआरएफ के 2-3 आतंकवादी शामिल हैं। यह पिछले एक महीने से कंस्ट्रक्शन साइट की रेकी कर रहे थे। इसके चलते ही आतंकी हमले के तुरंत बाद फरार होने में कामयाब हुए।

2. पंजाब और बिहार के मजदूरों को निशाना बनाया: जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बताया कि बड़गाम के डॉक्टर शहनवाज, कठुआ के रहने वाले शशि अब्रोल हमले में मारे गए। इनके अलावा पंजाब के गुरदासपुर के गुरमीत सिंह, बिहार के अनिल कुमार शुक्ला, फहीम नजीर, मोहम्मद हनीफ और कलीम की हत्या की गई। ये सभी केंद्र सरकार के टनल प्रोजेक्ट में काम कर रहे थे।

3. टीआरएफ ने स्ट्रैटजी बदली, अब बाहरी भी निशाने पर: रिपोर्ट्स के मुताबिक, टीआरएफ ने पिछले डेढ़ साल में अपनी स्ट्रैटजी बदली है। पहले टीआरएफ कश्मीर पंडितों की टारगेट किलिंग करता था। अब यह संगठन गैर कश्मीरियों और सिखों को निशाना बना रहा है। 4 दिन पहले शोपियां में बिहार के मजदूर अशोक चौहान की हत्या की गई थी। इस हमले की जिम्मेदारी अभी किसी संगठन ने नहीं ली है।

4. बारामूला में आतंकवादी ढेर, गांदरबल कनेक्शन नहीं: गांदरबल के हमले के बाद 50 किलोमीटर दूर बारामूला में सुरक्षाबलों ने एक आतंकी को मार गिराया है। उसके पास से भारी मात्रा में हथियार भी बरामद हुए हैं, लेकिन अभी तक इसका गांदरबल से कोई कनेक्शन सामने नहीं आया है। यहां भी सोमवार सुबह से सर्च ऑपरेशन जारी है।

हमले पर किसने क्या कहा

अमित शाह: इस जघन्य और कायरतापूर्ण हमले में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्हें हमारे सुरक्षाबलों की ओर से कठोरतम जवाब का सामना करना पड़ेगा। इस दुख की घड़ी में मैं मृतकों के परिवारों के साथ हूं।

राहुल गांधी: जम्मू-कश्मीर का हमला कायरतापूर्ण और अक्षम्य अपराध है। आतंकियों का यह दुस्साहस जम्मू-कश्मीर में निर्माण का क्रम और लोगों का विश्वास कभी नहीं तोड़ पाएगा। इस लड़ाई में पूरा देश एकजुट है।

मुख्यमंत्री उमर: गैर-स्थानीय मजदूरों पर कायरतापूर्ण हमला बहुत दुखद है। ये लोग इलाके में एक प्रोजेक्ट पर काम कर रहे थे। मैं निहत्थे निर्दोष लोगों पर इस हमले की कड़ी निंदा करता हूं।

सम्पादकीय

कोयलांचल संवाद 6

रांची, मंगलवार, 22 अक्टूबर, 2024

www.koylanchalsamvad.com

भारी भरकम फीस जमा करने के बाद भी समय पर न्याय नहीं

भारतीय संविधान ने नागरिकों के मौलिक अधिकार सुरक्षित रखे जाने की जिम्मेदारी न्यायपालिका को सौंपी है। वर्तमान न्यायपालिका एक तरह से सरकार के नियंत्रण में काम करती हुई नजर आ रही है। जिसके कारण दिनों दिन न्यायपालिका की साख आम जनता की नजरों में गिरती चली जा रही है। सामान्य नागरिक कानून की पेचीदगियों को नहीं जानता है। कानून का इस्तेमाल वर्तमान में गरीब और मध्यम वर्ग का शोषण करने के लिए हो रहा है। आम आदमी कानून के मकडजाल में फंसकर छटपटा रहे हैं। शासन प्रशासन और दबंग लोगों द्वारा जिस तरह से आम जनता को प्रताड़ित किया जा रहा है। खुलेआम उनके साथ लूट की जा रही है। उसके बाद न्यायालय से भी उसे न्याय नहीं मिल पा रहा है। पिछले दो दशकों में जिस तरह से नए-नए कानून बनाये जा रहे हैं। उसमें नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन हो रहा है। न्यायालयों में मुकदमे बढ़ते ही जा रहे है। न्यायपालिका भी नियम और कानूनो के संदर्भ में जिस तरह से संवधानिक व्याख्या करनी होती है। उसकी अनदेखी कर सरकार के बनाये कानून को सही मान लेती है। कई वर्षों तक याचिकाओं की सुनवाई नहीं होती है। पिछले एक दशक में आम जनता, न्यायपालिका की प्राथमिकता से दूर होती चली जा रही है। न्यायपालिका द्वारा स्वयं संज्ञान लेना भी बंद कर दिया है। न्यायपालिका यह मानकर सुनवाई और निर्णय करती है। सरकार जो कुछ कर रही है, वह ठीक ही कर रही है। आम जनता ने सरकार को बहुमत दिया है। सरकार जो कानून बनना चाहती है, उसके लिए सरकार सक्षम है। यहां पर न्यायपालिका इस बात को भूल जाती है। संविधान ने आम नागरिकों के जो मौलिक अधिकार संरक्षित रखने की जिम्मेदारी न्यायपालिका को दी है। विभिन्न कानून और विभिन्न नियमों के तहत रोजाना मौलिक अधिकार खत्म किये जा रहे हैं। इसके बाद भी न्यायपालिका चुप बैठी हुई है। भारत में न्याय पाना बड़ा महंगा और कठिन हो गया है। न्याय पाने के लिए भारी भरकम फीस जमा करनी पड़ती है। मुकदमा लड़ने के लिए वकीलों को फीस देने के लिए बहुत बड़ी राशि खर्च करनी पड़ती है। उसके बाद भी भारतीय नागरिकों को न्यायालयों से समय पर न्याय नहीं मिल पा रहा है। हां तारीख पर तारीख जरूर मिलती है। हाल ही में भारतीय न्याय संहिता लागू होने के बाद कई मामलों में न्यायालय फीस बेतहाशा बढ़ा दी गई है। नए कानून में इतनी जटिलताएं हैं। भारी फीस भरने के बाद भी कई महीनो तक मुकदमा शुरू नहीं हो पता है। अपराधिक मामले में जब तक आरोपी को न्यायालय की सूचना तामील नहीं होती है। तब तक मुकदमा न्यायालय में दर्ज भी नहीं होता है। चेक बाउंस मामले में तो हालात और भी खराब हो गई है। पहले ही चेक के माध्यम से लोगों को धोखाधड़ी का शिकार बनाया जाता है। जब उसे मामले को कोर्ट में ले जाया जाता है, तब भारी भरकम न्यायालय फीस जमा करनी पड़ती है। कई महीनो तक नोटिस तामील नहीं होते हैं। न्यायालय में मामला पंजीकृत नहीं होता है। फरियादी न्यायालय के चक्कर लगाता रह जाता है। केंद्र सरकार और राज्य सरकार जिस तरह से आए दिन नए-नए कानून और नियम बना रहे हैं। एक एक्ट दूसरे एक्ट के नियमों को ओवरलैप करते हैं। जिसके कारण न्यायालय में मामले कानूनी विवाद से उलझ जाते हैं। न्यायालय के लिए भी उन विवादों पर फैसला करना आमतौर पर संभव नहीं होता है। वादी जिस विवाद को लेकर न्यायालय में जाता है। जो कानून हैं, वह एक दूसरे के विपरीत होने के कारण दोनों ही पक्ष उसका फायदा उठाने के लिए मामले को उलझाते चले जाते हैं। कई कई साल ट्रायल कोर्ट में ही मामले लटके रहते हैं। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट आए दिन न्याय व्यवस्था को लेकर बड़े-बड़े दावे करती हैं। अब यह दाबे भी राजनेताओं के वादों की तरह दिखने लगे हैं। 70 फ़ीसदी से ज्यादा मामले सरकार के विरुद्ध होते है। ट्रायलकोर्ट, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट सरकार को मामले की सुनवाई के दौरान समय पर समय देते चले जाते हैं। कई महीने और कई बरस बीत जाते हैं। सरकार का जवाब नहीं आता है। सरकार जो कहती है। उसे न्यायालय आंख बंद करके मान लेते हैं।वादी अथवा याचिकाकर्ता की न्यायालय में बात ही नहीं सुनी जा रही है। बिना सुने मामले हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से खारिज कर दिए जा रहे हैं। भारी भरकम न्यायालयीन फीस जमा कराई जा रही है। अब तो न्यायालय याचिकाएं निरस्त करने के साथ जुर्माना भी वसूल करने लगी हैं। जिसके कारण न्यायालय को लेकर आम जनता के मन में डर और भय देखने को मिल रहा है। पिछले 10 वर्षों में हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने न्यायालय में सुनवाई के दौरान जो कहा, वह फैसले में कभी देखने को नहीं मिला। जो फैसला आए,वह आधे अधूरे थे। सुप्रीम कोर्ट ने जो फैसले दिये। सरकार ने कानून बनाकर बदल दिया। सरकार और प्रशासन हाईकोर्ट के आदेशों को गंभीरता से नहीं लेता है। वर्षों बाद भी आदेश में अमल नहीं होता है। हजारों अवमानना याचिकायें हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। महाराष्ट्र में जिस तरीके से उद्धव ठाकरे की सरकार गिराई गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने काफी समय के बाद उसमें सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने खुद माना, राज्यपाल ने असंवैधानिक तरीके से सरकार गिराने का काम किया है। यदि उद्धव ठाकरे ने इस्तीफा नहीं दिया होता, तो सुप्रीम कोर्ट उद्धव ठाकरे की सरकार को बहाल कर देती। उसके बाद भी आज तक इस मामले का कोई फैसला नहीं आया। असंवैधानिक सरकार चलती रही। 5 साल का कार्यकाल विधानसभा का पूरा हो गया। लोगों का न्यायपालिका के प्रति विश्वास कम और खत्म होता जा रहा है। त्वरित न्याय के लिए अब लोग नेताओं और गुंडो के पास जाना पसंद कर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों से शासन और प्रशासन जिस तरह से आम आदमी को उत्पीड़िन कर रहे हैं। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट आंख बंद करके तमाशा देख रही है। लोगों का न्यायपालिका के ऊपर विश्वास कम होता जा रहा। आम आदमी अपने विवादों के निपटारे के लिए गुंडे-बदमाशों और राजनेताओं का सहारा ले रहा है। उसे ही अपना भाग्य मानकर स्वीकार करने के अलावा उसके पास अब कोई भी विकल्प नहीं बचा है। पिछले वर्षों में जिस तरह से न्यायपालिका ने खुद नागरिकों के मौलिक अधिकारों को दबाने और कुचलने में सरकारों और प्रशासन को सहयोग दिया है, वह आश्चर्यचकित करने वाला है।

अहिंसा का आलोक

वे सभी व्यक्ति अहिंसा की शीतल छाया में विश्राम पाने के लिए उत्सुक रहते हैं, जो सत्य का साक्षात्कार करना चाहते हैं। अहिंसा का क्षेत्र व्यापक है। यह सूर्य के प्रकाश की भांति मानव मात्र और उससे भी आगे प्राणी मात्र के लिए अपेक्षित है। इसके बिना शांतिपूर्ण सहअस्तित्व की बात केवल कल्पना बनकर रह जाती है। अहिंसा का आलोक जीवन की अक्षय संपदा है। यह संपदा जिन्हें उपलब्ध हो जाती है, वे नए इतिहास का सृजन करते हैं। वे उन बंधी-बंधाई परंपराओं से दूर हट जाते हैं, जिनकी सीमाएं हिंसा से स्पृष्ट होती हैं। परिस्थितिवाद का बहाना बनाकर वे हिंसा को प्रश्रय नहीं दे सकते। अहिंसा की चेतना विकसित होने के अनंतर ही व्यक्ति की मनोभूमिका विशद बन जाती है। वह किसी को कष्ट नहीं पहुंचा सकता। इसके विपरीत हिंसक व्यक्ति अपने हितों को विश्व-हित से अधिक मूल्य देता है। किंतु ऐसा व्यक्ति भी किसी को सताते समय स्वयं संतप्त हो जाता है। किसी को स्वायत्त बनाते समय उसकी अपनी स्वतंत्रता अपहृत हो जाती है।

किसी पर अनुशासन थोपते समय वह स्वयं अपनी स्वाधीनता खो देता है। इसीलिए हिंसक व्यक्ति किसी भी परिस्थिति में संतुष्ट और समाहित नहीं रह सकता। उसकी हर प्रवृत्ति में एक खिंचाव-सा रहता है। वह जिन क्षणों में हिंसा से गुजरता है, एक प्रकार के आवेश से बेभान हो जाता है। आवेश का उपशम होते ही वह पछताता है, रोता है और संताप से भर जाता है। हिंसक व्यक्ति जिस क्षण अहिंसा के अनुभाव से परिचित होता है, वह उसकी ठंडी छांह पाने के लिए मचल उठता है। उसका मन बेचैन हो जाता है। फिर भी पूर्वोपात्त संस्कारों का अस्तित्व उसे बार-बार हिंसा की ओर धकेलता है। ये संस्कार जब सर्वथा क्षीण हो जाते हैं तब ही व्यक्ति अहिंसा के अनुत्तर पथ में पदन्यास करता है और स्वयं उससे संरक्षित होता हुआ अहिंसा का संरक्षक बन जाता है। अहिंसा के संरक्षक इस संसार के पथ-दर्शक बनते हैं और हिंसा, भय, संत्रास, अनिश्चय, संदेह तथा असंतोष की अरण्यानी में भटके हुए प्राणियों का उद्धार करते हैं।

देश को साम्प्रदायिकता की आग में झोंकते कुंठाग्रस्त लोगों के विमर्श

> एक टी वी चैनल पर इसी विषय पर आधारित एक परिचर्चा में उत्तर प्रदेश के पूर्व ए डी जी पी विभूति नारायण राय जब अपने जीवन के लगभग चार दशक के आई पी एस के रूप में अपनी सेवा के अनुभव के अनुसार अपनी बात कह रहे थे उसी समय भाजपा का एक प्रवक्ता साफ़ तौर पर यह कहता सुनाई दिया कि मैं धर्मनिरपेक्ष नहीं हूँ बल्कि मैं केवल हिन्दू हूँ। उसके बाद उसने विभूति नारायण राय के प्रति भी अपशब्दों का इस्तेमाल किया जबकि वह प्रवक्ता शायद उम्र के मामले में राय साहब की उम्र से आधा भी नहीं होगा। स्वयं को सुप्रीम कोर्ट का वकील बताने वाला परिचर्चा का वही प्रतिभागी एक मुस्लिम राजनैतिक विश्लेषक को सरेआम मुल्ले, आतंकवादी कहकर व गंदी गालियां देकर बुला रहा था।

तनवीर जाफ़री

भारतीय मीडिया विशेषकर इलेक्ट्रानिक मीडिया इन दिनों जितने निम्नस्तर पर जाकर अपने दर्शकों को उकसा और वरग़ला कर उनमें धार्मिक उन्माद व नफ़रत पैदा कर रहा है वैसा पहले कभी नहीं देखा गया। ऐसा लगता है कि पिछले दस वर्षों से मीडिया को देश में नफ़रत फैलाने और साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण करने की खुली छूट मिली हुई है। झूठी ख़बरें प्रसारित करना,टी वी एंकर्स द्वारा झूठे ट्वीट करना फिर अपने उसी ट्वीट को डिलीट कर देना,अपनी विचारधारा से मेल न खाने वाले टी वी वार्ता के पैनल्स के सदस्यों को अपमानित करना,उनके साथ गली गलोच करना और यदि वह मुसलमान है तो उसे सीधे तौर पर मुल्ले ,कटुवे या आतंकवादी,पाकिस्तानी,जिहादी आदि कुछ भी कहकर संबोधित करना बिल्कुल आम बात होती जा रही है। नफ़रती संस्कारों में परवरिश पाने वाले यह लोग अपने अपनी उम्र व अपनी पारिवारिक पृष्ठभूमि देखे बिना कभी किसी उच्चाधिकारी को अपमानित कर बैठते हैं तो कभी भारत के मुख्य न्यायाधीश तक के प्रति ऐसे अपशब्द अपने मुंह से निकालते हैं जिनकी कल्पना भी नहीं की जा सकती।

पिछले दिनों उत्तर प्रदेश के बहराइच में महराजगंज क्षेत्र में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान साम्प्रदायिक हिंसा भड़क उठी थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दुर्गा प्रतिमा विसर्जन में शामिल सैकड़ों लोग मुस्लिम बाहुल्य इलाक़े से डी जे पर तेज़ आवाज़ में कुछ आपत्तिजनक गाने बजाते हुये गुज़र रहे थे। हालांकि उत्तर प्रदेश सरकार ने जुलूसों में डी जे के प्रयोग पर पाबन्दी लगा रखी है। उसके बावजूद डी जे पर तेज़ आवाज़ में धर्म विशेष को अपमानित करने वाले गाने बजाये जा रहे थे। ख़बर है कि मुसलमानों की तरफ़ से कुछ लोगों ने डी जे बंद करवाने के लिये कहा परन्तु भीड़ ने डी जे तो बंद नहीं किया परन्तु उग्र ज़रूर हो गयी। इसके बाद मुसलमानों के घरों को निशाना बनाते हुये तोड़फोड़ व आगज़नी शुरू होगयी। इसी बीच राम गोपाल मिश्रा नामक एक ग़रीब नव विवाहित युवक जो भंडारों में लंगर बनाने का काम करता है वह आवेश में एक मुस्लिम व्यक्ति के घर की छत पर चढ़ गया। उसने छत पर इस्लामी प्रतीक के रूप में लगे झंडे को गिराने की कोशिश की जिससे झंडे के साथ ही छत की रेलिंग भी टूट गई। इसके बाद आक्रोशित मुसलमानों की तरफ़ से गोलीबारी हुई जिसमें राम गोपाल मिश्रा की गोलियां लगने से मौत हो गयी।

डी जे पर तेज़ आवाज़ में आपत्तिजनक गाने बजना, राम गोपाल मिश्रा का आवेश में आकर किसी मुस्लिम व्यक्ति के घर की छत पर चढ़ना, इस्लामी प्रतीक झंडे को गिराना,हिंसा के लिये भीड़ को उकसाना आदि सब कुछ ग़ैर क़ानूनी तो ज़रूर है,परन्तु इनका जवाब गोलीबारी करना या किसी की हत्या कर देना हरगिज़ नहीं। यह हत्या भी उतनी ही निंदनीय है जितना कि भीड़ द्वारा धर्म विशेष के लोगों को हिंसा के लिये उकसाया जाना। परन्तु बहराइच की इस हिंसा के बाद जो नफ़रत पूर्ण भूमिका टी वी चैनल्स व इन के नफ़रती ऐंकर्स यहाँ तक कि इस विषय पर आयोजित परिचर्चा में भाग लेने वाले पक्षपाती पैनल्स द्वारा अदा की गयी उसे देखकर साफ़ अंदाज़ा लगाया जा सकता है कि स्वयं को मुख्य धारा का मीडिया बताने वाला यह नेटवर्क दरअसल देश में अमन शांति व सद्भाव का पैरोकार नहीं बल्कि देश को नफ़रत व हिंसा की आग में झोंकने के लिये दिन रात एक किये हुए है। सबसे बड़ा नफ़रती खेल इस ग़ैर ज़िम्मेदार मीडिया व सोशल मीडिया द्वारा राम गोपाल मिश्रा की मौत के बाद आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट को लेकर खेला गया जिससे कि जलती आग में और घी डाला जा सके और दंगों को पूरे प्रदेश व देश में फैलाया जा सके। विस्तृत पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बताया गया है कि राम गोपाल के शरीर में कई छर्रे लगे जिससे अत्यधिक रक्तस्राव हुआ जिसके चलते उसकी मृत्यु हो गयी। परन्तु मीडिया चीख़ता चिल्लाता रहा कि मृतक राम गोपाल पर तलवारों से हमला किया गया,उसके नाख़ून खींचे गये,उसे करंट लगाया गया उसकी लाश के साथ बर्बरता की गयी,आदि।

ज़ाहिर है उत्तेजना पूर्ण माहौल में इसतरह की अफ़वाह भरी ख़बरें जलती आग में घी डालने का ही काम करेंगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद नफ़रती व्यवसाय में लगे कई पत्रकार सी एम ओ व पोस्टमार्टम करने वाले अन्य डॉक्टर्स से भी मिले तथा उनके मुंह से यह कहलवाने की कोशिश की कि क्या पैरों के नाख़ून खींचे गये ? क्या मृतक शरीर के साथ बर्बरता की गई ? परन्तु कोई भी डॉक्टर इन नफ़रती रिपोर्टर्स के झांसे में नहीं आया। और सब ने एक ही बात कही कि मृतक के शरीर में कई छर्रे लगे जिससे अत्यधिक रक्तस्राव हुआ जिसके चलते उसकी मृत्यु हो गयी। आख़िरकार इन अफ़वाहों के बाद बहराइच पुलिस को स्वयं सामने आना पड़ा और पोस्टमार्टम रिपोर्ट की सच्चाई को अपने एक्स हैंडल से जारी करते हुये अफ़वाहों से दूर रहने व भ्रामक सूचनाओं को प्रसारित न करने की अपील करनी पड़ी।

एक टी वी चैनल पर इसी विषय पर आधारित एक परिचर्चा में उत्तर प्रदेश के पूर्व ए डी जी पी विभूति नारायण राय जब अपने जीवन के लगभग चार दशक के आई पी एस के रूप में अपनी सेवा के अनुभव के अनुसार अपनी बात कह रहे थे उसी समय भाजपा का एक प्रवक्ता साफ़ तौर पर यह कहता सुनाई दिया कि मैं धर्मनिरपेक्ष नहीं हूँ बल्कि मैं केवल हिन्दू हूँ। उसके बाद उसने विभूति नारायण राय के प्रति भी अपशब्दों का इस्तेमाल किया जबकि वह प्रवक्ता शायद उम्र के मामले में राय साहब की उम्र से आधा भी नहीं होगा। स्वयं को सुप्रीम कोर्ट का वकील बताने वाला परिचर्चा का वही प्रतिभागी एक मुस्लिम राजनैतिक विश्लेषक को सरेआम मुल्ले,आतंकवादी कहकर व गंदी गालियां देकर बुला रहा था। अफ़वाह,साम्प्रदायिक तनाव व सनसनी फैलाने की गोया इन एंकर्स व प्रवक्ताओं को पूरी ट्रेनिंग हासिल है।वैसे भी कई राजनैतिक विश्लेषकों का मत है कि चूंकि उत्तर प्रदेश में अगले कुछ दिनों में 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने जा रहे हैं इसीलिये साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण के लिये ही कुंठाग्रस्त लोग अपने कटु विमर्श के द्वारा देश की फ़िज़ा ख़राब करने में जुटे हुये हैं।

तड़क-भड़क के साए में रामलीलाएं

> बदलते समाज में दर्शकों की रुचि को देखकर प्रतिवर्ष कुछ सुधार किए जाते हैं लेकिन तथ्यों से कतई छेड़छाड़ नहीं की जाती पात्रों के बारे में पूछने पर उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के कहा कि सभी पात्र अपने अभिनय में जीवंतता लाने के लिए इस दौरान सात्विक रहते हैं मुरार रामलीला समिति के अध्यक्ष एक उदाहरण देते हुए बताते हैं कुछ वर्ष पूर्व सायरा नाम की एक लड़की को हमारे द्वारा सीता का किरदार निभाने की जिम्मेदारी सौंपी गई तो कुछ लोगों ने आपत्ति की कि कैसे हम सीता के रूप में इनका चरण स्पर्श करेंगे लेकिन आपत्ति के बावजूद इस पात्र को नहीं बदला गया।

मुकेश तिवारी

जिस प्रयोजन को लेकर दशकों पहले रामलीला के मंचन की शुरुआत हुई थी। बदलते दौर में उसका स्वरूप तेजी के साथ बदल रहा है। गांव कस्बों की बात छोड़ भी दें तो शहरों में इनके भव्य आयोजन की होड लगी रहती है। रामलीला के आयोजन पर भारी-भरकम राशि खर्च की जाती है वहीं दर्शकों को सम्मोहित करने के लिए तरह तरह के जतन किए जाते हैं ।हकीकत तो यह है कि रामलीला के मेले जैसे माहौल में लोग भी अब रामलीला देखने कम इसकी चमकदार सेट,भारी भरकम सजावट देखने ज्यादा आते हैं । ऐसे में रामलीलाओं का आयोजन और उसकी प्रासंगिकता कितनी सार्थक रह गई है? रामलीला के बदलते रंग स्वरूप को देखकर इसकी झलक मिल जाती है। कभी मशाल मिट्टी के तेल की चिमनियों लालटेन और पेट्रोमेक्स की रोशनी में खेली जाने वाली रामलीलाओ का स्वरूप आज पूरी तरह बदल चुका है चार दशक पूर्व की रामलीला देखने वाले लोग यदि आज महानगरों,बड़े शहरों में आयोजित होने वाली नामी-गिरामी रामलीलाओ को देखते हैं तो वे उसके बदले स्वरूप को देखकर दंग रह जाते हैं। उन्हें विश्वास नहीं होता कि रामलीलाएं कितनी बदल चुकी है। रामलीलाओं के दौरान रामलीला परिसर पूरी तरह मनोरंजक मेलों और आकर्षक बाजार में तब्दील हो जाता हैं।कडवा सच यह है कि जहां ज्यादातर लोग रामलीला देखने कम, सैर सपाटा और सजावट देखने ज्यादा आते हैं।

करीब 400 वर्षों से रामलीलाओं के आयोजन का उल्लेख हमें मिलता है उस वक्त आवागमन के साधन ही कहां थे फिर भी रामलीला मंडलियां तमाम तरह की कठिनाइयों को सहकर इनका आयोजन करती थी ।ढोल मजीरे झांझर करताल जैसे वाद्य यंत्रों व सहज संवादों के माध्यम से दर्शकों को बांधे रखा जाता था। हालांकि लालटेन युग में आंधी पानी आ जाने पर आयोजकों की परेशानी बढ़ जाती थी। समय के साथ धीरे-धीरे टेंटों का सहारा लिया जाने लगा इसके पश्चात पंडालों की शुरुआत हुई बिजली की सुलभता से रामलीला के आयोजकों को सहूलियतें मिली और सजावट का दौर प्रारंभ हो गया पहले पुरुष पात्र ही महिलाओं की भूमिका करते थे लेकिन अब बड़ी रामलीलाओं में महिलाएं ही स्त्रियों की भूमिकाएं करती हैं ।पहले रामलीला के पात्र भी कम पढ़े लिखे होते थे। उन्हें पर्दे के पीछे से संवाद सुनाए जाते थे। लेकिन आज के कंप्यूटर युग में प्रत्येक पात्र संवाद को पूर्ण तौर पर रट डालता है। पहले प्रचार माध्यम इतने सशक्त नहीं थे तो रामलीला काआयोजन करने वाली समितिया पर्चे छपवाकर रामलीला में होने वाली प्रस्तुतियों के बारे में लोगों को बताती थी या फिर शहर कस्बे में घूम-घूम कर लाउडस्पीकर से प्रचार करती थी लोग भी मीलों पैदल चलकर बड़े उत्साह के साथ रामलीला के कार्यक्रमों का पता लगाने आते थे और अपनी रूचि के अनुसार रामलीला देखने परिवार सहित जाते थे। लेकिन आज इतना बदलाव आ चुका है कि प्रिंट और इलेक्ट्रोनिक मीडिया के जरिए दर्शकों को रामलीला के दौरान किस दिन कौन से प्रसंग का मंचन हो इसकी जानकारी दी जाती है। साधन संपन्न रामलीला कमेटियां तो बकायदा पत्रकार वार्ता आयोजित कर रामलीला के आकर्षणों के बारे में जानकारी देती हैं।

आज की रामलीला को भव्यता प्रदान करने के लिए कितना धन खर्च किया जाता है उसकी कोई सीमा नहीं होती हर वर्ष रामलीला के मंचन पर लाखों रुपए रामलीला पर खर्च करने वाली श्री रामलीला समारोह समिति के पदाधिकारी विष्णु गर्ग, राधेश्याम भाकर संयोजक रमेश अग्रवाल बताते हैं कि रामलीला देखने आने वाले दर्शकों की अभिरुचि को देखते हुए हर साल श्री राम लीला समारोह समिति को कुछ न कुछ नया करना पड़ता है। राधेश्याम भाकर ने बताया कि पिछले 77सालो से लोगों में धार्मिक भावना जागृत करने के मकसद से छत्री मंडी परिसर में रामलीला का मंचन हमारी समिति द्वारा कराया जा रहा है। हालांकि पिछले कुछ सालों से छत्री मंडी परिसर के स्थान पर अब रामलीला का का मंचन फूलबाग मैदान में किया जाने लगा है। इस साल श्री राम लीला समारोह समिति द्वारा 78 वी रामलीला का आयोजन वृंदावन की नामचीन रामलीला मंडली के माध्यम से कराया जा रहा है । विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी वृंदावन की श्री हरि बाबा राम कृष्ण लीला मंडल के द्वारा निर्देशक स्वामी रसिक विहारी जी महाराज के निर्देशन में रामलीला का मंचन किया जा रहा है।रामलीला को आज भले ही व्यापारी अथवा पूंजीपति बढ़ावा दे रहे हैं, लेकिन समूचे देश में इसके प्रचार-प्रसार में सबसे बड़ी भूमिका निभाई है मथुरा और वृंदावन की मंडलियों ने सैकड़ों वर्षों पूर्व साधनों के अभाव में मथुरा वृंदावन से लोग विभिन्न जगहों पर जाते थे और छोटे-छोटे टेंटों अथवा खुले मैदानों , धर्मशाला ओं के प्रांगण में रामलीला रासलीला का आयोजन करते थे। इसके पश्चात दरभंगा बिहार की कुछ मंडलियों ने इन्हें और भी विस्तार दिया, रामलीला मंडल मुरार के अध्यक्ष बताते हैं कि हमारी रामलीला के सभी पात्र स्थानीय होते हैं उनका कहना था कि इस आयोजन में भाग लेने वाले पात्र किसी भी तरह का पारिश्रमिक नहीं लेते हैं। अधिकांश पात्र अच्छे पढ़े-लिखे हैं और नौकरियां करते हैं कमेटी की एक विशेषता यह है कि वह हर वर्ष नारद मोह मनु शतरूपा, ताड़कावध, परशुराम संवाद, बाली वध, कुंभकरण वध मेघनाथ वध आदि को काफी अनूठे ढंग से प्रदर्शित करती है।

रामलीला में बढ़ती नाटकीयता के बारे में पूछे जाने पर छत्री मंडी श्री राम लीला समारोह समिति के राधेश्याम भाकर कहते हैं बदलते समाज में दर्शकों की रुचि को देखकर प्रतिवर्ष कुछ सुधार किए जाते हैं लेकिन तथ्यों से कतई छेड़छाड़ नहीं की जाती पात्रों के बारे में पूछने पर उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के कहा कि सभी पात्र अपने अभिनय में जीवंतता लाने के लिए इस दौरान सात्विक रहते हैं मुरार रामलीला समिति के अध्यक्ष एक उदाहरण देते हुए बताते हैं कुछ वर्ष पूर्व सायरा नाम की एक लड़की को हमारे द्वारा सीता का किरदार निभाने की जिम्मेदारी सौंपी गई तो कुछ लोगों ने आपत्ति की कि कैसे हम सीता के रूप में इनका चरण स्पर्श करेंगे लेकिन आपत्ति के बावजूद इस पात्र को नहीं बदला गया। सायरा ने सीता की भूमिका में खरा उतरने के लिए इस दौरान वह शाकाहारी रही जमीन पर सोई और मर्यादा का पूर्ण तौर पर पालन किया मुरार में पिछले 115 सालों से रामलीला का आयोजन किया जा रहा है, इस तरह ऐतिहासिक शहर ग्वालियर में आयोजित होने वाली रामलीलाएं है। हर साल भव्यता और आकर्षण के नए सोपान चढ़ रही हैं। नवदुर्गा सेवा समिति द्वारा दीनदयाल नगर के में भी इन दिनों राम लीला का मंचन किया जा रहा है इसके आयोजन में दीपक तोमर की अहम् भूमिका रही है।

हीरो की नगरी पन्ना में 5 रुपये में ई-रिक्शा और 50 में खरीदे चप्पलें!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

मध्यप्रदेश के पन्ना नगर की पहचान एक तरफ हीरो की खदानों से है ,वही दूसरी तरफ श्रीकृष्ण प्रणामी पंथ के श्री प्राणनाथ मंदिर और सनातन धर्म के जुगल किशोर मंदिर के कारण भी पन्ना का खास महत्व है।पन्ना यूं तो हवाई सेवाओं व रेल मार्ग तक से वंचित है और इसके लिए पन्ना को खजुराहो पर निर्भर रहना पड़ता है।साथ ही सड़क परिवहन के नाम पर सिर्फ प्राइवेट बसे ही आम लोगो की सवारी है।खजुराहो के विश्व धरोहर मंदिरो तक उनके प्रवेश द्वार से जाने के लिए मात्र 5 रुपये में ई-रिक्शा सहजता से उपलब्ध है तो श्री प्राणनाथ मंदिर में भारी भीड़ के चलते जूते चप्पल चोरी हो जाने पर भी श्रद्धालुओं को इस कारण दुःख नही होता क्योंकि यहां मंदिर के बाहर ही 50 -50 रुपये में महिला -पुरुषों की चप्पलें बिकती मिल जाएगी।पन्ना में ज्यादा संख्या गरीबो की है,लेकिन मोहन चौराहे से श्री प्राणनाथ मंदिर जाने वाली सड़क पर सांसद ,विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष से लेकर जिला जज,डीएम और एसपी तक के बंगले खास लोगो की बस्ती का एहसास कराती है।पिछले दिनों यहां एक मजदूर को खनन के दौरान एक हीरा मिला है, जिसकी कीमत 80 लाख से 1 करोड़ के बीच बताई जा रही है।यहां कोई भी आदमी आसानी से हीरे के खनन का काम शुरू कर सकता है।पन्ना में जहां हीरा मिला है, उस जगह खुदाई का पट्टा उसी मजदूर के पास था ,जिसे हीरा मिला।उसने दो महीने से खदान लगाई हुई थी।हीरों की नगरी पन्ना में हीरे की खदान लेने के लिए खदान का पट्टा सिर्फ 200 रुपये में मिल जाता है। मात्र 200 रुपये देकर कोई भी हीरो की खदान की खुदाई कर सकता है। यहां बेशकीमती हीरे निकलना आम बात है। हीरे मिलने पर लोग रातोंरात करोड़पति बन जाते हैं।

पन्ना में एक करोड़ का हीरा मिलने पर जिस मजदूर की किस्मत खुली है, उसका नाम राजू गोंड है। राज गोंड के पिता चुनवादा गोड ने हीरा कार्यालय से दो महीने पहले ही पट्टा लिया था।राजू ट्रैक्टर ड्राइवर हैं और साथ ही में खदान का काम भी करता है। राजू को खुदाई में चमचमाता हुआ जेम्स क्वालिटी का हीरा मिला है, जिसकी कीमत 80 लाख रुपये से एक करोड़ रुपये के बीच है और नीलामी में इससे भी ज्यादा दाम उसे मिल सकते हैं।उनका हीरे का पट्टा कृष्णा कल्याणपुर पट्टी क्षेत्र में है। उनको मिला हीरा 19 कैरेट 22 सेंट का है।हीरा ढूंढने के लिए 8 वर्ग मीटर की एक जगह अलॉट कर दी जाती है, जहां पर खुदाई की जा सकती है। यहां कई तरह की खदाने हैं,ये जमीन किसी व्यक्ति की भी हो सकती है और सरकार भी जमीन देती है।

पट्टे में खुदाई करने के बाद उस जगह की जमीन में मिट्टी वापस डालनी होती है ।किसी की खदान में हीरा निकल जाता है तो उस हीरे को पन्ना के संयुक्त कलेक्ट्रेट स्थित हीरा कार्यालय में जमा करवाना होता है। सरकार कुछ समय बाद उक्त जमा कराए गए हीरे की नीलामी करवाती है, जिसमें हीरे बेचे जाते हैं।नीलामी के लिए 5000 रुपये की फीस लगती है।इसके बाद हीरा बिकने के बाद नीलामी से जो राशि आती है, उसमें से करीब 12 प्रतिशत रॉयल्टी काट कर शेष 80 प्रतिशत राशि हीरा धारक पट्टेदार के खाते में हीरा अधिकारी हस्तांतरित कर देता है। पन्ना के 80 किलोमीटर के क्षेत्र में कई खदानें हैं, जहां व्हाइट, ऑफ कलर और कोकाकोला कलर के हीरे मिलते हैं। ऑफ कलर को मैला हीरा भी कहा जाता है और उनके आधार पर ही नीलामी की जाती है।यहां कई बार 2-3 करोड़ के भी हीरे मिल चुके हैं।जिन्हें पाकर लोग मालामाल हो रहे है।

मूंगफली को होने वाले रोग और उनसे बचाव के तरीके

रोमिल इल्ली एक ऐसा कीट है, जो पत्तियों को खाकर पौधों को अंगविहिन कर देता है. समय पर इससे बचने के लिए कोई उपयुक्त कदम नहीं उठाए गए तो यह पौधों को नुकसान पहुंचा सकते हैं. इसकी रोकथाम का एकमात्र उपाय यही है कि जैसे ही आपको इसे अंडे मूंगफलियों की पत्तियों में दिखे तो उसे काटकर जला देना चाहिए, अन्यथा यह धीरे–धीरे पूरे पत्तियों को अपनी चपेट में ले लेते हैं.

मूंगफली एक तिलहन फसल है. प्रायः इसका उत्पादन तेल उत्पादन करने के उद्देश्य से किया जाता है. इसकी खेती कई राज्यों में होती है, जिसमें गुजरात, राजस्थान, तमिलनाडु समेत कई अन्य राज्य शामिल है. किसान भाई मूंगफली की खेती कर अच्छा मुनाफा अर्जित कर रहे हैं.

जैसा कि हम सब जानते हैं कि हर फसल में विभिन्न प्रकार के रोग होते हैं. उसी प्रकार से मूंगफली को विभिन्न प्रकार के रोग होने की संभावना बनी रहती है, जिसका उपचार करने के लिए अलग-अलग तरह की तरीके अपनाएं जाते हैं. आइए, इस लेख में आगे जानते हैं कि आमतौर पर मूंगफली को किस तरह रोग होने की संभावना रहती है और इससे उपचार करने हेतु किस तरह की औषधियों का सहारा लिया जाता है.

रोग नियंत्रण

जब किसान भाई किसी फसल की खेती करते हैं, तो उस फसल को विभिन्न प्रकार के रोग होने की संभावना बनी रहती है. इन रोगों से बचाव हेतु विभिन्न प्रकार की विधियां निर्धारित की गई हैं. इस लेख में आगे हम मूंगफली को होने वाले रोग व उससे बचाव के तरीकों के बारे में जानेंगे.

रोजट रोग

यह मूंगफली में होने वाला विषाणु जनित रोग है. इसकी वजह से पौधे बौने हो जाते हैं और पत्तियों का रंग पीला हो जाता है. यह रोग मुख्यतः विषाणु फैलने वाले माहूं से फैलता है. इस रोग को फैलने से रोकने के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 3 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव कर देना चाहिए.

टिक्का रोग

मूंगफली में जब यह रोग होता है, तो उसके पत्तों पर छोटे-छोटे गोलाकार धब्बे दिखाई देने लगते हैं. ये धब्बे धीरे-धीरे पत्तियों व तनों में फैल जाते हैं. इसकी वजह से पत्तियां सूखकर झड़ जाती हैं और पौधों में सिर्फ तने ही रह जाते हैं.

यह बीमारी सर्कोस्पोरा परसोनेटा या सर्केास्पोरा अरैडिकोला नामक कवक द्वारा उत्पन्न होती है. फसलों को इस रोग से बचाने हेतु किसान भाई डाइथेन एम-45 को 2 किलोग्राम एक हजार लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से दस दिनों के अन्तर पर दो-तीन छिड़काव करने चाहिए.

कीट नियंत्रण

सामान्यतः मूंगफली को विभिन्न प्रकार के कीटों का भी सामना करना पड़ता है. आइए, इस लेख में हम आपको कुछ कीटों के बारे में बताए चलते हैं, जिसकी चपेट में आने की संभावना मूंगफली को रहती है.

रोमिल इल्ली

रोमिल इल्ली एक ऐसा कीट है, जो पत्तियों को खाकर पौधों को अंगविहिन कर देता है. समय पर इससे बचने के लिए कोई उपयुक्त कदम नहीं उठाए गए तो यह पौधों को नुकसान पहुंचा सकते हैं. इसकी रोकथाम का एकमात्र उपाय यही है कि जैसे ही आपको इसे अंडे मूंगफलियों की पत्तियों में दिखे तो उसे काटकर जला देना चाहिए, अन्यथा यह धीरे–धीरे पूरे पत्तियों को अपनी चपेट में ले लेते हैं.

मूंगफली की माहू

यह कीट छोटे व भूरे रंग के होते हैं. यह पत्तियों को चूसने का काम करते हैं, जिससे उनकी पूरी पत्तियों का रस यह चूस जाया करते हैं. इसके नियंत्रण के लिए इस रोग को फैलने से रोकने के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 1 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव कर देना चाहिए.

लीफ माइनर

इस कीट के चपेट में आने के बाद पत्तियों में पीले रंग के धब्बे दिखाई देने लगते हैं. यह पत्तियों को धीरे-धीरे अंदर से खा जाते हैं और पत्तियों पर हरी धारियां बना देते हैं.

केसर की खेती कब और कैसे करें

केसर एक फूल वाला पौधा है और दुनिया के सबसे महंगे मसालों में से एक है और सबसे महंगा मसाला होते हुए भी यह दुनिया में कहीं भी उग सकता है. भारत में केसर की खेती मुख्य रूप से हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में की जाती है, लेकिन अब किसान अपने प्रयोग से इसको यूपी और राजस्थान (राजस्थान) जैसे राज्यों में भी उगा रहें है. अब ऐसे में बहुत से किसानों का यह सवाल होता है कि इसकी खेती कैसे की जाती है, तो आइये जानते हैं.

केसर ईरान, भारत, अफगानिस्तान, इटली, फ्रांस, न्यूजीलैंड, पेंसिल्वेनिया, स्पेन, पुर्तगाल, ग्रीस और मोरक्को, तुर्की और चीन जैसे देशों के कुछ हिस्सों में उगाया जाता है. चूंकि यह पौधा दुनिया के विभिन्न हिस्सों में फैला हुआ है, केसर की खेती की रोपण तकनीक भी भिन्न हो सकती है, जो कि जलवायु, मिट्टी के प्रकार, रोपण की गहराई और कॉर्म की दूरी के आधार पर भिन्न हो सकती है.

- केसर के पौधे के बारे में कुछ जानकारी
- जंगली केसर का वैज्ञानिक नाम क्रोकस कार्टराइटियनस है.
- ऐसा कहा जाता है कि केसर की उत्पत्ति ग्रीस में हुई थी.
- केसर के पौधे 20 सेमी की ऊंचाई तक बढ़ सकते हैं.
- केसर के फूलों को तीन शाखाओं में बांटा गया है.
- फूल बैंगनी से बकाइन तक रंग में भिन्न होता है, और लाल रंग के कलंक को मसाले के रूप में इस्तेमाल किया जाता है.

केसर की खेती कैसे करें?

जलवायु : केसर को उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में उगाने के लिए सर्वोत्तम जलवायु चाहिए होती है. यह इसमें सबसे अच्छा बढ़ता है जहां इसे हर दिन कम से कम 12 घंटे सीधी धूप मिलती है.

मिट्टी

अन्य सभी फसलों और मसालों की तरह केसर की खेती अत्यधिक मिट्टी के प्रकार पर आधारित होती है. अम्लीय से तटस्थ, बजरी, दोमट और रेतीली मिट्टी इसके उचित वृद्धि के लिए सर्वोत्तम हैं. केसर की खेती के लिए मिट्टी का पीएच स्तर 6 से 8 होना चाहिए. बता दें कि केसर भारी, चिकनी मिट्टी में नहीं उग सकता है.

ऋतु

केसर की खेती के लिए जून, जुलाई, अगस्त और सितंबर महीने सबसे अच्छा माना जाता है. पौधा अक्टूबर में फूलना शुरू कर देता है और इसको गर्मियों में गर्मी के साथ सूखापन और सर्दियों के दौरान अत्यधिक ठंड की आवश्यकता होती है.

पानी

केसर के पौधे को ज्यादा गीली मिट्टी की जरूरत नहीं होती है इसलिए इसे कम पानी की आवश्यकता होती है. यदि हम संख्या के अनुसार देखें तो केसर की खेती के दौरान प्रति एकड़ लगभग 283 घन मीटर पानी उपलब्ध कराया जाना चाहिए.

केसर की कटाई

उच्च देखभाल के अलावा, केसर इतना महंगा होने का मुख्य कारण यह है कि यह केसर की कटाई के लिए श्रमसाध्य और समय लेने वाला होता है. फूलों की कटाई भोर में करनी चाहिए, क्योंकि फूल भोर में खिलते हैं और दिन बढ़ने पर मुरझा जाते हैं. केसर की कटाई के बारे में अधिक विशिष्ट होने के लिए, केसर के फूलों को सूर्योदय से सुबह 10 बजे के बीच तोड़ना चाहिए.

कितना होना चाहिए अंतर

कॉर्म के बीच की दूरी काफी हद तक उनके आकार पर निर्भर करती है. इटली में केसर की खेती में, किसान कृमि को 2-3 सेंटीमीटर और 10 से 15 सेंटीमीटर की गहराई तक रोपते हैं, एक ऐसी तकनीक जो उन्हें फूलों की अधिकतम फसल और प्रचुर मात्रा में कॉर्मलेट देती है. ग्रीक के किसान प्रत्येक पंक्ति के बीच 25-सेंटीमीटर की दूरी और कॉर्म के बीच 12-सेंटीमीटर की दूरी रखते हैं, जिनमें से प्रत्येक को 15 सेंटीमीटर की गहराई में दबाया जाता है. स्पेन में, पंक्तियों में 3 सेंटीमीटर और कॉर्म 6 सेंटीमीटर से दूर होते हैं. भारत में, प्रत्येक पंक्ति के बीच 15 से 20 सेंटीमीटर और प्रत्येक कॉर्म के बीच 7.5 से 10 सेंटीमीटर की दूरी होती है.

केसर के उपयोग

- भारत में, केसर का उपयोग मुख्य रूप से कई व्यंजनों में रंग भरने और स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है.
- भारतीय आयुर्वेद में इसका उपयोग गठिया, बांझपन, यकृत वृद्धि और बुखार को ठीक करने के लिए भी किया जाता है.
- केसर का उपयोग व्यावसायिक रूप से कॉस्मेटिक और परफ्यूम में भी किया जाता है.
- यह भी माना जाता है कि अगर गर्भवती महिला केसर में उबाला हुआ दूध अच्छी तरह से पीती है, तो इससे बच्चे का स्वास्थ्य और रंग अच्छा हो सकता है.

सेल्फी की आदत से बच्चों को दूर रखें

आजकल मोबाइल की पहुंच बच्चों ओर किशोरों तक भी है और वह भी सेल्फी लेने लगे हैं। वहीं इससे लगातार हादसे के मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे में बच्चों को इस आदत से दूर रखना अभिभावकों का काम है। वहीं विशेषज्ञों के अनुसार हम एक ऐसे युग में रहते हैं जहां मोबाइल फोन हमारे जीवन में प्रवेश कर चुका है और वास्तविक मानवीय संपर्क लगभग न के बराबर है हालांकि प्रौद्योगिकी ने सभी के लिए जीवन को आसान बना दिया है, लेकिन इसके साथ एक गंभीर समस्या भी है। पिछले दो वर्षों में दुनिया भर में सेल्फी का बुखार बढ़ा है। सेल्फी को दुनिया भर में बड़ी संख्या में मृत्यु दर और महत्वपूर्ण बीमारी से जोड़ा गया है।

इस डिजिटल युग में, अच्छे स्वास्थ्य के लिए तकनीक का इस्तेमाल जरुरत से ज्यादा न हो। हम में से बहुत से लोग ऐसे उपकरणों के गुलाम बन गए हैं जो वास्तव में हमें फ्री टाइम देने और जीवन को बेहतर तरीके से अनुभव करने तथा लोगों के साथ अधिक समय बिताने के लिए बनाये गये थे। जब तक जल्द से जल्द एहतियाती उपाय नहीं किए जाते, यह लत लंबी अवधि में किसी के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित हो सकती है। मोबाइल फोन के अधिक उपयोग के कारण होने वाली समस्याओं को अभिभावक इस प्रकार रोकें। बच्चों को सोने से 30 मिनट पहले किसी भी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट का उपयोग न करने दें हर तीन महीने में सात दिन के लिए फेसबुक से दूर रखें।सप्ताह में एक बार, पूरे दिन के लिए सोशल मीडिया का उपयोग न करने दे।अपने मोबाइल फोन का उपयोग केवल तभी करें जब घर से बाहर हों। अपने मोबाइल टॉक टाइम को दिन में दो घंटे तक सीमित करें। अपने मोबाइल की बैटरी को दिन में एक से अधिक बार रिचार्ज न करें। मोबाइल भी अस्पताल में संक्रमण का एक स्रोत हो सकता है, इसलिए, इसे हर दिन कीटाणुरहित किया जाना चाहिए।

बच्चों को जिम्मेदार भी बनाते हैं पेट्स

आजकल एकल परिवार हैं। ऐसे में बढ़ती महंगाई और खर्चों के कारण अब माता-पिता दोनों काम करते हैं और इस कारण उन्हें ज्यादातर समय घर से बाहर ही रहना पड़ता है। ऐसे में देखा गया है कि बच्चे, विशेषकर अकेला बच्चा, खुद को अकेला और उपेक्षित महसूस करता है। ज्यादातर मामलों में अभिभावक अपने बच्चों के साथी के तौर पर पालतू जानवरों पसंदीदा (पेट्स) को रखते हैं। एक पालतू जानवर बच्चे के भाई-दोस्त या परिवार के सदस्य की जगह नहीं ले सकता, पर यह बच्चे के खालीपन को जरूर भर सकता है। जब बच्चा किसी पेट के साथ बड़ा होता है, तो वह कई चीजें सीखता है। ज्यादातर अभिभावक अपने बच्चों को मजबूत बनना सिखाते हैं। लेकिन जब एक बच्चा घर में किसी पेट के साथ बड़ा होता है तो वह ज्यादा संवेदनशील होना सीखता है। वह इनके बीमार होने पर दर्द समझता है। पेट्स के साथ वक्त बिताने का एक अन्य फायदा यह होता है कि बच्चे ज्यादा सतर्क रहना सीख जाते हैं। वह जान जाते हैं कि कब उसे भूख लगी है। पालतू जानवरों की देखभाल करते वक्त केयरिंग, संवेदनशील और चौकन्ना रहने की जरूरत होती है और पेट्स के साथ वक्त बिताते हुए बच्चे कम उम्र में ही इन खूबियों को अपने अंदर ढाल लेते हैं। पेट्स के साथ बड़े होने का एक अन्य फायदा है कि इससे बच्चे जिम्मेदार बनना सीखते हैं। पेट्स का साथ बच्चों को जिम्मेदार बनना सिखाता है क्योंकि वह अपने प्यारे पेट की सभी जरूरतों का ख्याल रखते हैं। यदि बच्चे को उसके पेट्स के खाने, घुमाने और डॉक्टर का अपॉइंटमेंट लेने जैसी जिम्मेदारी दे दी जाएं, तो वह अपने काम को सही तरीके से अंजाम देते हैं। पेट्स के साथ रखकर उन्हें जिंदगी और मौत के चक्र के बारे में बताया जा सकता है। एक अभिभावक होने के नाते आप अपने पालतू जानवर के जीवन का हर पड़ाव देखते हैं। आप उसके बचपन से लेकर उसे बड़ा होते हुए और फिर वृद्धावस्था में जाने के बाद उसकी मृत्यु को भी देखते हैं। उनकी यह जिंदगी और मौत हमें इंसान के जीवन के पूरे चक्र के बारे में बताते हैं।

इजरायल पर होने वाले हमलों को रोकने में कामयाब हो रहा है एरो डिफेंस सिस्टम

तेल अवीव(ईएमएस)। इजरायल पर हमला करने वालों की कमी नहीं है। कभी लेबनान तो कभी ईरान की तरफ से बमबारी हो जाती है। इसके बाद भी इजरायल के अधिकांश इलाके सुरक्षित है। इसकी बजह है इजरायल का आयरन डोम और एरो मिसाइल डिफेंस सिस्टम। इसके बजह से आसमान में ही मिसाइल बेदम हो जाती हैं और कोई खास नुकसान नहीं हो पाता है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के निजी आवास को शनिवार को ड्रोन से निशाना बनाने की कोशिश की गई। इजरायली सेना ने बताया कि लेबनान से लॉन्च किया गए ड्रोन के इमारत से टकराने के बाद धमाके की आवाज सुनी गई। इजरायल पर हालिया समय में ईरान, लेबनान और गाजा से लगातार ड्रोन, मिसाइल और रॉकेट दागे गए हैं लेकिन उसका एयर डिफेंस इन हमलों को फेल करता रहा है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि हिजबुल्लाह के ड्रोन इजरायल के आयरन डोम और एरो मिसाइल डिफेंस सिस्टम को मात देकर नेतन्याहू के आवास जैसी अहम जगह तक पहुंचने में कैसे कामयाब हुए। रिपोर्ट के मुताबिक, हिजबुल्लाह ने हालिया वर्षों में अपनी हवाई क्षमताओं को विकसित करने पर ध्यान दिया है। खासतौर से मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) पर उसका ध्यान है। हिजबुल्लाह को इन ड्रोन से ब्लॉकिंग को मुश्किल बनाते हुए इजरायल में इमारतों पर सटीक हमले करने की क्षमता मिली है।

हिजबुल्लाह ने बीते कुछ महीनों में कई बार इजरायल को अपनी हवाई क्षमता दिखाई भी हैं। इसमें गोलानी ब्रिगेड ट्रेनिंग सेंटर पर हमला सबसे अहम है। अब नेतन्याहू के आवास की तरफ ड्रोन भेजकर भी उसने इजरायल को चेताया है। हिजबुल्लाह की ओर से इन यूएवी को यूनिट 127 ऑपरेट तकरती है, ये हिजबुल्लाह के हवाई डिवीजन के तहत संचालित होता है। इस यूनिट ने ड्रोन लॉन्च में काफी सफलता भी पाई है। इस यूनिट से जुड़े लड़ाकों ने ईरान के कुद्स फोर्स से ट्रेनिंग ली है। हाल के वर्षों में हिजबुल्लाह की इस यूनिट ने लेबनान की बेका घाटी से अतिरिक्त स्थानों तक बड़े ड्रोन के लिए अपने भंडारण स्थलों, लॉन्चरों और रनवे का विस्तार करने में कामयाबी हासिल की है।

रिपोर्ट के अनुसार, शहीद 107 यूएवी को ऑपरेट करना बहुत आसान है। इसकी डिजाइन इसको ट्रैक करना और रोकना मुश्किल बनाती है। इसकी अहम खासियत इसकी कम ऊंचाई पर उड़ान भरने की इसकी क्षमता है। हिजबुल्लाह के यूएवी या तो ऑप्टिकली या फिर जीपीएस से चलते हैं। इतना ही नहीं हिजबुल्लाह के पास कुछ मीटर की सटीकता से लक्ष्य को भेदने में सक्षम ड्रोन भी हैं। हिजबुल्लाह अक्सर बड़ी संख्या में ड्रोन एक साथ लॉन्च करके इनका पता लगाने वाली प्रणालियों को फेल करने की कोशिश करता है। इसमें कई दफा उसे कामयाबी भी मिल जाती है, जो कई मौकों पर इजरायल के डिफेंस पर भारी पड़ जाता है।

लेबनान में तबाही, हिजबुल्लाह-इजराइल एक दूसरे पर कर रहे हमले

पश्चिम एशिया में हालात दिन ब दिन बिगड़ते ही जा रहे हैं, अब इजराइल का टारगेट लेबनान स्थित हिजबुल्लाह है। इजराइली सेना ने लेबनान के दक्षिणी क्षेत्र में स्थित हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हवाई हमले किए, जिसमें हिजबुल्लाह के प्रमुख हसन नसरल्लाह के मारे जाने की खबर है। इसे इजराइल की बड़ी सफलता माना जा रहा है। इजराइली सेना ने हिजबुल्लाह के खिलाफ जमीनी और हवाई हमले जारी रखे हैं, जिसका खामियाजा लेबनान के आम नागरिकों को भुगतना पड़ रहा है। दक्षिणी लेबनान के अल-साकिया सहित कई क्षेत्रों में भारी तबाही हुई है। इन इलाकों की ज्यादातर इमारतें ढह चुकी हैं और हजारों लोग घर छोड़कर चले गए हैं। इजराइली वायु सेना ने हिजबुल्लाह के 65 सदस्यों पर लक्षित हमले किए, जिससे वहां धुएं और मलबे के ढेर नजर आ रहे हैं। इसके जवाब में, हिजबुल्लाह ने इजराइल के उत्तरी क्षेत्रों पर रॉकेटों से हमला किया, जिसमें अल-मनारा और अन्य सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। इस संघर्ष में हिजबुल्लाह और इजराइल दोनों ही ओर से भारी गोलीबारी और हवाई हमले हो रहे हैं। हिजबुल्लाह द्वारा इजराइल के उत्तरी इलाकों पर रॉकेट दागे जा रहे हैं, जबकि इजरायली सेना लेबनान के ठिकानों को नष्ट करने के लिए पूरी ताकत लगा रही है। साउथ लेबनान में स्थित यूनी ऑफिस ने भी सुरक्षा के लिहाज से अपने कर्मचारियों को सतर्क कर दिया है। इस संघर्ष के चलते सैकड़ों आम नागरिक मारे जा चुके हैं और लाखों लोग बेघर हो गए हैं। दक्षिण लेबनान के कई शहर पूरी तरह से तबाह हो चुके हैं। इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच जारी इस भीषण संघर्ष से पश्चिम एशिया की स्थिरता को गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है, और निकट भविष्य में इस तनाव के कम होने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं।

इजराइल के डर से ईरान की गोद में जा बैठा हिजबुल्लाह नेता जनरल नईम कासिम

इजरायल के हवाई हमलों में एक के बाद एक हिजबुल्लाह नेताओं के मारने के कारण, इस समूह के डिप्टी सेक्रेटरी जनरल नईम कासिम ने कथित तौर पर लेबनान छोड़ दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, नईम कासिम अब ईरान में छिपा हुआ है, जहां जहां कासिम इजरायली हमलों से बचने के लिए गया है। ईरानी नेताओं के आदेश पर यह फैसला किया है, खासकर पिछले महीने हिजबुल्लाह के शीर्ष नेता हसन नसरल्लाह और हाशेम साफीदीन की मौत के बाद।

रिपोर्ट में बताया कि कासिम ने 5 अक्टूबर को बेरूत छोड़ने का फैसला किया था और कासिम को ईरानी विदेश मंत्री के विमान से ले जाया गया था। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अरागची इस माह लेबनान की राजकीय यात्रा पर आए थे, जिसके दौरान कासिम को वहां से निकाला गया।

कौन है नईम कासिम?

कासिम हिजबुल्लाह के प्रमुख सदस्यों में से एक हैं और हसन नसरल्लाह की मौत के बाद समूह के सर्वोच्च जीवित नेता हैं। उन्होंने 1970 के दशक में लेबनान की यूनिवर्सिटी से रसायन विज्ञान में पढ़ाई की और इस्लामी विद्वान अयातुल्लाह मोहम्मद हुसैन इफदलल्लाह के अधीन धार्मिक अध्ययन किया। कासिम ने पिछले महीने इजरायली हवाई हमलों के बाद तीन भाषण दिए हैं, जिनमें से पहला बेरूत में और बाकी तेहरान में दिए गए। 15 अक्टूबर को, उन्होंने इजरायल को चेतावनी दी कि हिजबुल्लाह तब तक अपना अभियान बंद नहीं करेगा जब तक युद्ध विराम नहीं होता।

इजरायल ने फिर किया धाये और लेबनान में हमले

इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच चल रही जंग खतरनाक मोड़ पर पहुंच गई है। इजरायली सेना ने न केवल हवाई आक्रमण तेज किए हैं, बल्कि जमीनी स्तर पर भी हमले जारी हैं। हिज़बुल्लाह के प्रमुख हसन नसरल्लाह के खात्मे के बावजूद संगठन अभी तक इजरायल की उम्मीदों के अनुसार कमजोर नहीं हुआ है। यही कारण है कि इजरायल ने अब हिज़बुल्लाह की रीढ़ तोड़ने के लिए सभी महत्वपूर्ण ठिकानों पर हमले तेज कर दिए हैं। लेबनान के धाये इलाके में इजरायल की ओर से बार-बार हवाई हमले किए जा रहे हैं। धाये वही इलाका है, जहां हिज़बुल्लाह प्रमुख हसन नसरल्लाह मारे गए थे। इसके अलावा, इजरायली सेना उन सभी इमारतों और प्रतिष्ठानों को भी निशाना बना रही है, जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से हिज़बुल्लाह से जुड़े हुए हैं। चियाह और अन्य इलाकों में इजरायल की बमबारी ने वहां के निवासियों में डर पैदा कर दिया है, और लोग यह समझने में असमर्थ हैं कि अगला हमला कब और कहां हो सकता है।

क्या मौके का फायदा उठाकर ताइवान पर हमला करेगा चीन.....शी जिनपिंग के बयानों से कयास

बीजिंग (ईएमएस)। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अपने सैनिकों को जंग के लिए तैयार रहने को कहा है, इसके साथ ही उन्होंने सेना को और मजबूत बनाने की बात भी की है। चीन इनदिनों ताइवान के आसपास, उत्तरी इलाके में और मध्य चीन में तीन स्तर पर बड़े युद्धाभ्यास कर रहा है। इसमें सबसे बड़ी मिलिट्री ड्रिल ताइवान के चारों ओर की जा रही है। जिनपिंग के बयान से आशंका हैं कि चीन ताइवान पर हमले की तैयारी कर सकता है। उन्होंने ताइवान सहित अपने दुश्मन देशों को चेतावनी दी कि चीन की शक्ति को कमतर आंकने की कोशिश न की जाए। बीजिंग और ताइपे के बीच पिछले दो वर्षों से विवाद चल रहा है। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, जबकि ताइवान खुद को एक स्वतंत्र देश मानता है। ताइवान 1949 से स्वतंत्र देश के रूप में काम कर रहा है, लेकिन चीन ताइवान को अपना अलग प्रांत मानता है। अमेरिका ताइवान का समर्थन करता है, उस हथियार और प्रशिक्षण प्रदान करता है, इस बात से चीन हमेशा नाराज रहता है। इसी कारण से चीन ताइवान के आसपास लगातार युद्धाभ्यास कर रहा है। यह स्थिति न केवल क्षेत्रीय स्थिरता को चुनौती देती है, बल्कि वैश्विक स्तर पर तनाव को भी बढ़ा सकती है।

हरिकेन ऑस्कर ने बहामास और क्यूबा में मचाई तबाही, कई जगह बिजली गुल, बाढ़ की आशंका

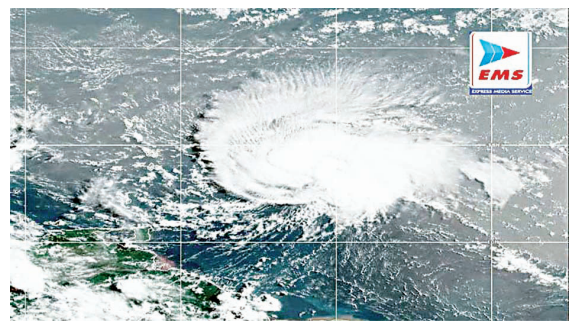

मियामी(ईएमएस)। दुनियाभर में आ रहे चक्रवाती तूफानों का असर बहामास और क्यूबा में भी दिखाई दे रहा है। हरिकेन ऑस्कर रविवार को बहामास के तट से टकरा गया, जिससे क्षेत्र में भारी तबाही की आशंका जताई जा रही है। इस तूफान की रफ्तार लगभग 130 किमी प्रति घंटे तक पहुँच चुकी है, और इसके साथ मूसलधार बारिश के कारण बाढ़ की स्थिति पैदा हो सकती है। हालांकि हरिकेन ऑस्कर के प्रभाव से बहामास और क्यूबा में स्थिति गंभीर है। इन क्षेत्रों में बाढ़, बिजली संकट और अन्य आपात स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। स्थानीय प्रशासन और आपातकालीन सेवाएं इन समस्याओं से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

हरिकेन ऑस्कर ने बहामास के दक्षिण-पूर्वी इलाकों में दस्तक दी, जिससे वहां की बिजली आपूर्ति पूरी तरह से ठप हो गई है। इस वजह से हजारों लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। तूफान के चलते ग्रेट इनागुआ आइलैंड और आसपास के इलाकों में भारी बारिश और तेज हवाओं के साथ बाढ़ की आशंका है। नेशनल हरिकेन सेंटर के अनुसार, इन क्षेत्रों में 2 से 6 इंच तक बारिश हो सकती है, जिससे बाढ़ और अन्य आपदाएं आ सकती हैं। इन आपात स्थितियों में स्थानीय प्रशासन ने राहत और बचाव कार्यों को तेज कर दिया है।

हरिकेन ऑस्कर अब क्यूबा की ओर बढ़ रहा है, जिससे वहां के लोगों में भी भय और चिंता बढ़ गई है। क्यूबा में 5 से 10 इंच तक बारिश हो सकती है, और कुछ जगहों पर 15 इंच तक बारिश का अनुमान है। पिछले कुछ दिनों में क्यूबा पहले ही बिजली संकट का सामना कर चुका है, जब लाखों लोग 48 घंटों तक बिना बिजली के रहे थे। अब इस तूफान के आने से वहां की स्थिति और बिगड़ सकती है। तूफान के चलते क्यूबा में बाढ़ और भूस्खलन जैसी समस्याओं का सामना हो सकता है। नेशनल हरिकेन सेंटर के अनुसार, हरिकेन ऑस्कर का उत्पन्न होना अप्रत्याशित था। इस क्षेत्र में पहले भी कई तूफान आ चुके हैं, जिससे भारी नुकसान हुआ है। अब ऑस्कर की रफ्तार और दिशा को देखते हुए, विशेषज्ञों ने इन क्षेत्रों में आने वाले दिनों में भारी नुकसान की चेतावनी दी है।

इजरायली सेना के ब्रिगेड कमांडर कर्नल दक्सा की मौत

यरुशलम (ईएमएस)। उत्तरी गाजा में हमास के खिलाफ चल रहे ऑपरेशन के दौरान, 20 अक्टूबर को इजरायली सेना के ब्रिगेड कमांडर कर्नल अहसान दक्सा की मौत हो गई। इजरायली सेना (आईडीएफ) के प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने इसकी पुष्टि कर बताया कि दक्सा जबालिया क्षेत्र में अपने टैंक से निकलते ही एक विस्फोटक की चपेट में आ गए। कर्नल दक्सा, जो इजरायल के ड्रूज समुदाय के सदस्य थे, उन्हें चार महीने पहले 401वीं ब्रिगेड का कमांडर नियुक्त किया गया था। यह घटना इजरायली सेना के लिए एक बड़ा झटका है, क्योंकि वह साल भर से चल रहे गाजा युद्ध में मारे गए सबसे वरिष्ठ कमांडरों में से एक थे। हगारी ने कहा कि घटना में एक अन्य बटालियन कमांडर और दो अधिकारी भी घायल हुए हैं। इजरायल के रक्षा मंत्री ने कहा कि दक्सा हमास आतंकवादियों से लड़ते हुए मारे गए। उन्होंने कहा, वे क्षेत्र का निरीक्षण करने बाहर निकले और विस्फोटक से घायल हो गए।

बांग्लादेश में हसीना की पार्टी अवामी लीग पर प्रतिबंध की तैयारी....मोहम्मद यूनुस लोकतंत्र बहाली का दावा

ढाका (ईएमएस)। बांग्लादेश में लोकतंत्र की बहाली का दावा करने वाली मोहम्मद यूनुस की नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार, सच्चाई में लोकतंत्र ही हत्या में जुटी है। देश की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी, अवामी लीग, पर प्रतिबंध लगाने की योजना है। मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के कार्यालय ने बताया कि सरकार अवामी लीग और समान विचारधारा वाली पार्टियों को राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने से रोकने का इरादा रखती है। यूनुस, जिन्होंने बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनकी पार्टी अवामी लीग पर लोकतंत्र को कुचलने का आरोप लगाया है, उनके इस कदम को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, यूनुस के मुख्य सलाहकार महफूज आलम ने कहा है कि पिछले तीन चुनावों में भाग लेकर अवैध तरीके से संसद में आए लोगों ने जनता को धोखा दिया है। उन्होंने कहा, अंतरिम सरकार निश्चित रूप से उनकी राजनीतिक भागीदारी पर रोक लगाएगी। आलम ने कहा कि इस प्रक्रिया में कानूनी और प्रशासनिक दोनों पहलू होंगे, और इन उपायों को चुनाव प्रक्रिया शुरू होने पर स्पष्ट रूप से देखा जा सकेगा। उन्होंने बताया कि कुछ राजनीतिक दलों ने अवामी लीग और उसके सहयोगियों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है, जिसके बाद इस पर चर्चा की जा रही है। मुख्य सलाहकार यूनुस के साथ राजनीतिक दलों की बातचीत में अवामी लीग के सहयोगियों को आमंत्रित नहीं किया गया था। आलम ने बताया कि यह निर्णय इसलिए लिया गया क्योंकि इन दलों ने अवैध चुनावों में मौन समर्थन दिया था। अंतरिम सरकार ने इन्हें फासीवाद के सहयोगी करार दिया है।

संदिग्ध आतंकियों ने की पुलिस अधिकारी की हत्या

करांची,(ईएमएस)। पाकिस्तान के अशांत क्षेत्र समझे जा रहे उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में मोटरसाइकिल सवार अज्ञात बंदूकधारियों ने आतंकवाद निरोधक विभाग के एक पुलिस अधिकारी की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने इस घटना की जानकारी देते हुए बताया है कि रविवार को आतंकियों ने पुलिस अधिकारी को गोलीमार कर शहीद कर दिया, दोषियों की तलाश की जा रही है।

उत्तरी इजरायल के रोश पिना में आग बुझाता एक इजरायली हवाई जहाज ।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में विवादों से घिरा ऐलन मस्क का दांव

वाशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिका में हो रहे राष्ट्रपति चुनाव में मुख्य मुकाबला डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस के बीच है। इसमें अरबपति एलन मस्क की इंट्री ने एक नया विवाद छेड़ दिया है। मस्क ने घोषणा की है कि वह नवंबर के चुनाव तक हर दिन 1 मिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 80 मिलियन रुपये) देंगे, जो उनकी ऑनलाइन याचिका पर हस्ताक्षर करेगा। पहला पुरस्कार ट्रंप समर्थक एक पीएसी (पॉलिटिकल एक्शन कमिटी) कार्यक्रम में दिया जाएगा। हालांकि, इस भुगतान की वैधता को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

गवर्नर ने चिंता जाहिर की

इस बीच, पेनसिल्वेनिया के गवर्नर जोश शापिरो ने रविवार को एनबीसी के मीट द प्रेस पर मस्क की इस योजना को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा, पेन्सिलवेनिया में मतदाताओं को पैसा देने की मस्क की योजना बेहद चिंताजनक है और इसे कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा जांचा जाना चाहिए। इसके अलावा, चुनाव कानून विशेषज्ञों ने भी इस योजना पर सवाल उठाए हैं, क्योंकि संघीय कानून के प्रावधान मतदाताओं को नकद भुगतान करने पर रोक लगाते हैं। मस्क के इस विवादित कदम से राष्ट्रपति चुनाव में नया मोड़ आ गया है, और अब देखना होगा कि यह कदम चुनावी प्रक्रिया पर किस तरह का प्रभाव डालता है।

1 मिलियन डॉलर का चेक सौंपा

मस्क ने पेनसिल्वेनिया के हैरिसबर्ग में अपने अमेरिका पीएसी कार्यक्रम में 1 मिलियन डॉलर का चेक जॉन ड्रेहर नामक एक व्यक्ति को सौंपा, जो ट्रंप के समर्थकों को एकजुट करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। मस्क ने ड्रेहर को चेक देते हुए मजाकिया अंदाज में कहा, वैसे, जॉन को इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी। तो खैर, आपका स्वागत है। मस्क के इस कदम को ट्रंप और उनकी डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी कमला हैरिस के बीच कड़े मुकाबले में अपनी संपत्ति का इस्तेमाल कर चुनावी परिणामों को प्रभावित करने का एक और प्रयास माना जा रहा है। मस्क के अमेरिका पीएसी संगठन का उद्देश्य युद्ध के मैदान वाले राज्यों में ट्रंप समर्थकों को जुटाना और मतदाताओं को पंजीकृत करना है। हालांकि, कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह संगठन अपने निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने में संघर्ष कर रहा है।

तनातनी के बीच कनाडा में 93 में से 13 विधानसभा सीटें पंजाबियों ने जीतीं

टोरंटो(ईएमएस)। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में हाल ही में हुए चुनावों में भारतीय, खासकर पंजाबी समुदाय का उल्लेखनीय प्रदर्शन देखने को मिला है। 93 सीटों वाली विधानसभा में 13 सीटें भारतीय मूल के लोगों, विशेषकर पंजाबियों, ने जीती हैं। यह संख्या अब तक का सबसे बड़ा प्रतिनिधित्व है, जो कनाडा में भारतीय समुदाय की बढ़ती राजनीतिक ताकत को दर्शाता है। पिछले चुनाव में यह संख्या 9 थी, जो इस बार और बढ़ गई है। अपंजाबी मूल के कुछ प्रमुख विजेताओं में एनडीपी के पूर्व आवास मंत्री रवि कहलोन और पूर्व अटॉर्नी-जनरल निकी शर्मा शामिल हैं। रवि कहलोन, जो पहले एक फील्ड हॉकी खिलाड़ी रह चुके हैं और 2000 व 2008 के ओलंपिक में कनाडा का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं, ने राजनीति में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज की है। कनाडा की 2021 की जनगणना के अनुसार, पंजाब से आए लोग कनाडा की कुल जनसंख्या का करीब 2 प्रतिशत हिस्सा हैं, जो उन्हें देश की राजनीति में एक महत्वपूर्ण समूह बनाता है। ब्रिटिश कोलंबिया चुनाव में न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) ने 46 सीटों पर जीत हासिल की, जबकि कंजरवेटिव पार्टी ने 45 सीटें जीतीं और ग्रीन पार्टी ने दो सीटें अपने नाम कीं। ग्रीन पार्टी की यह दो सीटें अब इस बात का निर्धारण करेंगी कि अगली सरकार किसकी होगी।

जगरूप बरार ने सरे-फ्लीटवुड सीट से रिकॉर्ड 7वीं बार जीत दर्ज की। बरार, जो पंजाब के बठिंडा में जन्मे हैं, भारत की राष्ट्रीय बास्केटबॉल टीम का हिस्सा भी रह चुके हैं। इसके अलावा, राज चौहान ने लगातार छठी बार बर्नबी-वेस्टमिंस्टर सीट जीती, जबकि 30 वर्षीय रवि परमार ने लैंगफोर्ड-हाइलैंड्स की नई सीट से जीत हासिल की। सबसे कम उम्र के विजेता परमार का यह चुनावी जीत कनाडा में नई पीढ़ी के भारतीय नेताओं की ओर इशारा करता है। हालांकि, चुनाव में एक बड़ा उलटफेर शिक्षा मंत्री रचना सिंह की हार के रूप में सामने आया। उन्हें सरे-नॉर्थ सीट से कंजरवेटिव पार्टी के नेता मंदीप धालीवाल से हार का सामना करना पड़ा। इसके अलावा, हरविंदर कौर संधू ने लगातार दूसरी बार वर्नोन-मोनाशी सीट पर जीत दर्ज की। यह चुनावी नतीजे कनाडा की राजनीति में भारतीय मूल के लोगों की बढ़ती भागीदारी और प्रभाव को दर्शाते हैं, जो भविष्य में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

अब सिनवार के शव के बदले बंधकों को रिहा कराएगा इजरायल

गाजा(ईएमएस)। युद्ध में सब कुछ जायज है। शायद यही फार्मूला इजरायल ने अपना रखा। इजरायल लंबे समय से अपने बंधकों को रिहा कराने के प्रयास कर रहा है। कई बार की कोशिशों के बाद भी रिहाई संभव नहीं हुई है। हमास ने जिन्हे बंधक बनाया है उनमें इजरायल के अलावा 23 देशों के नागरिक शामिल हैं। अब इजरायल के हाथ हमास प्रमुख याह्या सिनवार का शव लगा है। माना जा रहा है कि इस शव को लौटाने के बदले बंधकों की रिहाई हो सकती है। इजरायल को यकीन है कि हमास के पास अब भी 101 बंधक मौजूद हैं, जिन्हें किसी अज्ञात स्थान पर रखा गया है। ऐसे में इजरायली अधिकारी इस पर विचार कर रहे हैं कि किस प्रकार सिनवार के शव को सौदेबाजी के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इजरायली राजनयिक सूत्रों के अनुसार, अगर हमास सिनवार के शव के बदले बंधकों को मुक्त करने की पेशकश करता है, तो यह एक समझौते का हिस्सा हो सकता है। एक सूत्र ने बताया कि यदि हमास सौदे की शर्तों पर सहमत होता है, तो सिनवार का शव गाजा वापस भेजा जा सकता है। नेतन्याहू ने हाल ही में अपने बयान में यह भी कहा कि अगर हमास बंधकों को वापस करता है, तो उन्हें गाजा छोड़ने और बाहर जाने की अनुमति दी जाएगी। इस तरह की पेशकश से इजरायल उम्मीद करता है कि वह अपने नागरिकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित कर सकेगा, हालांकि यह प्रक्रिया अभी भी जटिल बनी हुई है। इजरायल ने हमास के प्रमुख याह्या सिनवार को मार गिराने के बाद गाजा में अपनी सैन्य कार्रवाई को और तेज कर दिया है। सिनवार की मौत के बाद इजरायल का मुख्य फोकस हमास के कब्जे में मौजूद बंधकों की रिहाई पर है, जिनमें इजरायल के अलावा 23 देशों के नागरिक शामिल हैं। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के लिए इन बंधकों की वापसी अब सबसे बड़ी चुनौती बन चुकी है।

कैनबरा, ऑस्ट्रेलिया की यात्रा के दौरान संसद भवन में एक स्वागत समारोह में ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बल के सदस्यों का निरीक्षण करते ब्रिटेन के राजा चार्ल्स।

जॉर्जिया के त्बिलिसी में संसदीय चुनाव में पश्चिमी और यूरोपीय संघ समर्थक विपक्षी समूहों के कार्यकर्ताओं ने आगामी चुनाव से पहले एक संयुक्त अंतिम अभियान रैली आयोजित की।

जब डोनाल्ड ट्रंप मैकॉडॉनल्ड्स स्टोर के बन गए कर्मचारी, फ्राइज भी बनाया

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप बदले अंदाज में नजर आ रहे हैं। चुनावी सरगर्मी के बीच ट्रंप ने राजनीति से ब्रेक लेकर पेंसिल्वेनिया में मैकॉडॉनल्ड्स स्टोर पर पहुंच गए। दिलचस्प बात ये है कि ट्रंप यहां खाने नहीं फ्राइज बनाने और इसे सर्व करने के लिए गए थे। इस दौरान ट्रंप ने काउंटर पर खड़े होकर एक भारतीय को ऑर्डर सर्व किया तो वह उन्हें देखकर हैरान रह गया। इंटरनेट पर ट्रंप और ग्राहक के बीच हुई भावुक बातचीत को खूब देखा जा रहा है।

टेकआउट विंडो पर ट्रंप को देखकर भारतीय शख्स उनकी तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पाए और एक बार फिर से उन्हें अमेरिका के राष्ट्रपति बनने की इच्छा व्यक्त कर दी। वायरल वीडियो में अपने सिग्नेचर सूट के ऊपर एप्रन पहने हुए देखा जा सकता है। उन्होंने मशहूर फ्राइज को बनाने का तरीका सीखा। इसके बाद वह पैकेट लेकर टेककाउट विंडो पर गए और कस्टमर को दिया।

कार के अंदर एक भारतीय मौजूद था, जो ट्रंप को देख हैरान रह गया। उसके साथ कार में एक महिला भी बैठी थी। उसने भारतीय परंपरागत तरीके से हाथ जोड़कर ट्रंप को नमस्ते किया। जैसे ही ट्रंप ने हाथ मिलाते हुए ऑर्डर दिया, भारतीय ग्राहक ने कहा कि थैंक्स, मिस्टर प्रेसिडेंट! आपने हमारे जैसे आम लोगों के लिए यहां आना संभव बनाया। इस पर ट्रंप ने कहा- आप साधारण नहीं हैं। इसके बाद भारतीय शख्स ने आभार प्रकट किया। उसने जोर देकर कहा कि वह एक बार ट्रंप को अमेरिकी चुनावों में जीतते हुए देखना चाहता है। इस दौरान कार में बैठी महिला ने ट्रंप से मजाकिया अंदाज में कहा, हमारे लिए गोली खाने के लिए धन्यवाद।

ये वीडियो अब इंटरनेट खूब छाया हुआ है। होजट्विन्स नाम के यूजर ने वीडियो को एक्स पर शेयर करते हुए लिखा- इस भारतीय को सुनिए जो कह रहा है सभी अमेरिकी ट्रंप से प्यार करते हैं। इस पोस्ट पर यूजर ने मजेदार कमेंट किए हैं। एक ने लिखा- यह सबसे अच्छी चीज है जो एक भारतीय कर सकता है। एक यूजर ने लिखा, क्या उसे समझ भी आया कि उसने क्या कहा? एक यूजर ने लिखा, वाह, उसका उत्साह तो देखिए। लेकिन रुकिए, एक साधारण व्यक्ति? हां, जाहिर है ट्रंप सभी प्रवासियों को वापस भेज देंगे। हाल ही में कमला हैरिस ने ट्रंप की उम्र को लेकर निशाना साधा था। ट्रंप के बयान को उसी का पलटवार माना जा रहा है। जब रिपोर्टर ने ट्रंप से पूछा कि हैरिस ट्रंप के बारे में झूठ क्यों बोलती हैं, तो उन्होंने जवाब में कहा कि क्योंकि वह झूठी कमला हैं।

शेयर बाजार में निवेश के लिए शुरुआती गाइड

शेयर बाजार में निवेश एक लंबी अवधि की प्रक्रिया है जो आपको अपने वित्त का प्रबंधन करने में मदद कर सकती है। शेयर बाजार में निवेश करना कठिन लग सकता है, खासकर जब आप अभी शुरुआत कर रहे हों, क्योंकि यह बहुत जटिल या जोखिम भरा लग सकता है। एक सावधानीपूर्वक समझ आपको आरंभ करने में मदद कर सकती है। शेयर बाजार में निवेश करने के दो प्रमुख कारणों में आपके निवेश पर अधिक रिटर्न मिलने और वित्तीय अनुशासन विकसित करने की संभावना है।

उदाहरण के लिए, जब सावधि जमा जैसे बुनियादी बचत साधनों के साथ तुलना की जाती है, तो शेयरों में निवेश करने से पिछले दशक में उच्च दर की वापसी हुई है। समय-समय पर निवेश करने से वित्तीय अनुशासन की आदत पैदा होती है, जो आपको पैसे बचाने और सावधानी से निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करती है। शेयर बाजार में निवेश की प्रक्रिया में आपकी मदद करने के लिए यहां एक संक्षिप्त मार्गदर्शिका दी गई है।

शेयर बाजार क्या है?

सरल शब्दों में, एक शेयर मार्किट एक बाजार है जहाँ वित्तीय साधनों का कारोबार होता हैः ये स्टॉक, बॉन्ड, कमोडिटीज, अन्य हो सकते हैं। भारत में दो प्राथमिक शेयर बाजार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज हैं। 90% से अधिक नकद व्यापार के साथ एनएसई अब तक का सबसे बड़ा है। पावर ट्रेडिंग के लिए मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज और इंडियन एनर्जी एक्सचेंज जैसी वस्तुओं के लिए अन्य एक्सचेंज भी हैं। सभी गतिविधियों के साथ-साथ शेयर बाजारों के प्रतिभागियों में दिन-प्रतिदिन के व्यापार, व्यापार किए जा रहे उपकरण, एक्सचेंज जो वित्तीय साधनों को व्यापार करने में सक्षम बनाते हैं, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा विनियमित होते हैं। सूचीबद्ध कंपनियों के अलावा, ये एक्सचेंज सूचकांकों का प्रबंधन भी करते हैं। एक इंडेक्स स्टॉक की एक टोकरी है जो किसी विषय का प्रतिनिधित्व करता है, चाहे वह आकार या उद्योग हो। यह निवेशकों को शेयर बाजार में प्रवृत्ति पर एक सामान्य गेज की अनुमति देता है। भारत में सबसे आम सूचकांक निफ्टी और सेंसेक्स हैं। निफ्टी एनएसई पर सूचीबद्ध बाजार पूंजीकरण द्वारा शीर्ष 50 शेयरों की एक टोकरी है। सेंसेक्स बीएसई में सूचीबद्ध 30 कंपनियों का एक समान सूचकांक है। शेयर बाजार इंडेक्स आमतौर पर फंड मैनेजरों और अन्य शेयरों के प्रदर्शन को बेंचमार्क करने के लिए उपयोग किया जाता है।

उदाहरण के लिए यदि एक म्यूचुअल फंड जो निफ्टी के लिए अपने प्रदर्शन को बेंचमार्क करता है, ने इस साल 15% रिटर्न दिया और निफ्टी ने 20% किया, तो म्यूचुअल फंड ने वास्तव में अपने बेंचमार्क को "कम प्रदर्शन" किया। इसका मतलब है कि आप फंड मैनेजरों की विशेषज्ञता पर निर्भर रहने के बजाय केवल उन 50 निफ्टी शेयरों को खरीद लेते।

शेयर बाजार में निवेश कैसे करें?

आप सीधे शेयर बाजार में खरीद या बेच नहीं सकते हैं। इसके लिए आपको उन दलालों से गुजरना होगा जो बाजार में व्यापार करने के लिए अधिकृत हैं या स्टॉक ब्रोकरेज कंपनियां जो आपको उनके प्लेटफॉर्म का उपयोग करके व्यापार करने की अनुमति देती हैं। प्रक्रिया सरल है, जैसे-

1. निवेश शुरू करने के लिए, आपको ब्रोकर या स्टॉक ब्रोकरेज प्लेटफॉर्म के साथ ट्रेडिंग अकाउंट खोलना होगा। एक ट्रेडिंग खाता वह जगह है जहां आप वास्तव में "व्यापार" करते हैं या ऑर्डर खरीदते या बेचते हैं।
2. ब्रोकर या स्टॉक ब्रोकरेज प्लेटफॉर्म आपके लिए एक डीमैट खाता खोलता है। एक डीमैट खाता आपके नाम पर वित्तीय प्रतिभूतियों को रखता है।
3. फिर ये दोनों खाते आपके बैंक खाते से जुड़ जाते हैं।
4. एक ट्रेडिंग और डीमैट खाता खोलने के लिए, आपको अपने ग्राहक को जानिए (KYC) दस्तावेज प्रदान करने की आवश्यकता है जिसमें सरकार द्वारा अधिकृत पहचान पत्र जैसे पैन कार्ड या आपके आधार के माध्यम से सत्यापन शामिल है।
5. अधिकांश दलालों और ब्रोकरेज प्लेटफार्मों में अब एक ऑनलाइन केवाईसी प्रक्रिया है जो आपको डिजिटल रूप से अपना सत्यापन विवरण जमा करके कुछ दिनों में खाता खोलने की अनुमति देती है।
6. एक बार खुलने के बाद, आप अपने ब्रोकर या ब्रोकरेज कंपनी के साथ पोर्टल के माध्यम से या फोन कॉल के माध्यम से ऑफलाइन व्यापार कर सकते हैं।

निवेश करने में क्या खर्च होता है?

कुछ प्रकार के शुल्क हैं जिनका भुगतान आप आमतौर पर करेंगे, जैसे-

लेन-देन की लागतः सभी दलालों को ब्रोकरेज का भुगतान किया जाता है, जो एक शुल्क है जो वे आपके लिए एक व्यापार की सुविधा के लिए लेते हैं। डिस्काउंट ब्रोकरों के आगमन के साथ, ये लागतें तेजी से घट रही हैं। ब्रोकरेज के अलावा, वे प्रत्येक लेनदेन पर सरकार को भुगतान किए गए कर और बकाया राशि भी जमा करते हैं, जैसे कि प्रतिभूति लेनदेन कर, एसईबीआई शुल्क, माल और सेवा कर व अन्य।

डीमैट शुल्कः जबकि आपका ब्रोकर या ब्रोकरेज प्लेटफॉर्म आपके लिए आपका डीमैट खाता खोलता है, वे इसे संचालित नहीं करते हैं। डीमैट खाते आपके हितों की रक्षा के लिए सरकार के अधिकार क्षेत्र में एनएसडीएल या सीडीएसएल जैसे केंद्रीय प्रतिभूति डिपॉजिटरी द्वारा संचालित किए जाते हैं। आपसे अपने खाते को बनाए रखने के लिए मामूली वार्षिक शुल्क (आमतौर पर आपके ब्रोकर या ब्रोकरेज प्लेटफॉर्म द्वारा एकत्र) का भुगतान करने की अपेक्षा की जाती है। ये शुल्क रूपये 100 से 750 के बीच कहीं भी होते हैं।

करः आप अपने निवेश से होने वाले लाभ का एक प्रतिशत सरकार को कर के रूप में देते हैं। शेयरों के लिए, यदि आप उन्हें एक वर्ष से अधिक समय तक रखते हैं, तो आप दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर का भुगतान करते हैं, जो कि 10% है, और यदि आप एक वर्ष से कम समय के लिए रखते हैं, तो आप अल्पकालिक पूंजीगत लाभ कर का भुगतान करते हैं, जो कि 15% है। ये दोनों कर दरें सरकार द्वारा लगाए गए उपकर या अधिभार के आधार पर बदलती हैं।

आप शेयर बाजार में क्या निवेश कर सकते हैं?

शेयर बाजार में कारोबार करने वाले प्रमुख वित्तीय साधन हैं, जैसे-

इक्विटी शेयरः कंपनियों द्वारा जारी किए गए, इक्विटी शेयर आपको लाभांश के रूप में कंपनी द्वारा भुगतान किए गए किसी भी लाभ का दावा प्राप्त करने का अधिकार देते हैं।

बांडः कंपनियों और सरकारों द्वारा जारी किए गए, बांड निवेशक द्वारा जारीकर्ता को दिए गए ऋण का प्रतिनिधित्व करते हैं। ये एक निश्चित अवधि के लिए एक निश्चित ब्याज दर पर जारी किए जाते हैं। इसलिए, उन्हें ऋण साधन या निश्चित आय साधन के रूप में भी जाना जाता है।

म्यूचुअल फंडः वित्तीय संस्थानों द्वारा जारी और संचालित, एमएफ धन को पूल करने के लिए वाहन हैं जिसे बाद में विभिन्न वित्तीय साधनों में निवेश किया जाता है। निवेश से लाभ निवेशकों के बीच उनके द्वारा धारित इकाइयों या निवेशों की संख्या के अनुपात में वितरित किया जाता है। इन्हें "सक्रिय रूप से" प्रबंधित उत्पाद कहा जाता है, जहां एक फंड मैनेजर बेंचमार्क (जैसे निफ्टी) से बेहतर रिटर्न उत्पन्न करने के लिए आपकी ओर से क्या खरीदना और बेचना है, इस पर कॉल करता है।

एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्सः तेजी से लोकप्रियता हासिल करते हुए, ईटीएफ अनिवार्य रूप से निफ्टी या सेंसेक्स जैसे इंडेक्स को ट्रैक करते हैं। एक बार जब आप ईटीएफ की एक यूनिट खरीद लेते हैं, तो आप निफ्टी में 50 शेयरों का एक हिस्सा उसी वेटेज में रखते हैं, जो निफ्टी उन्हें रखता है। इन्हें "निष्क्रिय" उत्पाद कहा जाता है, जो आम तौर पर एमएफ की तुलना में लागत में बहुत कम होते हैं और आपको इंडेक्स के समान जोखिम या रिटर्न प्रोफाइल देते हैं।

डेरिवेटिव्सः एक डेरिवेटिव एक अंतर्निहित परिसंपत्ति या परिसंपत्ति वर्ग के प्रदर्शन से अपना मूल्य प्राप्त करता है। ये व्युत्पन्न वस्तुएं, मुद्राएं, स्टॉक, बांड, बाजार सूचकांक और ब्याज दरें हो सकती हैं।

स्टॉक को कैसे वर्गीकृत किया जाता है?

शेयर या एमएफ पर शोध करते समय, आप "मार्केट कैप" शब्द से परिचित होंगे। मार्केट कैप या मार्केट कैपिटलाइजेशन कंपनी के 100% का मूल्य है। सीधे शब्दों में कहें, अगर किसी कंपनी का बाजार कैप 10,000 करोड़ रुपये है, तो इसका मतलब है कि कंपनी के सभी शेयरों को खरीदने में आपको कितना पैसा खर्च करना पड़ेगा।

बाजार पूंजीकरण के आधार पर, तीन प्रकार के स्टॉक वर्गीकरण मौजूद हैं। यह जानना महत्वपूर्ण है क्योंकि कई म्यूचुअल फंड और ईटीएफ को उन मार्केट कैप के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है, जिन पर वे ध्यान केंद्रित करते हैं, जैसे-

लार्ज कैप स्टॉकः एसईबीआई लार्ज कैप को मार्केट कैप द्वारा शीर्ष 100 शेयरों के रूप में परिभाषित करता है। ये कंपनियां राजस्व के हिसाब से देश में सबसे बड़ी हैं, अच्छी तरह से स्थापित हैं और आमतौर पर अपने संबंधित उद्योगों में बाजार की अग्रणी हैं। इन्हें कम से कम जोखिम भरा माना जाता है लेकिन हो सकता है कि ये मिड या स्मॉल कैप शेयरों की तरह तेजी से न बढ़ें। लेकिन वे लंबी अवधि में उच्च लाभांश और एक सुरक्षित पूंजी आरक्षित की पेशकश कर सकते हैं।

मिड कैप स्टॉकः एसईबीआई मिड कैप को परिभाषित करता है क्योंकि शेयर बाजार कैप द्वारा शीर्ष 101-250 स्थान पर हैं। इसका मतलब आमतौर पर 8,000 से 25,000 करोड़ रूपये के बीच मार्केट कैप वाली कंपनियां हैं। ये कंपनियां लार्ज कैप की तुलना में छोटी हैं, उच्च विकास और बड़ी कंपनी को बाधित करने या लार्ज कैप कंपनी में विकसित होने की क्षमता रखने में सक्षम हैं। उन्हें लार्ज कैप की तुलना में जोखिम भरा माना जाता है लेकिन स्मॉल कैप की तुलना में कम जोखिम भरा माना जाता है।

स्मॉल कैप स्टॉकः मार्केट कैप के हिसाब से शीर्ष 251 और नीचे के सभी शेयरों को एसईबीआई द्वारा स्मॉल कैप माना जाता है। ये छोटी कंपनियों के स्टॉक हैं और अक्सर अत्यधिक अस्थिर होते हैं। अन्य दो की तुलना में, इन्हें काफी जोखिम भरा माना जाता है लेकिन इनमें उच्च रिटर्न की संभावना होती है। स्मॉल कैप भी कम "लिक्विड" होते हैं, जिसका अर्थ है कि इन शेयरों के लिए उतने खरीदार और विक्रेता नहीं हैं जितने लार्ज कैप के लिए हैं।

मार्केट कैप के अलावा, शेयरों को उद्योग द्वारा वर्गीकृत किया जाता है, वे कितना लाभांश देते हैं, वे कितनी तेजी से बढ़ रहे हैं, आदि।

आपको कैसे तय करना चाहिए कि क्या खरीदना है?

अपनी जोखिम लेने की क्षमता तय करें जोखिम की भूख जोखिम की वह मात्रा है जिसका आप सामना कर सकते हैं। जोखिम लेने की क्षमता को प्रभावित करने वाले कई कारकों में निवेश की समय-सीमा, आयु, लक्ष्य और पूंजी शामिल हैं। ध्यान में रखने के लिए एक अन्य महत्वपूर्ण चर आपकी वर्तमान देनदारियां हैं। उदाहरण के लिए, यदि आप अपने परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य हैं तो आप जोखिम लेने के लिए कम इच्छुक होंगे। यहां, हो सकता है कि आपके पोर्टफोलियो में अधिक ऋण, लार्ज कैप स्टॉक हों।

दूसरी ओर, यदि आप छोटे हैं, और कोई आश्रित नहीं है, तो आपको उच्च जोखिम लेने की भूख हो सकती है। यह आपको इक्विटी बनाम ऋण के लिए उच्च जोखिम की अनुमति दे सकता है। यहां तक कि इक्विटी में भी, आप अधिक स्मॉल कैप में निवेश करने में सक्षम हो सकते हैं, जो उच्च जोखिम वाले स्टॉक हैं। शुरुआती बिंदु यह ध्यान में रखते हुए चुनाव करना है कि जोखिम और इनाम साथ-साथ चलते हैं।

नियमित रूप से निवेश करें

अब जब आपके पास एक डीमैट खाता है, तो आपको नियमित निवेश के लिए धन आवंटित करने की आवश्यकता है। एक व्यक्तिगत बजट निर्धारित करें, अपने खर्चों को ट्रैक करें और देखें कि आप कितना अलग रख सकते हैं। शेयर बाजार में निवेश करने का सबसे अच्छा तरीका एक व्यवस्थित निवेश योजना का उपयोग करना है।

वजन कम करती है हल्दी है

हल्दी स्वाद बढ़ाने के साथ ही सेहत के लिए लाभदायक होती है। कई अध्ययनों में इस बात की पुष्टि की गई है कि हल्दी के सेवन से शरीर और दिमाग दोनों को फायदा पहुंचता है। हल्दी जोड़ों और गठिया के दर्द में भी बहुत फायदेमंद होती है।

डाइजेस्टिव सिस्टम बेहतर करे

आप अगर पेट की परेशानियों से जूझ रहे हैं, तो हल्दी के सेवन से फायदा होगा। हल्दी में एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लामेट्री गुण पाए जाते हैं, जो डाइजेस्टिव सिस्टम को बेहतर करने में मदद करता है। अध्ययन के मुताबिक, हल्दी के सेवन गैस की समस्या भी दूर होती है।

झुर्रियों को कम करे

बढ़ती उम्र से चेहरे पर आई झुर्रियों को दूर करने में हल्दी बहुत कारगर है। हल्दी में एंटी-ऑक्सीडेटिव और एंटी-इंफ्लामेट्री गुण पाए जाते हैं। ये चेहरे की झुर्रियों को दूर करमे में मदद करते हैं। रोजाना हल्दी का सेवन करने से त्वचा पर निखार आता है।

रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ती है

हल्दी में एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल और एंटी-फंगल गुणों के साथ रोग प्रतिरोधी ताकत भी होती है जिससे आप कई तरह के संक्रमण से सुरक्षित रहते हैं। रोजाना एक गिलास गर्म दूध के साथ एक चम्मच हल्दी का सेवन करने से सर्दी, जुकाम, फ्लू आदि समस्याओं से ग़ाहत मिल सकती है।

दिमाग के लिए फायदेमंद

हल्दी में मौजूद तत्व दिमाग के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। इससे दिमाग की स्टेम कोशिकाओं की मरम्मत होती है। इसके अलावा हल्दी में मौजूद कर्क्यूमिन भी दिमाग में पाए जाने वाले प्रोटीन को तेज करता है।

वजन कम करने में मददगार

आजकल अधिकतर लोग अपने बढ़ते वजन से परेशान हैं पर हल्दी के सेवन से आप अपने वजन को नियंत्रण में रख सकते हैं। हल्दी शरीर में फैट टीश्यूज को बनने से रोकती है, जिससे वजन नियंत्रण में रहता है।

एसी बना सकता है बीमार

गर्मी का मौसम शुरू हो गया है। ऐसे में हम राहत के लिए एयर कंडिशनर का सहारा लेते हैं। हम दिनभर एयर कंडिशनर वाले ऑफिस में रहते हैं और रात में भी एसी में सोते हैं। उमस भरी गर्मी में आपको राहत भले मिल जाती हो पर एसी आपकी सेहत को काफी नुकसान पहुंचा सकते हैं।

एसी रूम में हम सारे दरवाजे खिड़की बंद रखने होते हैं ताकि कमरा ठंडा हो सके। ऐसे में कहीं से भी ताजा हवा नहीं पहुंचती जो कि सेहत के लिए काफी नुकसानदायक है। ताजी हवा की कमी से हर वक्त थकान लगती रहती है। एसी की डक्ट अगर साफ नहीं है तो आपको सांस से जुड़ी समस्याएं और फेफड़ों का संक्रमण भी हो सकता है।

बहुत ठंडा वातावरण

कई बार हम सो रहे होते हैं तो तापमान काफी ठंडा हो जाता है। जागते वक्त तो हम इसको मेनटेन कर सकते हैं लेकिन सोते वक्त कई बार यह हमारे शरीर के सहने की क्षमता से भी कम हो जाता है। ठंडक की वजह से सिरदर्द और पीठ दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। जरूरत से ज्यादा ठंड से जोड़ों में दर्द की समस्या होती है और धीरे-धीरे यह गठिया में तब्दील हो सकती है। एयर कंडिशनर हवा से नमी को सोख लेते हैं इतना ही नहीं ये हमारी त्वचा और बालों की नमी भी अवशोषित करते हैं जिससे त्वचा और बाल ड्राई हो जाते हैं। आपकी त्वचा में झुर्रियां जल्दी पड़ सकती हैं साथ ही त्वचा से जुड़ी और भी समस्याएं हो सकती हैं।

करें ये उपाय

आप ऑफिस का एसी तो बंद नहीं कर सकते लेकिन खुद को इसका आदी न बनाएं। घर पर एसी कम से कम चलाएं और तापमान सामान्य रखें। एसी में बैठते हैं तो त्वचा पर बार-बार मॉइश्चराइजर लगाते रहें।

फूड पॉयजनिंग से बचें

फूड पॉयजनिंग की समस्या बहुत आम है। दरअसल इस मौसम में शरीर की पाचन क्षमता कमजोर हो जाती हैं। इसके अलावा गर्मी के मौसम में खाने-पीने की चीजें जल्दी खराब होती हैं, जिससे संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। फूड पॉयजनिंग होने पर आमतौर पर पेट में दर्द, उल्टी और मितली जैसी समस्याएं होती हैं। इसके अलावा कई बार दस्त और पेचिश भी शुरू हो जाती है। अगर आप इन गर्मियों में फूड पॉयजनिंग से बचना चाहते हैं, तो ये टिप्स अपनाएं।

फूड पॉयजनिंग होने पर क्या करें?

- अगर आपको बार-बार उल्टी, दस्त और पेट दर्द की समस्या है, तो ये फूड पॉयजनिंग का संकेत है। फूड पॉयजनिंग होने पर आप इन घरेलू नुस्खों की मदद ले सकते हैं।
- फूड पॉयजनिंग में केला बहुत फायदेमंद होता है, क्योंकि इसमें पोटैशियम ज्यादा होता है, जो पेट के संक्रमण को कम करता है। केला को दही में मैश करके खाएं। इससे दस्त बहुत जल्दी ठीक होता है।
- एक चम्मच अदरक का रस पीकर आधा ग्लास पानी पी लें। अदरक में एंटीबैक्टीरियल और दर्द निवारक गुण होते हैं। ये संक्रमण को खत्म कर देगा।
- फूड पॉयजनिंग के उपचार में ज्यादा-से-ज्यादा ध्यान इस बात पर दिया जाना चाहिए कि मरीज के शरीर में पानी की कमी न हो।
- ज्यादा से ज्यादा पानी पिएं, साथ ही, सूप, पतली खिचड़ी, नारियल पानी, चावल का पानी, ग्लूकोल, इलेक्ट्रॉल पाउडर का घोल आदि लेना चाहिए।
- जीरे का प्रयोग करने से फूड पॉयजनिंग ठीक हो जाती है। इसके लिए एक चम्मच जीरे को पीसकर उसका सेवन करें।
- नींबू के रस की एसिडिटी फूड पॉयजनिंग के बैक्टीरिया समाप्त करता है। इसलिए इसे फूड पॉयजनिंग में लाभकारी मानते हैं।

फूड पॉयजनिंग से बचाव के लिए क्या करें

- फूड पॉयजनिंग से बचाव के लिए जरूरी है कि आप गर्मी के मौसम में खानपान और साफ-सफाई का ध्यान रखें।
- पके हुए भोजन का सेवन 4-6 घंटे के अंदर कर लें। इससे ज्यादा समय तक खाने की चीजें रखने से वो खराब हो सकती हैं।
- बासी खाना खाने से बचें।
- गूंथे हुए आटे को फ्रिज में रखकर अगले दिन न इस्तेमाल करें।
- दूध, दही, पनीर आदि डेयरी वाले आहरों को ताजा ही इस्तेमाल करें।
- मांस, मछली, चिकन आदि को ज्यादा समय तक फ्रिज में न रखें, बल्कि कोशिश करें कि ये ताजे ही इस्तेमाल किए जाएं।
- बाजार में तले-भुने और फास्ट फूड्स का सेवन न करें।
- गोलगप्पे, समोसे, कचौरी, पकौड़े, चाउमीन, बर्गर आदि खुले में मिलने वाले खाने से भी होता है, फूड पॉयजनिंग का खतरा।

फूड पॉयजनिंग होने पर नियंत्रण करें ये आदतें

- एक साथ ज्यादा ना खाएं, बल्कि थोड़ा थोड़ कर के खाएं।
- खाने में घी और तेल का इस्तेमाल कम से कम करें या ठीक होने तक बिल्कुल न करें।
- मैदे से बनी चीजों का बिल्कुल सेवन ना करें।

न्यूज़ीलैंड टीम के जश्न का वीडियो वायरल

नई दिल्ली (ईएमएस)। न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर अपना पहला टी20 विश्व कप खिताब जीत लिया है। फाइनल में 32 रनों से जीत दर्ज करने के बाद, न्यूजीलैंड की टीम ने अपनी इस ऐतिहासिक जीत का जश्न एक खास तरीके से मनाया। खिलाड़ियों ने एक शानदार गाना गाया, जिसे सोशल मीडिया पर खूब सराहा जा रहा है। पुरस्कार समारोह के बाद न्यूजीलैंड की सभी खिलाड़ी एकसाथ नजर आईं, जहां ऑलराउंडर अमेलिया केर गिटार बजाते हुए टीम के साथ गाना गा रही थीं। इस खास पल का वीडियो इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किया। वीडियो में पूरी टीम ट्रॉफी के सामने गाना गाते हुए दिखाई दे रही है। फैंस ने इस वीडियो को जमकर पसंद किया, और कुछ ही देर में इसे 2 लाख से ज्यादा लाइक्स मिले। कमेंट सेक्शन में फैंस ने न्यूजीलैंड की खिलाड़ियों की जमकर तारीफ की, और वीडियो तेजी से वायरल हो गया। मैच की बात करें तो न्यूजीलैंड के हर खिलाड़ी ने जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। अमेलिया केर ने बल्ले से शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम के लिए अहम रन जोड़े, और फिर गेंदबाजी में भी उन्होंने कमाल दिखाते हुए 3 विकेट चटकाए। उनके इस ऑलराउंड प्रदर्शन ने टीम की जीत में सबसे अहम भूमिका निभाई। वहीं, दक्षिण अफ्रीका की टीम इस हार के बाद बेहद निराश नजर आई। मैच के बाद कुछ खिलाड़ियों को भावुक होते और रोते हुए भी देखा गया।

न्यूजीलैंड की कप्तान ने बताया सफलता का रहस्य

न्यूजीलैंड की महिला टीम ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए महिला टी20 विश्व कप 2024 का खिताब जीत लिया है। दुबई में खेले गए फाइनल में न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 32 रनों से हराकर पहली बार टी20 विश्व कप की ट्रॉफी अपने नाम की। इस ऐतिहासिक जीत के बाद टीम की कप्तान सोफी डिवाइन ने अपनी सफलता का राज उजागर किया और बताया कि भारत के खिलाफ उनकी जीत ने इस ऐतिहासिक खिताबी सफर की नींव रखी। फाइनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को हराने के बाद सोफी डिवाइन ने कहा, यह कहना मुश्किल है कि हमारी जीत का श्रेय सिर्फ एक मैच या एक लम्हे को दिया जा सकता है, लेकिन शायद भारत के खिलाफ मिली जीत ने हमारे लिए रास्ता साफ किया। उस मैच ने हमें आत्मविश्वास दिया और उसके बाद हम लगातार सही दिशा में बढ़ते गए। न्यूजीलैंड की टीम टूर्नामेंट में आने से पहले लगातार 10 टी20 मैच हार चुकी थी, लेकिन विश्व कप में उन्होंने अपने शानदार खेल से सभी को चौंका दिया। डिवाइन ने इस जीत का श्रेय टीम की प्रतिबद्धता और आत्मविश्वास को दिया, और कहा कि उनकी टीम को बस यह दिखाने की जरूरत थी कि वे इतिहास रच सकते हैं। डिवाइन के लिए यह खिताब व्यक्तिगत रूप से भी खास है, क्योंकि इससे पहले वह 2009 और 2010 में उस न्यूजीलैंड टीम का हिस्सा थीं जो उपविजेता रही थी। 2000 में वनडे विश्व कप जीतने के बाद यह न्यूजीलैंड का दूसरा महिला विश्व कप खिताब है। सोफी डिवाइन ने उम्मीद जताई कि यह जीत भविष्य की पीढ़ियों को प्रेरित करेगी और न्यूजीलैंड क्रिकेट को और ऊंचाइयों तक ले जाएगी।

लगातार 10 मैच हारने के बाद बनी वर्ल्ड चैंपियन

आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में साउथ अफ्रीका को हराकर पहली बार यह खिताब अपने नाम किया। भारत को मात देकर टूर्नामेंट का आगाज करने वाली न्यूजीलैंड की टीम ने अपने खेल से सभी को चौंका दिया। इस जीत की खास बात यह है कि न्यूजीलैंड की टीम ने टूर्नामेंट में शामिल होने से पहले लगातार 10 टी20 इंटरनेशनल मैचों में हार का सामना किया था। लेकिन सोफी डिवाइन की कप्तानी में इस टीम ने ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए सभी आलोचनाओं को झुठलाते हुए आलोचकों के मुंह में ताला लगा दिया। न्यूजीलैंड की महिला टीम ने वह कर दिखाया जो पहले न्यूजीलैंड के पुरुष टीम के लिए भी संभव नहीं हो पाया। इस टीम की इस ऐतिहासिक जीत में अमेलिया केर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिन्होंने किसी एक टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड बनाया। वहीं, सूजी बेट्स ने मिताली राज के सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। फाइनल में साउथ अफ्रीका को हराकर न्यूजीलैंड ने अपनी स्थिति मजबूत की। यह जीत और भी विशेष है क्योंकि विश्व कप में खेलने से पहले न्यूजीलैंड को इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे मजबूत विपक्षियों के खिलाफ 10 लगातार हार मिली थीं। पहले इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को 4-1 से हराया, फिर 5-0 से सूपड़ा साफ किया, और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी तीन मैचों की सीरीज में क्लीन स्वीप किया। हालांकि, न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ अपने पहले मैच में जीत हासिल कर एक नई शुरुआत की। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया से मिली हार के बावजूद टीम ने जबरदस्त वापसी की, जिसमें श्रीलंका और पाकिस्तान को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। वेस्टइंडीज को हराकर फाइनल का टिकट पक्का किया और अंततः साउथ अफ्रीका के खिलाफ जीत दर्ज कर इतिहास रच दिया। इस प्रकार, न्यूजीलैंड की महिला क्रिकेट टीम ने एक नया अध्याय लिखा है और महिला क्रिकेट में अपनी क्षमताओं को साबित किया है। उनकी यह जीत न केवल उनकी मेहनत और समर्पण का प्रमाण है, बल्कि यह आने वाले समय में उनके लिए एक नई प्रेरणा भी बनेगी।

न्यूजीलैंड की 15 साल की ख्वाहिश पूरी, जीता वर्ल्ड कप, सुजी, सोफी ले सकती है सन्यास?

न्यूजीलैंड ने महिला टी20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम कर लिया है न्यूजीलैंग की 15 साल पहले की अधूरी ख्वाहिश पूरी हो गई। महिला टी20 वर्ल्ड कप का पहला एडिशन 2009 में खेला गया था, तब न्यूजीलैंड टीम फाइनल में खिताबी मुकाबले में इंग्लैंड से हार गई थी। इसके बाद 2010 में खेले गए दूसरे एडिशन में भी न्यूजीलैंड ने फाइनल तक का सफर तय किया था लेकिन तब भी वह खिताब नहीं जीत सकी थी और वेस्टइंडीज ने उन्हें हराया था। इन दोनों ही फाइनल का हिस्सा न्यूजीलैंड की सीनियर खिलाड़ी सुजी बेट्स और सोफी डिवाइन थी। अब 15 साल बाद जब न्यूजीलैंड टीम ने महिला टी20 वर्ल्ड कप का खिताब पर अपना कब्जा कर लिया है तो इन दोनों दिग्गज खिलाड़ियों के साथ ली ताहुहु के नाम एक अनोखा रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। इन खिलाड़ियों की उम्र देख अब कयास लगाए जा रहे हैं कि यह उनका आखिरी टी20 वर्ल्ड कप टूर्नामेंट हो सकता है और जल्द ही युवा खिलाड़ियों के लिए जगह खाली करने के लिए सुजी बेट्स, सोफी डिवाइन और ली ताहुहु रिटायरमेंट का ऐलान कर सकती हैं।

सरफराज खान की लव स्टोरीः कश्मीर की रोमाना जहूर से जुड़ी अनकही बातें

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में सरफराज खान ने शानदार शतक जड़ा, जो उनका पहला टेस्ट शतक था। जिसके बाद वे लगातार चर्चा में बने हुए हैं। इस शानदार उपलब्धि के साथ ही आज हम सरफराज खान की व्यक्तिगत जिंदगी, खासकर उनकी लव स्टोरी पर भी नजर डालेंगे। मुंबई के विकेटकीपर-बल्लेबाज सरफराज खान की पत्नी रोमाना जहूर कश्मीर से हैं। सरफराज और रोमाना की मुलाकात एक क्रिकेट मैच के दौरान हुई थी, जब सरफराज के चचेरे भाई ने दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में रोमाना से मिलवाया था। रोमाना उस समय दिल्ली में एमएससी की पढ़ाई कर रही थीं और सरफराज का चचेरा भाई उनका क्लासमेट था।

सरफराज खान ने अपने चचेरे भाई से रोमाना की चचेरी बहन से शादी करने की इच्छा जताई थी, और धीरे-धीरे यह मुलाकात एक रिश्ते में बदल गई। रोमाना के परिवार ने कभी नहीं सोचा था कि उनकी बेटी किसी क्रिकेटर से शादी करेगी, लेकिन सरफराज के साथ उनकी शादी एक प्यार भरी कहानी बन गई। सरफराज और रोमाना की शादी 6 अगस्त को मुंबई में एक निजी समारोह में हुई थी। इस मौके पर सरफराज खान काली शेरवानी में बेहद खूबसूरत लग रहे थे, वहीं रोमाना ने जम्मू और कश्मीर के शोपियां जिले में आयोजित शादी के समारोह में लाल और सुनहरे लहंगे में अपनी सुंदरता का जलवा बिखेरा।

सरफराज के टेस्ट करियर पर एक नजर डाले तो सरफराज खान ने अब तक भारत के लिए 5 टेस्ट इनिंग खेली हैं, और इस दौरान उन्होंने 50 के औसत से 200 रन बनाए हैं। उनके इस शतक ने यह साबित कर दिया कि वह टीम इंडिया में जगह बनाने के लिए क्यों बेताब थे। इस शानदार प्रदर्शन से लगता है कि सरफराज ने टेस्ट टीम में अपनी जगह पक्की कर ली है।

यश धुल ने हार्ट सर्जरी के बाद शतक लगाकर जताया आभार

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली के युवा बल्लेबाज यश धुल ने रविवार को तमिलनाडु के खिलाफ एलीट ग्रुप डी रणजी ट्रॉफी मैच में अपने शतक के साथ शानदार वापसी की और इस पारी को हार्ट सर्जरी के बाद की अपनी अहम उपलब्धि के रूप में बताया। धुल ने पहली पारी में 189 गेंदों में 11 चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 103 रन बनाए। दिल्ली की टीम इस समय 264/8 पर है, जबकि तमिलनाडु ने अपनी पहली पारी में 674/6 के विशाल स्कोर के साथ घोषणा की थी।

धुल ने इस पारी के बाद अपने आभार को व्यक्त किया और बताया कि यह उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण पारी थी क्योंकि यह सर्जरी के बाद उनका पहला मैच था। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए बहुत खास पारी थी, क्योंकि यह सर्जरी के बाद का पहला मैच है। मैं अब वापस खेलने के लिए बेहद खुश हूं। धुल ने सर्जरी की समस्या को मामूली बताते हुए कहा कि यह जन्मजात थी और अगर इसे समय पर न पहचाना जाता, तो यह भविष्य में गंभीर समस्या बन सकती थी। धुल ने सर्जरी के बारे में बताया, मुझे बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में शिविर के दौरान इस समस्या का पता चला। यह जन्मजात था, लेकिन मुझे खुशी है कि मुझे इसका इलाज समय पर मिल गया। यह जीवन का हिस्सा है, ऐसी चीजें होती रहती हैं। उन्होंने कहा कि अगर यह समस्या 35 साल की उम्र के बाद होती, तो यह नुकसानदेह हो सकती थी।

धुल ने अंडर-19 विश्व कप 2022 में भारत की कप्तानी की थी और भारत को खिताबी जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। यह उनका 25वां प्रथम श्रेणी मैच था, और इस मैच में उन्होंने अपना छठा प्रथम श्रेणी शतक पूरा किया। फरवरी के बाद छत्तीसगढ़ के खिलाफ सिर्फ 10 रन बनाने के बाद, धुल ने इस पारी को लेकर अपनी उम्मीद जताई और कहा, मैं वही करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं, जो मैंने हमेशा किया है। मुझे खुद पर विश्वास है। दिल्ली की टीम इस समय तमिलनाडु के बड़े स्कोर के सामने अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रही है। एक मैच शेष रहते हुए, दिल्ली का लक्ष्य तमिलनाडु को रोकना और ग्रुप डी में शीर्ष पर अपनी बढ़त को कम करने का है। धुल की शतक पर आधारित पारी ने दिल्ली को उम्मीद दी है कि वे इस मैच में वापसी कर सकते हैं।

नाओमी ओसाका ने बिली जीन किंग कप फाइनल्स से नाम वापस लिया

टोक्यो (ईएमएस)। चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका ने सोमवार को ऐलान किया कि वह अगले महीने स्पेन में होने वाले बिली जीन किंग कप के फाइनल्स में हिस्सा नहीं लेंगी। ओसाका ने एक मीडिया चैनल से बातचीत करते हुए कहा, मैंने इस साल कई टूर्नामेंट खेले हैं, और यह निर्णय मेरे लिए बहुत कठिन था कि मैं इस टूर्नामेंट और बिली जीन किंग कप में भाग नहीं ले पाऊंगी।

उन्हें हाल ही में पीठ में चोट लगी थी, जो अक्टूबर में चीन ओपन के दौरान कोको गॉफ के खिलाफ मैच के दौरान हुई थी। इस चोट के चलते उन्हें मैच बीच में ही छोड़ना पड़ा और इसके बाद उन्होंने जापान में होने वाले टूर्नामेंट्स से भी नाम वापस ले लिया, जिनमें पैन पैसिफिक ओपन भी शामिल है, जो सोमवार से शुरू हो रहा है। रविवार को 27 वर्षीय ओसाका ने बताया कि उनकी पीठ के अलावा, पेट की मांसपेशियों में भी चोट आई है। उन्होंने कहा, मैंने पहले सोचा था कि मेरी पीठ में बस खिंचाव आया है, लेकिन बीजिंग में एमआरआई कराने के बाद पता चला कि मेरी पीठ की एक डिस्क खिसक गई है और पेट की मांसपेशियों में भी चोट आई है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने लॉस एंजेलिस में इस टूर्नामेंट के लिए तैयारी की थी, लेकिन एमआरआई रिपोर्ट से यह स्पष्ट हुआ कि चोट अभी भी पूरी तरह ठीक नहीं हुई है।

ओसाका ने अप्रैल में कजाखस्तान को हराकर जापान को बिली जीन किंग कप फाइनल्स में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। यह उनका 2020 के बाद पहला बिली जीन किंग कप था। हालांकि, अब वह इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के फाइनल्स में हिस्सा नहीं ले पाएंगी। ओसाका वर्तमान में फ्रेंच कोच पैट्रिक मूरतोग्लू के साथ प्रशिक्षण ले रही हैं और उनकी प्राथमिकता अब जनवरी में होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन की तैयारी पर है।

रियल मैड्रिड के लिए खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने लुका मोड्रिक

पोंटेवेद्रा (स्पेन) (ईएमएस)। लुका मोड्रिक ने रियल मैड्रिड के इतिहास में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। 39 साल और 40 दिन की उम्र में विगो के बैलाडोस स्टेडियम में सेल्टा के खिलाफ मैदान पर उतरकर वह रियल मैड्रिड के इतिहास में आधिकारिक मैच खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। इस मैच में उतरकर उन्होंने हंगरी के दिग्गज खिलाड़ी फेरेंक पुस्कस का 1966 का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 39 साल और 36 दिन की उम्र में अपना आखिरी आधिकारिक मैच खेला था।

इसके साथ ही, लुका ने रियल मैड्रिड के लिए अपनी 250वीं लालिगा जीत भी दर्ज की, जो कि उनके करियर का एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। वह क्लब के साथ अपने 13वें सीजन में हैं और 369वां लालिगा मैच खेल रहे हैं। मॉड्रिक ने 2012 में लालिगा में पदार्पण किया था और तब से उन्होंने रियल मैड्रिड को 4 लालिगा चैंपियनशिप जीतने में मदद की है। मोड्रिक ने अब तक रियल मैड्रिड के लिए 547 मैचों में 27 खिताब जीते हैं, जिनमें 6 यूरोपीय कप, 5 क्लब विश्व कप, 5 यूरोपीय सुपर कप, 4 स्पेनिश लीग खिताब, 2 स्पेनिश कप, और 5 स्पेनिश सुपर कप शामिल हैं, जो उन्हें क्लब के सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक बनाता है।

लॉस एंजिल्स, कैलिफ़ोर्निया में बीएमओ स्टेडियम में यूटा रॉयल्स एफसी के ख़िलाफ़ दूसरे हाफ़ में गोल करने के बाद जश्न मनाते एंजेल सिटी एफसी फ़ॉरवर्ड सिडनी लेरॉक्स।

न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन में बार्कलेज सेंटर में 2024 डब्ल्यूएनबीए फ़ाइनल जीतने के बाद लिबर्टी की टीम ने जश्न मनाया।

न्यूज़ीलैंड के खिलाफ टेस्ट टीम में वाशिंगटन सुंदर की वापसी, दूसरे और तीसरे टेस्ट के लिए टीम में शामिल

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय सीनियर पुरुष चयन समिति ने न्यूजीलैंड के खिलाफ शेष टेस्ट श्रृंखला के लिए ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर को भारतीय टीम में शामिल किया है। सुंदर इस समय रणजी ट्रॉफी मैच में दिल्ली के खिलाफ तमिलनाडु के लिए खेल रहे हैं, जहां उन्होंने पहले ही मैच की पहली पारी में 152 रन बनाए और दो विकेट भी लिए। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक विज्ञप्ति में कहा कि सुंदर पुणे में 24 अक्टूबर से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट से पहले टीम के साथ जुड़ेंगे। 25 वर्षीय सुंदर ने 2021 में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था और अब तक चार टेस्ट मैच खेल चुके हैं। उनकी आखिरी टेस्ट उपस्थिति 2021 में अहमदाबाद में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में हुई थी।

सुंदर ने चार टेस्ट मैचों में 265 रन बनाए हैं और छह विकेट भी लिए हैं। भारतीय टीम को बेंगलुरु में न्यूजीलैंड से पहले टेस्ट में आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। यह 1988 के बाद (36 वर्षों के बाद) भारत में न्यूजीलैंड की पहली टेस्ट जीत थी, और भारतीय धरती पर न्यूजीलैंड की 37 टेस्ट मैचों में तीसरी जीत थी। टीम में पहले से ही तीन स्पिनर मौजूद हैं, रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जड़ेजा, और कुलदीप यादव। संभावना है कि पुणे में होने वाले दूसरे टेस्ट में सुंदर इनमें से किसी एक की जगह टीम में शामिल होंगे। हालांकि, भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने टीम पर विश्वास जताया है और कहा कि इस तरह के खेल होते रहते हैं।

फिर चोकर्स साबित हुई दक्षिण अफ्रीका की टीम, इस बार महिला टी20 फायनल हारी

- टी20 विश्व कप में हार के बाद निराश है खिलाड़ी

नई दिल्ली (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम को एक बार फिर से चोकर्स की उपाधि से नवाजा गया है, जिसे वे बार-बार बड़े टूर्नामेंट्स में हार के बाद झेलते आए हैं। पिछले चार महीनों में साउथ अफ्रीका की पुरुष और महिला टीम दोनों के पास टी20 विश्व कप जीतने का मौका था, लेकिन दोनों ही बार वे फाइनल में हार गए। इस बार महिला टीम को न्यूजीलैंड से हार का सामना करना पड़ा, जबकि पुरुष टीम भी भारत के खिलाफ हार कर चूकी थी।

दक्षिण अफ्रीका की टीम के लिए यह हार एक और निराशाजनक पल साबित हुई, क्योंकि उन्होंने दोनों बार शानदार खेल दिखाया था और सेमीफाइनल तक पहुंचने

में सफल रहे थे। हालांकि, टूर्नामेंट के महत्वपूर्ण मैच में चोक करने के कारण वे विजेता बनने में सफल नहीं हो सके। महिला टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में 159 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए, साउथ अफ्रीका के शुरुआती तीन विकेट 70 रन पर ही गिर गए, और टीम अंत में 9 विकेट पर 126 रन ही बना सकी। इससे पहले, जून में भारत के खिलाफ पुरुष टी20 विश्व कप फाइनल में भी साउथ अफ्रीका को हार का सामना करना पड़ा था। उस मैच में उन्हें 30 गेंदों पर 30 रन की जरूरत थी और 6 विकेट उनके पास थे, लेकिन भारत ने आखिरी 5 ओवर में मैच को पलट दिया और साउथ अफ्रीका की टीम हार गई। इस हार ने एक बार फिर से चोकर्स की उपाधि को साबित किया, जो साउथ अफ्रीका क्रिकेट टीम के लिए लंबे समय से एक कड़वी सच्चाई बन चुकी है। साउथ अफ्रीका की टीम हर बड़े टूर्नामेंट में सेमीफाइनल या फाइनल तक पहुँचने में सफल होती है, लेकिन निर्णायक मुकाबलों में वह जीत नहीं पाती। इस बार भी महिला और पुरुष दोनों ही टीमों के लिए यह टूर्नामेंट खिताब जीतने का सुनहरा मौका था, लेकिन दबाव में आकर वे हार गए। अब देखना होगा कि साउथ अफ्रीका इस चोकर्स के टैग को कब और कैसे हटा पाएगा।

शुभमन और पंत को लेकर राहित ने दिया अपडेट

नई दिल्ली (ईएमएस)। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में हार के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने युवा बल्लेबाज शुभमन गिल के भविष्य पर चर्चा की। इस मैच में गिल की जगह सरफराज खान को प्लेइंग इलेवन में मौका दिया गया था, जिन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए 150 रन बनाए। रोहित ने सरफराज की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी पारी ने टीम को मजबूती दी और ऐसा महसूस कराया कि हम मैच में आगे हैं। हालाँकि, शुभमन का इस मैच से बाहर होना दुर्भाग्यपूर्ण रहा, लेकिन सरफराज ने अपनी पारी से उस मौके का भरपूर फायदा उठाया।

प्रेस वार्ता के दौरान रोहित ने बताया कि गिल अब ठीक-ठाक महसूस कर रहे हैं, लेकिन उनके दूसरे टेस्ट में खेलने का फैसला बाद में लिया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत के खेल पर भी टिप्पणी की, जिन्होंने

दूसरी पारी में 99 रन बनाए थे। रोहित ने कहा कि पंत को अभी भी पूरी तरह से फिट होने में समय लगेगा क्योंकि उनके ऑपरेशन के बाद उन्हें सतर्कता के साथ संभाला जा रहा है। तीसरे दिन घुटने में चोट लगने के बाद पंत मैदान से बाहर हो गए थे, और उनकी फिटनेस पर नजर रखी जा रही है।

रोहित ने कहा कि पंत का घुटना हाल ही में ऑपरेट हुआ है और उनके दौड़ने में अभी भी थोड़ी असहजता है। इसलिए टीम को उनके साथ अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है। भारतीय कप्तान ने टीम में सकारात्मक माहौल बनाए रखने पर जोर दिया और कहा कि दूसरी पारी में बल्ले से टीम की वापसी अच्छी रही, हालांकि मैच हारने के बावजूद इस मुकाबले में कई सकारात्मक पहलू भी थे। रोहित ने आगे कहा कि टीम का ध्यान अब 24 अक्टूबर से पुणे में होने वाले दूसरे टेस्ट पर है, और यह महत्वपूर्ण है कि टीम घबराहट में आए बिना शांत वातावरण बनाए रखे। उन्होंने कहा कि हमें एक इकाई के रूप में मजबूत रहना है और दूसरे मैच में जीत हासिल करने की योजना पर काम करना है।

रोहित शर्मा ने ऋषभ पंत की घुटने की सर्जरी और उनकी हालत पर जताई चिंता

टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने बेंगलुरु में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए पहले टेस्ट के तीसरे और चौथे दिन ऋषभ पंत को विकेटकीपिंग से बाहर रखने के फैसले की वजह बताई। उन्होंने कहा कि हाल ही में पंत की दोनों घुटनों की सर्जरी हुई है, और उनकी स्थिति को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया था। रोहित ने कहा, ऋषभ की बड़ी घुटने की सर्जरी हो चुकी है, और हम सभी जानते हैं कि वह किस दौर से गुजर रहे हैं। यह निर्णय अतिरिक्त सतर्कता के तहत लिया गया है, क्योंकि हमें यह सुनिश्चित करना था कि वह पूरी तरह से ठीक हों। उन्होंने कहा, वह अभी भी आराम से दौड़ नहीं पा रहे थे, और बल्लेबाजी करते हुए भी उन्हें केवल गेंद को स्टैंड में भेजने का प्रयास करते देखा गया।

रोहित ने आगे कहा, उनकी कई छोटी सर्जरी हो चुकी हैं, और पिछले डेढ़ साल में वह काफी कठिन दौर से गुजरे हैं। इसलिए, विकेटकीपिंग के दौरान घुटनों पर जोर पड़ता है, और हमने सोचा कि उनकी तबियत के हिसाब से यह बेहतर रहेगा कि वह मैदान से बाहर रहें, जब तक वह पूरी तरह से ठीक न हो जाएं। इसके अलावा, रोहित ने पंत की मानसिकता पर भी चर्चा की और कहा, ईमानदारी से कहूं तो कोई नहीं जानता कि उसके दिमाग में क्या चल रहा है। वह खुद तय करता है कि उसे क्या करना है। हम उसका समर्थन करना चाहते हैं क्योंकि उसने हमेशा हमारे लिए अच्छे परिणाम दिए हैं। वह अपनी तरह से खेलना चाहता है, और हम उसे स्वतंत्र रूप से खेलने की अनुमति देते हैं।

गौरतलब है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन न्यूजीलैंड की पारी के 37वें ओवर में डेवन कॉन्वे को स्टंप करने का प्रयास करते वक्त गेंद पंत के दाहिने घुटने में लगी थी, जिससे वह मैदान से बाहर चले गए। पंत दर्द से कराहते हुए दिखाई दिए, और बाद में ध्रुव जुरेल को विकेटकीपिंग के लिए बुलाया गया। चौथे दिन पंत ने बल्लेबाजी की और तीन घंटे से अधिक समय तक बल्लेबाजी करते हुए 105 गेंदों पर 99 रन बनाए, हालांकि कई बार उन्हें लड़खड़ाते हुए भी देखा गया। इस दिन भी वह विकेटकीपिंग नहीं कर सके।

धर्मा प्रोडक्शंस में 50% हिस्सेदारी खरीदेंगे अदार पूनावाला: 1,000 करोड़ में डील, करण जौहर एग्जीक्यूटिव चेयरमैन बने रहेंगे

मुंबईः अदार पूनावाला की सेरेन प्रोडक्शंस करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस और धर्मॉटिक एंटरटेनमेंट में 50% हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी। ये डील 1,000 करोड़ रुपए में होगी। सोमवार (21 अक्टूबर) को कंपनी ने इसकी जानकारी दी। इस डील के बाद करण जौहर की धर्मा में करीब 50% हिस्सेदारी बचेगी। अभी जौहर के पास धर्मा की 90.7% और उनकी मां हीरू के पास 9.24% हिस्सेदारी है। डील के बाद भी करण जौहर कंपनी के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन बने रहेंगे। अपूर्व मेहता भी सीईओ बने रहेंगे।

धर्मा को फाइनेंशियली मजबूत करेगा पूनावाला का निवेश

इस कोलेबोरेशन का मकसद भारत की तेजी से बदलती एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में एडवांस्ड टेक्नोलॉजीज और प्रोडक्शन मेथड को इंटीग्रेट करके कंटेंट क्रिएशन, डिस्ट्रीब्यूशन

और ऑडियंस एंगेजमेंट को ट्रांसफॉर्म करना है। पूनावाला का निवेश धर्मा को फाइनेंशियली मजबूत करेगा।

करण जौहर बोले- विरासत को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे

इस पार्टनरशिप पर करण जौहर ने कहा- 'धर्मा हमेशा दिल को छू लेने वाली स्टोरी-टेलिंग के लिए जाना जाता है। एक करीबी दोस्त और दूरदर्शी अदार के साथ, हम धर्मा की विरासत को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए तैयार हैं।'

पूनावाला बोले- प्रोडक्शन हाउस के साथ पार्टनरशिप पर खुश

अदार पूनावाला ने कहा, 'मैं अपने दोस्त करण जौहर के साथ हमारे देश के सबसे प्रतिष्ठित प्रोडक्शन हाउस में से एक के साथ पार्टनरशिप करने पर खुश हूं। हमें उम्मीद है कि हम आने वाले वर्षों में और भी अधिक ऊंचाइयों को छूएंगे।'

1976 में यश जौहर ने स्थापित किया था धर्मा प्रोडक्शन्स

धर्मा प्रोडक्शन्स को 1976 में यश जौहर ने स्थापित किया था। करण जौहर की लीडरशिप में ये बॉलीवुड में एक पावरहाउस बन गया है जिसने कभी खुशी कभी गम, ये जवानी है दीवानी और 2 स्टेट्स जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों सहित 50 से ज्यादा फिल्में बनाई है। कंपनी को आलिया भट्ट और वरुण धवन सहित कई फिल्मी परिवारों के यंग एक्टर्स को लॉन्च करने के लिए भी जाना जाता है। 2018 में, इसने धर्मॉटिक एंटरटेनमेंट के साथ डिजिटल कंटेंट में विस्तार किया। नेटफ्लिक्स, अमेजन जैसे प्लेटफार्मों के लिए शो बनाए।

वित्त वर्ष 2023 में धर्मा प्रोडक्शन का रेवेन्यू सालाना आधार पर 276.8% बढ़कर 1,040 करोड़ रुपए रहा। एक साल पहले यानी वित्त वर्ष 2022 में प्रोडक्शन हाउस का रेवेन्यू 276 करोड़ रुपए था। वित्त वर्ष 23 में कंपनी के टोटल रेवेन्यू में डिस्ट्रीब्यूशन राइट्स के 656 करोड़ रुपए, डिजिटल से 140 करोड़ रुपए, सैटेलाइट राइट्स से 83 करोड़ रुपए और म्यूजिक से 75 करोड़ रुपए शामिल हैं। हालांकि, खर्च बढ़ने के चलते कंपनी का नेट प्रॉफिट 59% कम होकर 11 करोड़ रुपए रहा। कंपनी ने वित्त वर्ष के दौरान 1028 करोड़ रुपए अपने जरूरतों पर खर्च किया।

कोविड वैक्सीन बनाने वाले सीरम इंस्टीट्यूट के सीईओ है पूनावाला

पूनावाला का डायवर्सिफाइड बिजनेस पोर्टफोलियो है। इनका बिजनेस एंटरटेनमेंट के अलावा फाइनेंशियल सर्विसेज, रियल एस्टेट और हॉस्पिटैलिटी जैसे सेक्टर्स में है। अदार पूनावाला कोविड वैक्सीन बनाने वाले सीरम इंस्टीट्यूट के सीईओ भी है।

रिलायंस इंफ्रा की 6,000 करोड़ रु. जुटाने की योजना को शेयरधारकों की मंजूरी मिली

रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरधारकों ने शेयरों के तरजीही निर्गम और योग्य संस्थागत नियोजन मार्ग के माध्यम से 6,000 करोड़ रुपये जुटाने की कंपनी की योजना को मंजूरी दे दी है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि दोनों प्रस्तावों को शेयरधारकों की मंजूरी मिल गई है, जिसमें डाक मतपत्र के माध्यम से प्रस्तावों के पक्ष में 98 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ है। रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर के निदेशक मंडल ने 19 सितंबर को 6,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना को मंजूरी दी थी। इसमें से 3,014 करोड़ रुपये शेयरों या परिवर्तनीय वारंट के तरजीही आवंटन के जरिए जुटाए जाने थे, जबकि 3,000 करोड़ रुपये क्यूआईपी के जरिए जुटाए जाएंगे। पहले चरण में, रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर 240 रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर 12.56 करोड़ इक्विटी शेयर या परिवर्तनीय वारंट जारी करके 3,014 करोड़ रुपये का तरजीही नियोजन शुरू कर रहा है। इसमें से 1,104 करोड़ रुपये रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर के प्रवर्तकों द्वारा प्रवर्तक कंपनी राइजी इनफिनिटी प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से निवेश किए जाएंगे।

लॉफिंग ज़ोन

एक महाशय अपनी नन्ही बेटी को लेकर बाजार गए। लौट कर पता चला कि उनकी बेटी अपनी गुड़िया दुकान पर ही छोड़ आई है। उसे डांटने के बाद वापस उस दुकान पर जाने लगे तो उनकी पत्नी ने कहा, 'जाने दीजिए, गुड़िया किसी को भेज कर मंगवा लेंगे।'

इस पर वह बोले, 'जाना तो मुझे है ही क्योंकि मैं अपनी गाड़ी भी वही भूल आया हूं।'

□ □ □

जीतू (मां से), 'मां मैं भी तालाब में कूद कर तैरने लगूं?'

मां, 'नही तुम डूब जाओगे।'

जीतू, 'लेकिन पिताजी तो घटें भर से तैर रहे हैं।'

मां, 'उनका बीमा जो हो चुका है।'

□ □ □

एक सज्जन ने एक व्यक्ति को प्रणाम किया। उस व्यक्ति ने उत्तर दिया, 'मैं मूर्खों को प्रणाम नहीं करता।' पहले सज्जन ने तपाक से कहा, 'लेकिन मैं तो करता हूं।'

□ □ □

सुष्मित मौत के आंकड़े पढ़ रहा था। उसने अपनी पत्नी को बताया, 'संध्या, कमाल है, जब मैं एक सांस छोड़ता हूं तो एक आदमी की मृत्यु हो जाती है।'

संध्या, 'तब तुम किसी अच्छे टुथपेस्ट

भारतीय परिधान निर्यातकों को वित्त वर्ष 2025 में 9-11 प्रतिशत रेवेन्यू ग्रोथ की उम्मीदः इक्रा

भारतीय परिधान निर्यातकों को वित्त वर्ष 2024-25 में नौ से 11 प्रतिशत की राजस्व वृद्धि दर्ज करने की उम्मीद है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने सोमवार को यह बात कही। इक्रा ने बयान में कहा कि भारतीय परिधान निर्यात की दीर्घकालिक, अनुकूल संभावनाएं हैं, जिसे अंतिम बाजारों में उत्पाद की बढ़ती स्वीकार्यता, उभरते उपभोक्ता रुझान और उत्पादन संबंधी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, निर्यात प्रोत्साहन, ब्रिटेन तथा यूरोपीय संघ के साथ प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते आदि के रूप में सरकार से मिले प्रोत्साहन से मदद मिली है।

इसमें कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष में अपेक्षित वृद्धि वित्त वर्ष 2023-24 के कमजोर प्रदर्शन के बाद हुई है। गत वित्त वर्ष में उच्च खुदरा 'इन्वेंट्री', प्रमुख बाजारों से सुस्त मांग, लाल सागर संकट सहित आपूर्ति श्रृंखला के मुद्दों और पड़ोसी देशों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण निर्यात प्रभावित हुआ था।

इक्रा ने कहा कि मांग में सुधार के साथ उसे उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2024-25 और वित्त वर्ष 2025-26 में पूंजीगत व्यय में वृद्धि होगी। यह कारोबार के पांच से आठ प्रतिशत के दायरे में रह सकता है।

इक्रा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं सह-समूह प्रमुख (कॉर्पोरेट रेटिंग्स) श्रीकुमार कृष्णमूर्ति ने कहा, ''वित्त वर्ष 2023-24 में मामूली (दो प्रतिशत की) गिरावट के बाद, भारतीय परिधान निर्यातकों को वित्त वर्ष 2024-25 में नौ से 11 प्रतिशत की राजस्व वृद्धि दर्ज करने का अनुमान है। यह विभिन्न ग्राहकों द्वारा अपनाई गई जोखिम-मुक्त करने की रणनीति तथा प्रमुख अंतिम बाजारों खासकर अमेरिका तथा यूरोपीय संघ क्षेत्रों में खुदरा 'इन्वेंट्री' की पुनःपूर्ति से लाभान्वित होगी।

उन्होंने कहा कि फिर भी कमजोर व्यापक आर्थिक माहौल तथा भू-राजनीतिक मुद्दों के बीच कुछ प्रमुख बाजारों में मांग की अनिश्चितता से जुड़ी चुनौतियां कायम हैं। इक्रा ने कहा कि बांग्लादेश में हालिया भू-राजनीतिक तनाव के परिणामस्वरूप भारत सहित देश के बाहर क्षमता में वृद्धि हो सकती है।

रेटिंग एजेंसी ने कहा, फिर भी प्रतिस्पर्धी लागत पर श्रम की उपलब्धता एवं तरजीही शुल्क पहुंच और अमेरिका तथा यूरोपीय संघ को निर्यात पर अगले दो वर्षों के लिए सबसे कम 'विकसित देश' का दर्जा दिए जाने से बांग्लादेश को अधिकतर अन्य विकासशील देशों के मुकाबले प्रतिस्पर्धी बने रहने में मदद मिलेगी।

अगस्त में नई औपचारिक नियुक्तियां चार महीने के निचले स्तर पर

नई दिल्ली (ईएमएस)। अगस्त महीने में फॉर्मल हायरिंग में गिरावट दर्ज की गई है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की तरफ से जारी ताजा पेरोल डेटा के मुताबिक फॉर्मल लेबर मार्केट में मंदी के संकेत मिले हैं। अगस्त में नए मासिक सब्सक्राइबर्स (नए सदस्य) की संख्या करीब 11 फीसदी घटकर 9.30 लाख रह गई, जो जुलाई में 10.5 लाख थी। यह संख्या चार महीनों के निचले स्तर पर है। ईपीएफओ डेटा को अहम माना जाता है क्योंकि केवल फॉर्मल वर्कफोर्स को सामाजिक सुरक्षा लाभ मिलते हैं और वे श्रम कानूनों द्वारा संरक्षित होते हैं। अगस्त में 9.30 लाख नए ईपीएफ सब्सक्राइबर्स में 18-25 आयु वर्ग के युवाओं की हिस्सेदारी मामूली रूप से घटकर 59.26 फीसदी (5.51 लाख) हो गई, जो जुलाई में 59.4 फीसदी (6.25 लाख) थी। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि इस आयु वर्ग के सब्सक्राइबर्स आमतौर पर पहली बार लेबर मार्केट में प्रवेश करते हैं, जो बाजार की स्थिति का संकेत देते हैं। इसके अलावा, नई महिला सब्सक्राइबर्स की हिस्सेदारी भी घटकर 27.2 फीसदी (2.53 लाख) हो गई, जो पिछले महीने 29 फीसदी (3.05 लाख) थी। यह कार्यबल में महिला भागीदारी की गिरावट को दर्शाता है। वहीं अगस्त में नेट पेरोल ऐडिशन 18.5 लाख रही। हालांकि ये नेट पेरोल आंकड़े प्रारंभिक होते हैं और अगले महीने में आमतौर पर संशोधित किए जाते हैं, इसलिए नए ईपीएफ सब्सक्राइबर्स की संख्या को अधिक विश्वसनीय माना जाता है।

टाटा ग्रुप के 3 शेयरों ने दिया ऐतिहासिक रिटर्न

नई दिल्ली (ईएमएस)। टाटा ग्रुप का इतिहास लगभग सवा 100 साल पुराना है। जमशेदजी टाटा ने इस विशाल व्यापारिक साम्राज्य की नींव रखी और हर दशक में अगली पीढ़ियों ने इस बिजनेस समूह को आगे बढ़ाया। रतन टाटा की अगुवाई में टाटा ग्रुप की कंपनियों ने जोरदार तरक्की की। खास बात है कि इसका फायदा ना सिर्फ टाटा ग्रुप को बल्कि टाटा के शेयरों में निवेश करने वाले लोगों को भी मिला। टाटा ग्रुप की तीन कंपनियों ने टाटा मोटर्स, टाटा स्टील और टाइटन ने निवेशकों को पिछले कुछ सालों में जोरदार रिटर्न दिया है। टाटा ग्रुप के इन 3 शेयरों ने महज 5 साल में निवेशकों का पैसा पांच गुना तक कर दिया है। जैसे टाटा मोटर्स के शेयर 5 साल पहले अक्टूबर 2019 में 137 रुपये पर ट्रेड कर रहे थे लेकिन, आज इनकी कीमत 900 रुपये प्रति शेयर है। इस अवधि में टाटा मोटर्स के शेयरों ने 550 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया। टाइटन के शेयरों ने 5 साल की अवधि में 164 फीसदी का रिटर्न दिया है। अक्टूबर 2019 में कंपनी के शेयर 1300 रुपये के भाव पर थे और आज प्रति शेयर की कीमत 3430 रुपये से ज्यादा है। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा स्टील ने 5 सालों में निवेशकों का पैसा तीन गुना से ज्यादा कर दिया है। अक्टूबर 2019 में इस कंपनी के शेयर 36 रुपये के भाव पर मिल रहे थे और अब इनकी कीमत 153 रुपये है। इस अवधि में टाटा स्टील के शेयरों ने 325 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न दिया है।

दैनिक पंचांग

22 अक्टूबर 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

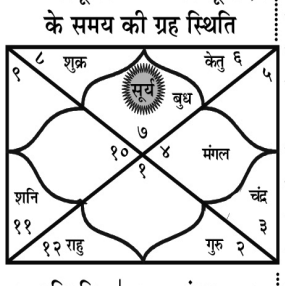

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	तुला	05.38 बजे से
चंद्र	मिथुन में	वृश्चिक	07.57 ब.से
मंगल	कर्क में	धनु	10.13 बजे से
बुध	तुला में	मकर	12.18 बजे से
गुरु	वृष में	कुंभ	14.04 बजे से
शुक्र	वृश्चिक में	मीन	15.37 बजे से
शनि	कुंभ में	मेष	17.08 बजे से
राहु	मीन में	वृष	18.48 बजे से
केतु	कन्या में	मिथुन	20.46 बजे से
राहुकाल	3.00 से 4.30 बजे तक	कर्क	22.59 बजे से
		सिंह	01.16 बजे से
		कन्या	03.27 बजे से

मंगलवार 2024 वर्ष का 296 वां दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) **पक्ष** कृष्ण
तिथि षष्ठी 01.30 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र आर्द्रा 05.39 बजे प्रात: को समाप्त। **योग** परिघ 08.46 बजे को समाप्त। **करण** गर 13.54 बजे तदनन्तर वणिज 01.30 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 19.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 11° 09'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872140
जूलियन दिन 2460605.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1446
महीना रवि उस्सानी **तारीख** 18
विशेष स्कन्द षष्ठी व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8165

बाएँ से दाएँ

1. रुद्र, शिव, भैरव-4
4. आयुर्वेद के जनक-3
6. भीगा हुआ-2
7. ताला(अंग्रेजी-2)
9. शेविंग करना -4
11. योग्य, अनुरूप-3
12. अल्सर-3
13. ज्वालामुखी से निकला गर्म द्रव-2
14. नमाज पढ़ने से पहले हाथ- पांव धोना-2
15. नाप जोख करना-3
17. अनुमान लगाना-3
19. उदारता, बड़प्पन-4
21. गाथा, कहानी -2
23. जनकपुत्री-2
24. जिज्ञासा, उत्साह-3
25. राजा, सम्राट- 4

ऊपर से नीचे

1. इच्छुक, अलमस्त-4
2. मात, पराजय-2
3. बोलने का तरीका-3
4. अचंभित-3
5. आर्ट, हुनर-2
8. गुनाह, अपराध-3
9. अटक-अटक कर बोलना-4
10. सरुर, खुमार, नशा, घमंड-2
12. नजाकत-4
15. अभिनेता, कप्तान-3
16. आनंद बोधक शब्द-2
18. सम्राट, राजा-4
19. व्यंग, परिहास-3
20. मुलायम-3
22. परात, बड़ी थाली-2
23. हलवा, एक मिष्ठान्न-2

शब्द पहेली -8164 का हल

	स	ला	म	त		ल	ल	क
दा	दा		न	म	न			ल
म	चा	न		स	र	फ	रो	श
	र	का	बी		क			या
आ		रा	ज		म	न		त्रा
ल			डा		य	म	ज	
म	नो	मि	ल	न		न	ल	का
गी			ना	र	द		च	र
र	वा	ना		क	र	ता	र	

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अंकजाल - 7706

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

	14	21	21	■	32	21	12	19	
12		7				5		9	22
14	2		5		8		5		23
16		2		■		9		7	26
21	2		7		5	■	■	■	■
■	■	■	■	7		9		3	29
26	8		6		■		6		13
18		2		6		3		7	14
29	8		5		■		6		18
■	21	15	16	30	■	19	18	22	■

अंकजाल 7705 का हल

	15	19	21	■	36	16	14	19	
14	2	7	5	■	8	5	4	9	26
15	7	5	3	■	8	2	7	3	20
12	4	2	6	■	7	9	3	7	26
21	2	5	7	2	5	■	■	■	■
■	■	■	■	7	8	9	2	3	29
26	8	5	6	7	■	3	6	4	13
18	5	2	5	6	■	3	4	7	14
29	8	8	5	8	■	6	4	2	12
■	21	15	16	30	■	21	16	16	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6650

		1		7	2	
6	35	5	30		25	
7		2		3		4
1	33		31		29	2
	6	4		5		7
	33	3	31		37	
5			4		6	3

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6649 का हल

1	7	3	4	5	6	2
6	37	6	29	2	29	1
2	7	5	1	3	4	6
4	32	4	29	4	35	4
3	6	1	4	7	2	5
7	33	2	32	6	37	7
5	2	7	4	1	6	3

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

गणित पहेली - 6010

50		2		5		1	=	20
	■		■		■		■	
17		77		25		20	=	49
	■		■		■		■	
25		3		70		50	=	55
	■		■		■		■	
32		24		20		10	=	18
=	■	=	■	=	■	=	■	=
40		58		75		60	=	32 / 83

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

गणित पहेली - 6009

20	+	30	+	20	-	8	=	62
-	■	+	■	+	■	x	■	-
17	-	8	+	10	+	1	=	20
+	■	÷	■	-	■	+	■	+
40	÷	2	x	3	÷	10	=	6
-	■	+	■	+	■	+	■	-
20	x	5	x	3	÷	25	=	12
=	■	=	■	=	■	=	■	=
23	+	24	-	30	+	43	=	36 / 60

शब्दजाल - 7697

म	क	मु	ग	ल	दो	चो	र	म	ल	ध
ल	वि	ल	नी	ला	आ	का	श	ह	श	ड़
ल	अ	ल	म	दी	छ	स	आ	दे	ख	क
का	स	न	न	दि	वा	स	रा	ल	श	क
र	आ	दो	प	ल	ज	मे	तू	ग	झ	न
या	क	द	र	ढ़	व	उ	शी	ण	ल्ला	क
ती	या	ल	मी	गां	प	मो	व	सु	जू	बै
क	म	ऊ	रा	द	खा	क	या	ए	श	क
क	त	मे	प	र्द	गी	जि	री	औ	प	य
क	गॉ	ल	प	लि	र	त	ऐ	ओ	प	की
क	ड	रा	जा	जा	नी	स	व्य	ब	प	न

शब्द जाल में धर्मेंद्र की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीच एवं तिरछे भी हैं.

अनपढ़, नीला आकाश, मेरा गांव मेरा देश, खामोशी, यकीन, दो चोर, ललकार, राजा जानी, रजिया सुल्तान, कयामत.

शब्दजाल - 7696 का हल

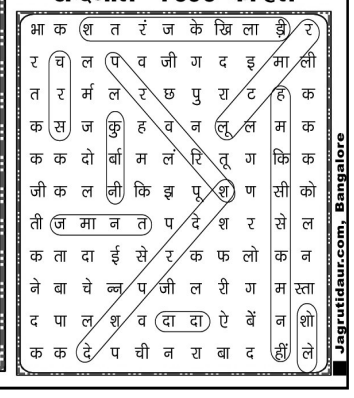

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का इतिहास

1873 स्वामी राम तीर्थ का जन्म।
1952 ईरान ने तेल विवाद के कारण ब्रिटेन से राजनयिक संबंध तोड़ लिए।
1953 फ्रांस ने लाओस को स्वतंत्र किया।
1956 हंगरी में लोकतांत्रिक सरकार के गठन की मांग के समर्थन में प्रदर्शन शुरु हुए।
1962 भाकड़ा नांगल नदी घाटी परियोजना राष्ट्र को समर्पित की गयी।
1969 लेबनान के प्रधानमंत्री रशीद करामी ने इस्तीफा दिया।
1977 राष्ट्रसंघ महासभा में 42 देशों ने विमान अपहरण के मामले पर विचार विमर्श का आग्रह किया।
1989 राष्ट्रकुल के 49 देशों ने दक्षिण अफ्रीका पर प्रतिबंध और कड़ा करने का समर्थन किया।
1991 केन्या ने नार्वे से राजनयिक संबंध तोड़ लिए।
1991 यूगोस्लाविया के रक्षा मंत्री ने यूरोपीय समुदाय का शांति प्रस्ताव ठुकरा दिया।
1993 राष्ट्र संघ द्वारा लगाए गए तेल प्रतिबंधों के कारण हैती का आखिरी तेल पंप भी बंद हो गया।
1994 माल्टा के तेल टैंकर के डूब जाने से 17 व्यक्ति मारे गए।

बागबेड़ा थाना क्षेत्र में छोटू सिंह उर्फ रोहित सिंह हत्याकांड का पर्दाफाश, अवैध संबंध के शक में हत्या की गई

जमशेदपुर । पुलिस ने विगत 14 अक्टूबर को बाग़बेड़ा थाना अंतर्गत किताडीह निवासी छोटू सिंह उर्फ़ रोहित सिंह हत्याकांड का खुलासा कर दिया है। कांड मे संलिप्त पांच अभियुक्तों को पुलिस ने गिरफ्तार करने मे सफलता हासिल की है। इसका खुलासा जिले के एसएसपी किशोर कौशल ने एक वार्ता के दौरान किया । उन्होने जानकारी देते हुए बताया कि इस कांड मे बाबू बंगाली उर्फ़ सुमित मण्डल,राजू हेस्सा, नितीश राय,मनीष कुमार अग्रवाल,रौशन गुप्ता शामिल है । एसएसपी किशोर कौशल ने कहा कि बाबू बंगाली उर्फ़ सुमित मण्डल को यह शक था की मृतक छोटू सिंह उर्फ़ रोहित सिंह के साथ उसके पत्नी के अवैध सम्बन्ध थे और इसी के तहत उनसे जाल बिचाकर अपने साथियों के साथ उसकी हत्या कर दी । पुलिस ने गुप्त सुचना के आधार पर बाग़बेड़ा बड़ोदा घाट के पास जाल बिचाकर सभी को गिरफ्तार किया । इनके पास से पुलिस ने दो देसी पिस्टल जिसका उपयोग कांड मे किया गया था उसे बरामद किया है । साथ ही नौ गोली, तीन मैगजीन,एक मोटरसाईकल और तीन मोबाइल भी जब्त किया है। फिलहाल सभी अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत मे भेज दिया गया है।

20 लाख की रंगदारी मांगने के आरोप में 3 गिरफ्तार

हजारीबाग : उरीमारी थाना पुलिस ने व्यवसाई से 20 लाख रुपए की रंगदारी मांगने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. सोमवार को पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि व्यवसाई दशरथ प्रजापति सा- पहाड़ी शिव मंदिर से 20 लाख रुपए की रंगदारी की मांग मोबाइल से की गई थी. इस संबंध में बड़कागांव (उरीमारी ओपी) थाना कांड संख्या 254/24 दिनांक 11.10.24 धारा 308 (3)/308 (4) बीएनएस दर्ज की गई. इस बीच उक्त वादी को पुनः 17 अक्टूबर को एक अतिरिक्त मोबाइल नम्बर से रंगदारी के लिए धमकी दी गई. एसपी ने बताया कि मामले को गंभीरता से संज्ञान लेते हुए पुअनि राम कुमार राम, ओपी प्रभारी, उरीमारी के नेतृत्व में टीम का गठन कर इसके अविलम्ब उद्भेदन का निर्देश दिया. तकनीकी साक्ष्य की मदद से उरीमारी ओपी प्रभारी एवं ओपी के सशस्त्र बल ने काफी कम समय में ही उक्त कांड मे तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार करते हुए इसका उद्भेदन कर दिया. पकड़े गए आरोपियों में महेश मुर्मू (करमाटील्हा थाना), प्रदीप गंझू पिता (असवा टोला सतमारा) एवं धानो मरांडी (जोजो टोला) सभी थाना उरीमारी शामिल हैं. आरोपियों में से दो का आपराधिक रिकार्ड भी रहा है.

भाजपा की क्लस्टर प्रभारी सह विधायक भावना बोहरा ने की बैठक, जमशेदपुर पूर्वी की प्रत्याशी पूर्णिमा दास से भी मिली

जमशेदपुर । साकची भाजपा कार्यालय में भाजपा युवा मोर्चा जमशेदपुर महानगर की संगठनात्मक बैठक पूर्वी सिंहभूम जिला की क्लस्टर प्रभारी छत्तीसगढ़ की विधायक भावना बोहरा की उपस्थिति में हुई। बैठक की अध्यक्षता भाजयुमो जिलाध्यक्ष नीतीश कुमार कुशवाह ने की । बैठक में मुख्य रूप से भाजपा महामंत्री अनिल मोदी, अमिताभ सेनापति, अभिषेक आचार्या, शैलेश गुप्ता, अभिमन्यु सिंह चौहान, समेत काफी संख्या में जिला व मंडल के पदाधिकारी उपस्थित थे । इधर, भावना बेहरा ने जमशेदपुर पूर्वी की प्रत्याशी पूर्णिमा दास साहू से भी मुलाकात की । मुलाकात के बाद पूर्णिमा ने सोशल मीडिया पर लिखा, आज जमशेदपुर लोकसभा क्लस्टर प्रभारी सह छत्तीसगढ़ पंडरिया विधायक श्रीमती भावना बोहरा जी का आत्मीय सानिध्य प्राप्त हुआ । उनका अनुभव और सुझाव मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित होगा ।

स्वीप कोषांग के तहत मतदाता जागरूकता अभियान चलाया

दुमकाःविधानसभा आम निर्वाचन-2024 के मद्देनजर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त के निर्देशानुसार सभी प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में स्वीप कोषांग के तहत मतदाता जागरूकता अभियान चलाकर नैतिक मतदान हेतु शपथ दिलाया गया। इस दौरान क्षेत्र के मतदाताओं समेत प्रखंड/अंचल कार्यालय के पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने भी नैतिक मतदान करने का शपथ लिया। इसी क्रम में सहायक समाहर्ता अभिनव प्रकाश एवं पूरी स्वीप कोषांग की टीम द्वारा रेलवे स्टेशन, एसपी कॉलेज सहित विभिन्न स्थलों पर मतदान के संदेश से भरे पोस्टर चिपकाए गए। सड़क पर परिचालित ऑटो, रिक्शा, बस, दीवार, दुकानों इत्यादि पर यह पोस्टर चिपकाए गया। इस दौरान सभी स्थलों पर पोस्टर चिपकाए के बाद उपस्थित मतदाताओं को मतदान की जानकारी दी गई। सभी के साथ मतदाता शपथ भी लिया गया।

प्रदेश महासचिव को लोजपा (आर) ने किया निष्कासित

रांची : पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण लोक जनशक्ति पार्टी (आर) के प्रदेश कार्यकारिणी समिति ने प्रदेश महासचिव सह धनबाद जिला प्रभारी राकेश सिंह को छह वर्षों के लिए निष्कासित किया. प्रदेश कार्यकारिणी समिति ने यह कार्रवाई उनके पार्टी विरोधी कार्यों के लिए किया है | निष्कासित राकेश सिंह पर आरोप है कि इनके द्वारा लगातार पार्टी विरोधी कार्य एवं संगठन के निर्देशों की अवहेलना की जा रही थी जिससे पार्टी की छवि ख़राब हो रही थी. प्रदेश कार्यकारिणी समिति ने बताया कि अनुशासन तोड़ने वाले एवं संगठन विरोधी कार्य करने वाले नेताओं पर आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी.

झारखंड विधानसभा चुनाव में भारत आदिवासी पार्टी ने उतारा उम्मीदवार

रांचीः भारत आदिवासी पार्टी के केंद्रीय कमेटी के द्वारा निर्देश एवं राज्य कमिटी के द्वारा अनुमोदित झारखंड विधानसभा 2024में भारत आदिवासी पार्टी की उम्मीदवार की आधिकारिक रूप से पहली सूची की घोषणा की गई। जिसमें तमाड़ से प्रेम शंकर शाही मुंडा,पोटका से महीन सरदार, हटिया से कुदरसी मुंडा, मनोहरपुर सुशील बारला , जुगसलाई से कार्तिक मुखी , घाटशिला से इंद्रजीत मुर्मू, जमशेदपुर पूर्वी से कृष्ण हांसदा , खिजरी से अजय कच्छप ओर मंडर से जागरे उरांव को प्रत्याशी बनाया गया ।

चौपारण पुलिस ने अवैध विदेशी शराब की बड़ी खेप किया बरामद

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग):रविवार बीती रात्री चौपारण पुलिस ने थाना क्षेत्र के चोरदाहा चेकपोस्ट के पास से भारी मात्रा में अवैध विदेशी शराब सहित वाहन किया जब्त। इस संबंध में बताया गया कि आगामी विधानसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर चोरदाहा चेकपोस्ट के पास थाना प्रभारी चौपारण एवं एसएसटी टीम के द्वारा बरही चौपारण की तरफ से आने वाले सभी वाहनों का चोकिंग किया जा रहा था इसी बीच महिन्द्रा कंपनी का XYLO वाहन सं0 JH01Z-4177 के चालक अपनी गाड़ी को चोरदाहा चेकपोस्ट के कुछ दूरी पर पुलिस बल को देखकर रोक दिया और गाड़ी से उतरकर कुछ लोग इधर-उधर भागने लगे। संदेह होने पर उक्त गाड़ी के पास जाकर पुलिस बल के सहयोग से गाड़ी का सत्यापन किया गया तो गाड़ी के अन्दर अंग्रेजी शराब लदा हुआ पाया गया।तलाशी के क्रम में वाहन के अन्दर 14 पेटी में अंग्रेजी शराब पाया गया। जिसे विधिवत जप्त करते हुए चौपारण थाना काण्ड संख्या 361/2024 दिनांक 21/10/2024 धारा 274/275/317(5)/3(5) भा0 न्या0सं0 एवं 47 (a) उत्पाद अधिनियम के अन्तर्गत दर्ज कर संलिप्त अभियुक्ततों के विरुद्ध छापामारी कि जा रही है।

मौके पर छापामारी दल में पप्पू कुमार सहायक अभियंता बरही,थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश,सअनि मनोज कुमार सिंह,अशोक राम,गुड्डू कुमार चौपारण थाना शामिल रहे।

अवैध शराब के कारोबार के विरुद्ध चतरा उत्पाद विभाग की कार्रवाई

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चतराः जिले में आगामी विधानसभा चुनाव को दृष्टिपथ रखते हुए उपायुक्त चतरा रमेश घोलप एवं अनुमंडल पदाधिकारी, सिमरिया के निर्देश पर सोमवार को अंचलाधिकारी टंडवा के नेतृत्व में उत्पाद विभाग एवं टंडवा थाना की संयुक्त टीम के द्वारा टंडवा थाना अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में छापामारी अभियान चलाया गया। छापामारी के दौरान बड़ी मात्रा में अवैध महुआ चुलाई शराब, बीयर एवं विदेशी शराब जब्त और विनष्ट किया गया। छापामारी में 03 व्यक्तियों को अवैध शराब रखने एवं अवैध रूप से शराब बेचने के आरोप में गिरफ्तार भी किया गया।

छापेमारी के क्रम में छापामारी दल द्वारा विदेशी शराब 27.000 लीटर, बीयर 63.000 लीटर अवैध महुआ चुलाई शराब 616 लीटर करीब जब्त एवं विनष्ट किया गया।

आरोपीयों के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत अभियोग दर्ज कर अग्रेतर कार्यवाई की जा रही है।

अधीक्षक उत्पाद, चतरा के द्वारा जानकारी दी गई कि उपायुक्त महोदय के निर्देशानुसार आदर्श आचार संहिता लागू होने के पूर्व से हीं जिले में अभियान चलाकर लगातार छापामारी अभियान चलाया जा रहा है और आगे भी अवैध शराब के कारोबार के विरुद्ध इसी प्रकार सघन छापामारी अभियान जारी रहेगा।

श्रीराम भरत मिलाप समिति के अध्यक्ष बने रोहित शारदा

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : शहर की सबसे पुरानी संस्था श्रीराम भरत मिलाप बैठक होटल युवराज पैलेस संपन्न हुई, बैठक में आम सभा किया गया, आम सभा में श्री राम भरत मिलाप समिति से जुड़े लोग शामिल हुए, आम सभा में चुनाव प्रभारी बीके विजय के नेतृत्व में सर्व सहमति से रोहित शारदा को अध्यक्ष चुना गया, महामंत्री अमित गुप्ता नम्रता सोनी, कुमुद पांडे एवं कोषाध्यक्ष प्रकाश वर्मन को चुना गया एवं 21 कार्यकारणी का गठन किया गया।

अध्यक्ष चुने जाने के पश्चात रोहित शारदा ने कहा की, श्रीराम भरत मिलाप समिति हिंदू आस्था में विश्वास करने वाली सबसे पुरानी संस्थाओ में एक है, उन्होंने कहा श्री राम भरत मिलाप समिति 1971 से पूजा कर अपने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों को करते आ रही है, उन्होंने कहा की श्रीराम भरत मिलाप समिति ने हमेशा रामायण के संस्कार आज के युवाओं के बीच पहुंचाने का काम कर रही है साथ ही भाई – भाई के प्रेम को दर्शाने का काम करती है उन्होंने बताया की समिति ने सांस्कृतिक नित्य, कला, कौशल को भी बढ़ावा देने का काम किया है, और मंच में माध्यम से प्रतिभागियों में प्रतिस्पर्धा के माध्यम से उन्हें मंच प्रदान करने का काम किया है। उन्होंने बताया की, श्रीराम भरत मिलाप समिति इस वर्ष में अपना वार्षिक उत्सव 26 अक्टूबर 2024 को गांधी मैदान डोरंडा में भव्य रूप से मनाएगी, उन्होंने कहा की श्रीराम भरत मिलाप समिति के कार्यक्रम का मंचन नृत्यांजलि एकेडमी के माध्यम से किया जाएगा और जीते हुए प्रतिभागी को पुरस्कृत किया जाएगा।

श्री शारदा ने बताया की *संरक्षक* बीके विजय सरदार अशोक सिंह ,पुरुषोत्तम दास ,जयनारायण विजय एवं सुरेश प्रसाद *उपाध्यक्ष* विनय ठाकुर, पीयूष विजय ,अनूप बर्मन, सत्येंद्र रजक, किशोर दास, महेश विजय, आशीष जोशी, महेश सोनी,अनिल केसरी, *मंत्री* ऋषि शारदा ,प्रिया सिन्हा, मीनू डांगी ,जितेंद्र बरनवाल, ,जुगल दरगड़, सिम्मी गोस्वामी, अनिल विजय, रंतु उरांव, बिट्टू घोष बाबूसोना दास को एवं सोनू मिश्रा को *मीडिया प्रभारी* बनाया गया है।

गिरिडीह में अवैध शराब चुलाई के खिलाफ छापेमारीःकई भट्टियों को किया गया ध्वस्त, बगोदर से 1 लाख रुपए नकद बरामद

गिरिडीहः गिरिडीह के डुमरी, तिसरी, गांडेय, खोरीमहुआ गावां और पचंबा में सोमवार को अवैध महुआ शराब चुलाई के खिलाफ संघन अभियान चलाया गया। इन इलाकों के अलग-अलग थाना क्षेत्र में बड़े पैमाने पर महुआ शराब को विनष्ट कर दिया गया।

गावां में पुलिस ने राजोखार, बरमसिया क्षेत्र के जंगलों में संघन अभियान चलाया। इस दौरान जंगल में लगभग एक हजार लीटर जावा महुआ को विनष्ट किया गया। वहीं भट्टियों को भी तोड़ा गया। पुलिस को आते देखकर अवैध धंधेबाज घने जंगलों के फायदा उठाकर भाग खड़े हुए।

बगोदर में एफएसटी टीम ने 1 लाख रुपए केस किया जब्त

गिरिडीह एसपी के आदेश पर विधानसभा चुनाव के मद्देनजर FST टीम के द्वारा बगोदर थाना क्षेत्र के हरिहर धाम स्थित चेकनाका पर जांच के क्रम में 1 लाख रुपये नकद केस बरामद किया गया। पुलिस ने यह कार्रवाई बोकारो थर्मल के रहने वाले से मनोज कुमार पिता स्व गोपी साव के पास से की है। इसके अलावा पुलिस ने देवरी और सरिया थाना क्षेत्र से 3 अवैध बालू लोड ट्रैक्टर को जब्त किया है।

एआईएसएम जर्नलिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय महासचिव श्री भाटिया ने राज्य से एक सौ पत्रकारों को शिरडी यात्रा पर ले जायेंगे

जमशेदपुर । ऑल इंडिया स्मॉल एंड मीडियम जर्नलिस्ट वैलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय महासचिव प्रीतम सिंह भाटिया आज अचानक ऐसोसिएशन के प्रदेश प्रवक्ता अरुण माझी के आवास पहुंचे.श्री भाटिया अपने और पत्नी अरूणा भाटिया के बेहतर ईलाज हेतु अक्सर दिल्ली जाते रहते हैं.इस बार उन्होंने दिल्ली में सिखों की राजनीतिक सहभागिता में अनदेखी का मुद्दा भी उठाया है. उन्होंने दिल्ली से वापसी के क्रम में अपनी पत्नी अरूणा भाटिया के हाथों श्री मांझी की बेटी प्रिया को साई भजन यंत्र और विवाह का शगुन देकर सम्मानित किया.चूंकि प्रिया की शादी नवंबर 2023 में हुई थी जब श्री भाटिया बीमारी के कारण अनुपस्थित रहे थे.मौके पर श्री भाटिया के पुत्र अमनदीप सिंह भाटिया,श्री मांझी की पत्नी पुतुल सेन,बेटा शेखर सुमन,ऐसोसिएशन के रांची प्रमण्डल प्रभारी दिनेश बैनर्जी,ग्रामीण जिला उपाअध्यक्ष बिद्युत महतो,बिकाश ठाकुर ,मलखान महतो आदि उपस्थित थे.

बहुत जल्द सपरिवार शिरडी यात्रा पर जाएंगे झारखंड के पत्रकार : प्रीतम भाटिया

राष्ट्रीय महासचिव प्रीतम भाटिया ने कहा कि साईं कृपा बनी तो बहुत जल्द झारखंड के पत्रकारों को शिरडी धाम की सपरिवार यात्रा करवाएंगे. श्री भाटिया ने कहा झारखंड के 100 पत्रकारों को जनवरी से मार्च के बीच शिरडी साईं बाबा,शनि शिंगणापुर और त्रबंयकेवर महादेव के दर्शन करवाया जायेगा.

गिरिडीह में हुआ बड़ा सड़क हादसाः बलेनो और स्विफ्ट डिजायर कार में आमने-सामने टक्कर, तीन की हुई मौत, दो हुए जख्मी

गिरिडीह में सोमवार को बड़ा सड़क हादसा हुआ है। यहां गिरिडीह टुंडी धनबाद पथ पर पंडरी के पास बलेनो और स्विफ्ट डिजायर कार की आमने सामने टक्कर में 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 2 लोग घायल बताए जा रहे हैं।

घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची ताराटांड़ थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेने के साथ गंभीर रूप से घायल हुए लोगों को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

मृतकों में दो यूपी के देवरिया जिला के रहने वाले हैं। उनका नाम कैलाश सिंह और सुरेंद्र सिंह है। वहीं तीसरा व्यक्ति बोकारो का राजीव रंजन सिन्हा है।

धनबाद से जा रहा था देवघर, कार के उड़ गए परखचे

जानकारी के अनुसार स्विफ्ट डिजायर धनबाद से गिरिडीह की ओर से आ रही थी। वहीं गिरिडीह से धनबाद की ओर जा रहे बोलेनो कार से स्विफ्ट डिजायर की आमने सामने टक्कर हो गई। जिससे स्विफ्ट डिजायर में बैठे तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि बलेनो में सवार पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। कार पर सवार सभी लोग धनबाद से गिरिडीह होते हुए देवघर जा रहे थे। घटना में दोनों कार के एक तिहाई परखचे उड़ गए।

जमशेदपुर में महाराष्ट्र पुलिस की छापेमारीः अभिनेता सलमान खान से पांच करोड़ रुपए की मांग का मामला, झारखंड से गया मैसेज

जमशेदपुर : बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान से पांच करोड़ रुपए की मांग का मामला झारखंड के जमशेदपुर से जुड़ने के बाद महाराष्ट्र पुलिस की टीम वहां पहुंच गई है। सूत्रों के अनुसार, सोमवार को महाराष्ट्र पुलिस ने जुगसलाई और बागबेड़ा थाना क्षेत्रों में छापेमारी की, लेकिन उन्हें किसी प्रकार की जानकारी नहीं मिली। हालांकि, जिले के एसएसपी किशोर कौशल ने इस मामले में किसी भी सूचना से इनकार किया है।

मामले की शुरुआत तब हुई जब मुंबई की ट्रैफिक पुलिस को वाट्सएप पर एक धमकी भरा संदेश प्राप्त हुआ, जिसमें सलमान खान से पैसे मांगे गए। इस संदेश में जेल में बंद गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई का नाम भी शामिल था, जिसमें सलमान के साथ चल रहे विवाद को सुलझाने की बात कही गई थी।

सूत्रों के अनुसार, संदेश भेजने वाला व्यक्ति लारेंस बिश्नोई गैंग का करीबी है। संदेश में चेतावनी दी गई थी कि यदि सलमान खान को जीवित रहना है और लारेंस बिश्नोई से दुश्मनी खत्म करनी है, तो उन्हें तुरंत पांच करोड़ रुपये देने होंगे। यदि पैसे नहीं दिए गए, तो सलमान की स्थिति "बाबा सिद्दीकी से भी बदतर" हो जाएगी।

इस गंभीर मामले को मुंबई पुलिस ने वर्ली थाने में केस दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि संदेश भेजने के बाद आरोपित का फोन नंबर बंद आ रहा है। इस नई धमकी के बाद सलमान खान और उनके परिवार की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी संबंधित विभागों ने स्थिति को ध्यान में रखते हुए उचित कदम उठाने की तैयारी कर ली है।

प्रसूता की मौत के बाद परिजनों का हंगामाःलापरवाही बरतने और सुविधा नहीं देने का आरोप, पुलिस ने कराया शांत

गिरिडीहः गिरिडीह चैतांडीह स्थित मातृत्व शिशु इकाई केंद्र से कुछ दूर पर संचालित सावित्री हॉस्पिटल के बाहर कुछ लोगों ने सोमवार को प्रसूता की इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाकर हंगामा कर दिया है। साथ ही संचालक बगैर सुविधा के कंपाउंडर द्वारा प्रसूता का ऑपरेशन करने और लापरवाही करने के बाद गंभीर स्थिति में रेफर करने का आरोप लगाया है।

परिजनों ने गंभीर स्थिति में कर दिया रेफर

इस मामले में मृतका के परिजन मंटू कोल ने बताया कि उनके भाई की पत्नी जानकी देवी को प्रसव करवाने के लिए वे टुंडी थाना क्षेत्र के गुलियाडीह से लेकर आए थे। दो दिन पहले उन्हें सावित्री हॉस्पिटल में एडमिट करवाया। इसके बाद यहां उनका ऑपरेशन किया गया और जब उनकी स्थिति बिगड़ने लगी तो उन्हें धनबाद के एक अस्पताल में रेफर कर दिया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

पुलिस और जनप्रतिनिधियों ने कराया शांत

घटना की सूचना पर गिरिडीह पुलिस के साथ साथ जेएलकेएल नेता नवीन चौरसिया और माले नेता राजेश सिन्हा मौके पर पहुंचे और परिजनों से घटना के संबंध में जानकारी ली और लोगों को शांत कराया। साथ ही मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा देने की मांग की। बता दें कि निजी क्लीनिक में प्रसव के दौरान प्रसूता की मौत का यह कोई नया मामला नहीं है। 3-4 दिन पूर्व भी गिरिडीह में जच्चा-बच्चा की इलाज के दौरान मौत हो गई थी।

बिष्टुपुर में लेब ग्रोन डायमंड के शोरूम का उद्घाटन किया गया

जमशेदपुर । बिष्टुपुर स्थित रीगल प्लाजा बिल्डिंग में लेब ग्रोन डायमंड ज्वैलरी का शोरूम खोला गया, जिसका उद्घाटन गोयल परिवार की मुखिया बनारसी देवी गोयल के द्वारा विधिवत रूप से फीता काटकर किया गया । आप को बता दें कि जमशेदपुर में पहली बार बिष्टुपुर रीगल प्लाजा बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर में तिशा ज्वेलर्स नाम के लेब ग्रोन डायमंड शोरूम का उद्घाटन किया गया है , जहां इस शोरूम में शहरवासी लेब ग्रोन डायमंड ज्वेलरी, सिल्वर के गिफ्टिंग आइटम के साथ ही पहली बार जमशेदपुर में डायमंड टेस्टिंग मशीन की सुविधा भी शहर वासियों के लिए इस शॉप में उपलब्ध कराई गई है ।

वहीं इस शोरूम के संचालक ने मौके पर कहा कि यहां 20000 से लेकर 10 लाख तक के लेब ग्रोन डायमंड की ज्वेलरी शहरवासी खरीदारी कर सकेंगे । प्रोपराइटर हर्ष गोयल व मनीष गोयल ने बताया कि उद्घाटन वाले दिन यानी 18 अक्टूबर से लेकर करवा चौथ वाले दिन तक प्रत्येक खरीदारी में शहरवासियों को 10% तक की छूट डायमंड आइटम में दी जा रही है।

दीपावली और धनतेरस के त्यौहार को देखते हुए गोल्ड और सिल्वर के कॉइन भी इस शोरूम में शहर वासियों के लिए उपलब्ध है । उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान गोयल परिवार के बालमुकुंद गोयल, बजरंग लाल गोयल, मनोज गोयल, मृदुल गोयल, उमंग गोयल, दिव्यम गोयल समेत समाज के गणमान्य लोगों में मुरलीधर केडिया, सीताराम जी अग्रवाल, उमेश कवंटिया, दिलीप गोयल, पवन पोद्दार, चेंबर के अध्यक्ष विजय आनंद मुनका, महासचिव मानव केडिया, अभिषेक अग्रवाल गोल्डी समेत चेंबर के सारे पदाधिकारी उपस्थित थे ।

पुलिस संस्मरण दिवस के अवसर पर शहीद हुए झारखंड वीर पुलिस कर्मियों को दीं गई श्रद्धांजलि

धनबाद, पुलिस संस्मरण दिवस के मौके पर सोमवार को जिले मे पुलिस विभाग द्वारा अपने कर्तव्य के दौरान झारखंड पुलिस के शहीदों जवानों को याद करते हुए कर्त्तव्य के दौरान शहीद हुए वीर पुलिसकर्मियो को भावभीनी श्रद्धांजलि दी . सोमवार सुबह 8 बजे कार्यक्रम की शुरुआत हुई । वरीय पुलिस अधीक्षक, हृदीप पी जनार्दनन , पुलिस अधीक्षक, नगर, अजीत कुमार , पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण, कपील चौधरी समेत अन्य पदाधिकारियों ने शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर शहीद जवानों को नमन किया. मौके पर वरीय पुलिस अधीक्षक के द्वारा शहीदों के परिजन को सम्मानित किया गया और उनका दुःख बांटने की कोशिश की गई । मौके पर एस्एसपी ने कहा कि अपने कर्तव्य के दौरान देश के लिए शहीद होना गौरव की बात है, हालांकि शहीदों की क्षति को भुलाया नहीं जा सकता है . मौक़े पर एसएसपी, हृदीप पी जनार्दनन, सिटी एसपी, अजीत कुमार, ग्रामीण एसपी, कपील चौधरी, डीएसपी, धीरेंद्र नारायण बंका, डीएसपी, नौशाद आलम, एसडीपीओ, आशुतोष सत्यम, डीएसपी, सुमित कुमार, एसडीपीओ, रजत मणिक बाखला, डीएसपी, अरविंद सिंह, डीएसपी, संजीव कुमार, डीएसपी, शंकर कामती, प्रचारी प्रवर प्रथम, अवधेश कुमार समेत कई पदाधिकारी व जवान मौजूद थें.

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मदार।